जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जयपुर, मंगलवार 20 मई, 2025

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री भजनलाल शर्मा
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान

राष्ट्राय स्वाहा,
इदं राष्ट्राय, इदं न मम

ऑपरेशन सिंदूर की गूंज के साथ भारत की शौर्य गाथा में एक नया अध्याय जुड़ा है

आपका संकल्प- हमारा विश्वास

वीर धरा राजस्थान माननीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करती है

प्रदेशवासियों को 26 हजार करोड़ रुपए के विकास कार्यों तथा
देश को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 103 पुनर्विकसित रेलवे स्टेशनों की सौगात

मुख्य अतिथि
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

22 मई, 2025 | प्रातः 10:30 बजे | स्थान - पलाना, बीकानेर

आप सादर आमंत्रित है

राजस्थान संवाद

विकास पथ पर राजस्थान

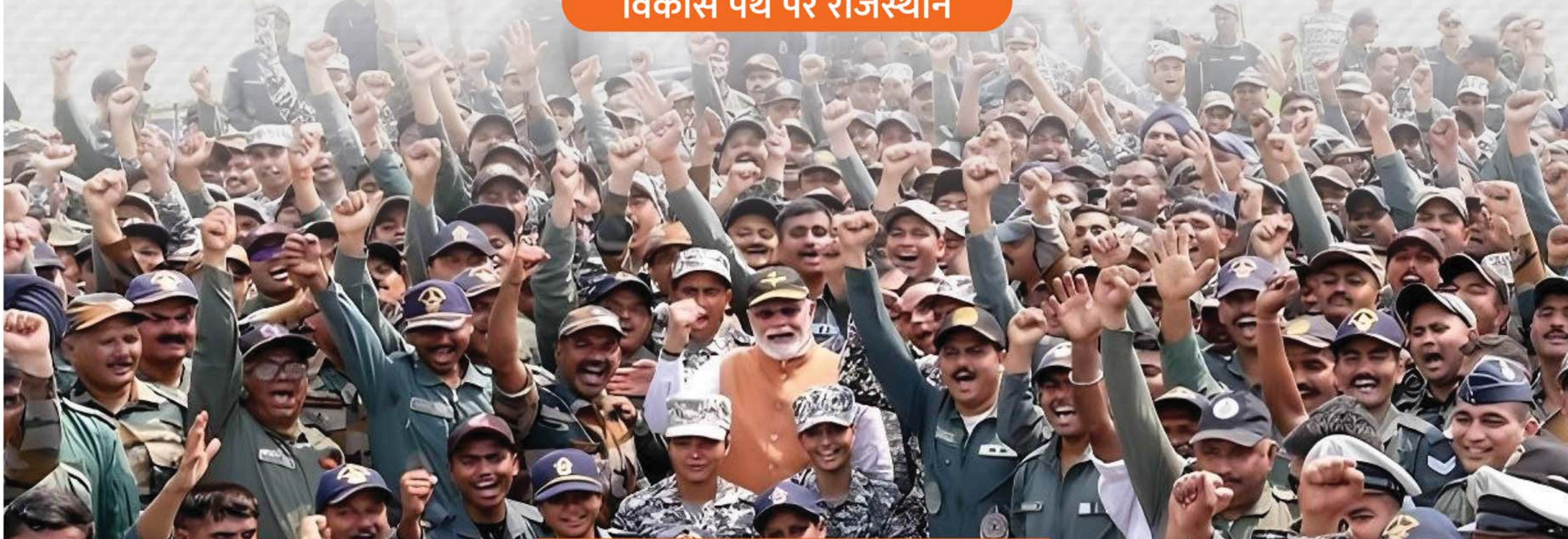

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

विचार बिन्दु

कोई इन्सान दो आदमियों की एक साथ खिदमत नहीं कर सकता; चाहे प्रभु की उपासना कर लो, चाहे कुबेर की। -बाइबिल

क्या अमेरिका को भी आँख दिखानी पड़ेगी?

जब से डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति का पद संभाला है, वे अपने निर्णय, वक्तव्य एवं व्यवहार से भारत को अपमानित करने का कोई अवसर नहीं छोड़ रहे हैं ।

इसकी शुरुआत राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण समारोह से ही हो गई थी, जब शपथ ग्रहण समारोह में चीन के राष्ट्रपति सहित अनेक राष्ट्राध्यक्षों को आमंत्रित किया गया, किंतु भारत के प्रधानमंत्री को निमंत्रण नहीं दिया गया । अमेरिका में भारत के दूतावास द्वारा जैसे-तैसे भारतीय विदेश मंत्री के लिए निमंत्रण की व्यवस्था की गई और उन्होंने शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। यह विचित्र इसलिए लगा कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की नजदीकियां और दोस्ती कई बार देखी गई । उसका कई बार जिक्र भी भारतीय प्रधानमंत्री ने किया। जिस समय ट्रंप अहमदाबाद आए थे तो बहुत बड़े समारोह में दोनों ने पूरे स्टेडियम में हाथ में हाथ डालकर पैदल चक्कर लगाया था। इसी प्रकार जब अमेरिका में 'हाऊ डी मोदी' कार्यक्रम किया गया तो वहां भी बड़ी संख्या में अमेरिकी भारतीयों के सामने उन्होंने अपनी दोस्ती का प्रदर्शन किया।

राष्ट्रपति पद संभालते ही ट्रंप ने अवैध तौर पर अमेरिका में रह रहे भारतीयों को तत्काल भारत भेजने के निर्देश दिए। इसकी पालना में 100 से अधिक भारतीयों को पांवों में बेड़ियां डालकर अमेरिकी सेना के विमान से भारत भेजा गया । यह दृश्य भारतीयों के लिए बड़ा अपमानजनक था। इसके विरोध में कोई प्रतिक्रिया या टिप्पणी भारत सरकार द्वारा नहीं की गई। शायद इसी का परिणाम था कि बाद में भी भारतीयों को इसी प्रकार से भेजा जाता रहा।

अमेरिका में रह रहे कई भारतीयों के वीज़ा केवल ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन पर ही निरस्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई। इससे वहां पढ़ाई कर रहे छात्रों और वहां पर कई वर्षों से नौकरी कर रहे भारतीयों पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे। यह कदम भारतीयों के हित के विपरीत था इस बारे में भारत सरकार ने कोई प्रतिकार नहीं किया।

1 अप्रैल 2025 से डोनाल्ड ट्रंप ने अचानक 'टैरिफ' अर्थात अमेरिका में आयात होने वाली वस्तुओं पर आयात शुल्क बहुत बढ़ा दिया। इसके कारण भारत से अमेरिका में होने वाले निर्यात पर बहुत विपरीत प्रभाव पड़ने की आशंका उत्पन्न हुई । उल्लेखनीय है कि भारत अमेरिका से जितना आयात करता है उससे कहीं अधिक अमेरिका को निर्यात करता है। जैसे ही अमेरिका ने टैरिफ बढ़ाया तो भारतीय वस्तुएं अमेरिका में महंगी होने लगीं, जिससे उनके निर्यात पर प्रभाव पड़ा। इसका परिणाम यह हुआ कि भारत में इन वस्तुओं के उत्पादन पर विपरीत प्रभाव पड़ने की संभावना बनी। राष्ट्रपति का यह निर्णय भारत के उद्यमियों के हित के विपरीत था किंतु इस बारे में भारतीय विदेश मंत्रालय अथवा प्रधानमंत्री ने कोई विरोध सार्वजनिक रूप से दर्ज नहीं कराया ।

राष्ट्रपति ट्रंप के गैर जिम्मेदाराना व्यवहार की हद तो तब हो गई जब उन्होंने 10 मई, 2025 को भारतीय समयानुसार लगभग 5:30 बजे अचानक एक ट्वीट करके दुनिया को सूचित किया कि उनकी मध्यस्थता के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष पर विराम लग गया है। उनका यह कथन एकदम अनुचित था क्योंकि भारत, 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से, पहलगाम के बर्बर आतंकी हमले में लिप्त पाकिस्तानियों के आतंकी ठिकानों पर लगातार हमले करके उन्हें ध्वस्त कर रहा था। भारतीय सेना ने बड़ी बहादुरी से बिना नागरिकों को नुकसान पहुंचाए उनके आतंकी ठिकानों पर बड़ा कठोर प्रहार किया था। राष्ट्रपति ट्रंप की छवि अचानक अजीबोगरीब बयान देने की रही है, किंतु इस बार उन्होंने अपने द्वारा कराए गए संघर्ष विराम की बात लगभग 5-6 बार विभिन्न माध्यमों से दोहराई। अत: यह नहीं कहा जा सकता कि आकस्मिक रूप से उन्होंने यह बात कह दी होगी। उनका यह वक्तव्य भारत के इस स्टैंड पर एक प्रकार से हमला था कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच किसी तीसरे की कोई मध्यस्थता स्वीकार नहीं करेगा। ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया कि किसी न्यूट्रल स्थान पर भारत और पाकिस्तान की वार्ता कराई जाएगी। ट्रंप के इस ट्वीट के द्वारा दिए गए बयान पर भारतीय प्रधानमंत्री ने कोई भी प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की और न ही विदेश मंत्रालय ने इसका खंडन किया।

भारत और पाकिस्तान को एक ही तराजू में रखने की राष्ट्रपति ट्रंप की इस कोशिश को भारत द्वारा नकारा जाना चाहिए था, क्योंकि भारत आतंक का शिकार था और पाकिस्तान, आतंकी गतिविधियां अपने देश में पनपाने का आरोपी था। भारत में जहां 'जनरल इलेक्शन' होते हैं, वहीं पाकिस्तान में जनरल की इच्छा अनुसार इलेक्शन होते हैं। पाकिस्तान जहां इस्लामी गणराज्य है वहीं भारत एक लोकतांत्रिक, पंथ निरपेक्ष राष्ट्र है। इस कारण भारत की अपनी एक विशिष्ट पहचान 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में, प्रधानमंत्री मोदी ने बनाने कोशिश की है। ऐसे परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत और पाकिस्तान को समान रूप से महान बताने का बयान कैसे और क्यों दिया गया एवं भारत सरकार द्वारा इस पर आपत्ति दर्ज नहीं कराना समझ से परे है।

कहा जाता है कि जब बाइडन अमेरिका के राष्ट्रपति थे तो डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया था कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका यात्रा के समय उनसे मिलने आएंगे । जब प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका गए तो वे ट्रंप से मिलने नहीं गए। इसे संभवतया ट्रंप ने अपना अपमान माना और कहीं उसके बदले के रूप में तो उनके द्वारा इस प्रकार का दृष्टिकोण नहीं अपनाया जा रहा है?

भाजपा की सांसद फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपने ट्वीट में जहां ट्रंप को 'अल्फा मेल' कहा, वहीं मोदी को सभी 'अल्फा मेल्स' का बाप बताया। पाठकों को यह बता दें कि 'अल्फा मेल' का तात्पर्य उस व्यक्ति से है जो किसी समूह में सबसे अधिक मजबूत, प्रभावशाली और हावी होता है। उन्होंने मोदी को ट्रंप से बहुत बड़ा नेता सिद्ध करने की दृष्टि से यह भी लिखा कि ट्रंप दूसरी बार राष्ट्रपति बने हैं, जबकि प्रधानमंत्री मोदी तीसरी बार बने हैं। आश्चर्य की बात तो यह है कि भाजपा सांसद का यह बयान, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप के मुकाबले में बहुत बड़े स्तर का नेता बताया, उसे डिलीट करने हेतु, भाजपा के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने टेलीफोन पर निर्देश दिए । भारत की ऐसी क्या मजबूरी है कि जब भाजपा का ही कोई सांसद अपने प्रधानमंत्री की प्रशंसा करे तो उसे भी ऐसा करने से रोका जाए?

अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा विस्तार से बताया गया कि कैसे उनके विदेश सचिव मार्क रॉबियो ने दोनों देशों से लगातार बात करके भारत और पाकिस्तान के बीच समझौता कराने की बात कही।

उल्लेखनीय है कि भारत ने 7 से 9 मई , 2025 के बीच तीन दिनों में ही पहलगाम के आतंकी हमले का बदला लेते हुए पाकिस्तान में स्थित अनेक महत्वपूर्ण आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था । यदि संघर्ष और चलता, तो उसका नुकसान पाकिस्तान को ही उठाना पड़ता। अत: यदि संघर्ष रोकने की कोई मजबूरी थी, तो वह पाकिस्तान की हो सकती है, भारत की नहीं। भारत के प्रधानमंत्री या विदेश मंत्रालय ने इसका प्रतिकार करते हुए किसी प्रकार का कोई सार्वजनिक वक्तव्य जारी नहीं किया।

राष्ट्रपति ट्रंप ने तो यहां तक भी कहा कि उन्होंने दोनों देशों को इस बात की चेतावनी देकर कि उनके साथ व्यापार बंद कर दिया जाएगा, उन्हें संघर्ष रोकने के लिए मजबूर किया ।

क्या भारत ने अपने स्वाभिमान को ताक में रखकर, व्यापार की खातिर, पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम की बात मानी? इस वक्तव्य का भी कोई खंडन अभी तक प्रधानमंत्री या भारत सरकार ने नहीं किया है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने तो यहां तक कह दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच 1500 वर्ष से विवाद चल रहा है। जिस व्यक्ति को यही पता नहीं हो कि पाकिस्तान का निर्माण ही 1947 में हुआ है, फिर भी उसकी बात का खंडन तक न करना, भारत की प्रतिष्ठा पर विपरीत प्रभाव डालता है।

एक और आश्चर्यजनक बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यह दिया कि उन्होंने एप्पल कंपनी के मालिक टिम कुक को बुलाकर यह कह दिया है कि वे भारत में एप्पल फोन के निर्माण का कार्य बंद करके उसे अमेरिका में शिफ्ट करें। भारत में निर्मित होकर अमेरिका में बिकने वाले एप्पल फोन की कुल कीमत 1 लाख करोड़ रुपए से भी कहीं अधिक है। एप्पल द्वारा और भी नए संयंत्र भारत में लगाए जाने की तैयारी चल रही थी। हालांकि कुक ने अपनी निवेश योजना में किसी भी प्रकार के परिवर्तन से इनकार किया है, किंतु अमेरिकी राष्ट्रपति का इस प्रकार का बयान ही भारत के हितों के बिल्कुल विपरीत है।

यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति क्यों दूसरे कार्यकाल में लगातार भारत विरोधी कार्य करने और बयान देने में संलग्न हैं एवं भारत सरकार भी उनके बयान का कोई प्रतिकार नहीं करके अपनी मजबूरी ही प्रकट कर रही है। लोगों के लिए यह समझना कठिन है कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी की ऐसी क्या मजबूरी है कि वे ट्रंप को उनके गलत बयानों के बारे में स्पष्ट नहीं बता रहे हैं?

कहा जाता है कि जब बाइडन अमेरिका के राष्ट्रपति थे तो डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया था कि प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका यात्रा के समय उनसे मिलने आएंगे । जब प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका गए तो वे ट्रंप से मिलने नहीं गए। इसे संभवतया ट्रंप ने अपना अपमान माना और कहीं उसके बदले के रूप में तो उनके द्वारा इस प्रकार का दृष्टिकोण नहीं अपनाया जा रहा है?

सरकार ने यह स्वागत योग्य निर्णय लिया है कि वह सात सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल अलग अलग देशों में भेज रहा है जो पाकिस्तान द्वारा आतंककारी गतिविधि को बढ़ावा दिए जाने के बारे में भारत की स्थिति को स्पष्ट करेंगे। एक प्रतिनिधि मंडल शशि थरूर के नेतृत्व में अमेरिका जाएगा,जहां भारत का पक्ष मजबूती के साथ रखा जाएगा । तब संभवतया, अमेरिका के भारत के प्रति दृष्टिकोण में कोई बदलाव आए।

फिलहाल तो भारत सरकार और विशेषकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ट्रंप के भारत विरोधी कृत्यों और वक्तव्यों पर विरोध दर्ज न कराना, देश की मजबूरी ही माना जाएगा। इतना मजबूर तो भारत कभी नहीं था।

अब हम इस बात को पाठकों के विवेक पर छोड़ते हैं कि वे स्वयं तय करें कि अमेरिका, विशेषकर ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल में भारत के साथ इस प्रकार का अपमानजनक व्यवहार क्यों कर रहे हैं और भारत उसका समुचित प्रति उत्तर देने में क्यों संकोच कर रहा है? संभव है, इन प्रश्नों का उत्तर भविष्य में शीघ्र ही देश के नागरिकों को मिल पाएगा।

-अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

कुत्ते-बिल्लियों की दुश्मनी मिटाने वाले तुर्क का भारत से टकराव क्यों?

कुत्ते-बिल्ली को एक साथ रहना सिखाने वाले देश तुर्क आतंकवाद को पोषित करने वाले देश पाकिस्तान का पक्ष कैसे ले सकता हैं?

मेरी तुर्क की यात्रा के दौरान जब मैं इस्तांबुल में था तब रात बारह बजे नदी के किनारे से ऊपर पहाड़ी के रास्ते होटल जा रहा था तभी बीच में कुत्ते-बिल्लियों का झुंड देखकर डर गया। दो-तीन लोग भी खड़े थे। मेरे पूछने पर उन्होंने बताया कि यहाँ कुत्ते-बिल्लियों को एक साथ रहना सिखाया जाता है। जानवरों के प्रति भी इतना प्रेम देखकर लगा कि यहाँ मनुष्य के लिए बहुत प्रेम होगा और लोगों के व्यवहार से यह महसूस भी होता है। वहाँ आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा कट्टरता के प्रतीकों को हिक़ारत से देखता है। स्वतन्त्रता के सभी हिमायती दिखे।

बिल्लियों से बहुत ज़्यादा प्यार और कुत्तो के साथ सहजीवन सिखाता तुर्क समाज जीव के प्रति संवेदनशीलता का अदभुत उदाहरण है। हम लोग जब इस्तांबुल से अंतयालय जा रहे थे तब भी एक महिला ने बिल्ली के लिए विमान में अलग सीट ली थी। भारत में मैंने देखा कि कुत्ते-बिल्ली के बीच पुरानी दुश्मनी है और कोई एक-दूसरे को देखकर राज़ी नहीं है। देखते ही झगड़ पड़ते है। तुर्क में दोनों को दोस्त बनाने की कितनी बड़ी कोशिश है।

हाँ मैं यह समझ नहीं पाया कि जानवरों के प्रति लगाव की वजह इस्लाम धर्म है या पाश्चात्य सभ्यता। यह पता नहीं लगा सका लेकिन लोगों की संवेदनशीलता का क़ायल हुआ। इस्तांबुल और अन्य सभी पर्यटन स्थलों पर पाश्चात्य संस्कृति का बोलबाला है। रात भर अकेले घूमने पर भी डर नहीं लगा। कहीं भी मुस्लिम देश होने के कारण कोई अनहोनी होने की आशंका की कोई बात नहीं। यहूदियों के एक धार्मिक स्थल पर भी पुलिस का पहरा देखा। पुलिसकर्मी ने बताया कि इस धार्मिक स्थल की सुरक्षा के लिए विशेष निर्देश दिए गए हैं। यहाँ कोई कट्टरपंथी उसे हटाने की बात नहीं कर सकता। इससे यहाँ की सरकार का चरित्र भी धर्म निरपेक्ष सा लगता है लेकिन देश की राजनीति मुस्लिम कट्टरता पर चलती है। इस राजनीति का व्यवहार में असर नहीं दिखता लेकिन अन्तराष्ट्रीय स्तर पर चौधराहट की बात आती हैं तो ऐरदोगन का कट्टर चेहरा सामने आता है।

ग़ुब्बारे की यात्रा कराने के लिये मशहूर कप्पाडोशिया में एक होटल मालिक से दोस्ती से कई बातें सामने आई। उसने बताया कि वह बुर्के से नफ़रत करता है। उसके परिवार की महिलाएँ भी बुर्का पहनकर नहीं जाती। महिलाएँ पुरुषों के साथ सिगरेट भी पीते दिखाई देती है। कहीं से भी यह देश मुस्लिम क़ायदों के साथ चलता नहीं दिखता। सब तरफ़ स्वतन्त्रता के हिमायती लोग हैं। अंत्यालया मानो पर्यटकों के लिए ही बना है। दूर तक मसाज केंद्रों की लाइनें हैं। यहाँ अफ्रीकी औरतें सेवाएँ देती है। एक अफ्रीकी ने बताया कि यहाँ मुस्लिम होने के बावजूद उनका शोषण होता है। तुर्क यूरोप और एशिया में बँटा है। तुर्क का राष्ट्रपति ऐरदोगन कट्टर मुस्लिम की राजनीति करता है लेकिन देश में उदारवादी सोच के लोग भी खूब मिल जायेंगे। हाल ही में उदार भारत के बजाय कट्टर मुस्लिम देश होने के नाते पाकिस्तान के साथ खड़े होने के कारण उस पर भारत ने प्रतिबंध लगाये हैं। कुछ समय बाद यह स्पष्ट हो जाएगा कि देश कुत्ते बिल्लियों में मोहब्बत कराने वाले लोगों के कहे पर चलेगा या उन कट्टर लोगों से चलेगा जो मानवता के बजाय मारपीट-आतंकवाद को जीवन का आधार मानते हैं। एर्दोगन को भी पता चलेगा कि पर्यटकों के लिए बनाए गए सुन्दर स्थलों की चाहत भी तभी है जब सबसे ऊपर मानवता होगी। भारत के लोगों ने तो यह भुला दिया था कि तुर्क ने कभी नालन्दा को उजाड़ दिया था। नई सोच के साथ काफ़ी संख्या में भारतीय तुर्की में जाने लगे थे वहाँ के लोगों ने भी बांह फैलाकर स्वागत किया लेकिन सरकार के कट्टरवादी रवैये ने सब कुछ बदल दिया।

-सुरेश पारीक,
वरिष्ठ पत्रकार

पर्यटन की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन

डॉ. कैलाश सोडाणी

पर्यटन उद्योग दुनियाँ भर में आर्थिक विकास एवं रोजगार का महत्वपूर्ण जनक रहा है। भारत के पर्यटन उद्योग ने लगभग 8 करोड़ लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान किया है। विदेशी पर्यटकों से हमारे विदेशी मुद्रा के भंडार को ताकत मिल रही है। वर्ष 2023 में लगभग 60 लाख विदेशी पर्यटक भारत दर्शन हेतु आए हैं वैश्विक पर्यटन में भारत 14वें स्थान पर है। सरकार का लक्ष्य है, रोजगार आधारित विकास के माध्यम से भारत को वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन केन्द्र के रूप में खड़ा करना हैं।

भारतीय संस्कृति में देशाटन का महत्वपूर्ण स्थान है धार्मिक पर्यटन तो हजारों वर्षों से हमारी रगों में बसा हुआ है। हमारे देश में धार्मिक रीति-रिवाज के अनुसार जीवन की सार्थकता के लिए हर भारतीय का कम से कम एक बार चार धाम यात्रा पर जाना एक खूबसूरत स्वप्न होता है जिसकी पूर्णता पर परिवार में खुशियों का वातावरण बनता है। चार धाम की यात्रा की सोच के पीछे संपूर्ण भारत दर्शन ही हैं।

मूल विषय यह है कि आजादी के बाद लंबे समय तक देश के नीति निर्माता चार धाम, महाकुंभ, तिरुपति बालाजी, वैष्णोदेवी, महाकालेश्वर, अयोध्या आदि को नजरअंदाज करते हुए ताजमहल, लाल किला, चारमीनार आदि में ही पर्यटन की तलाश कर रहे थे परिणाम कमजोर ही आने थे, क्योंकि हमारी दिशा ही गलत थी।

पर्यटन की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन

तिरुपति बालाजी, वैष्णो देवी, अयोध्या, उज्जैन में आधारभूत संरचना में सुधार के बाद बिना किसी मार्केटिंग के आज लाखों यात्रियों का तांता लगा हुआ है। अभी हाल ही में प्रयागराज के महाकुंभ में 66 करोड़ लोगों का स्वयंमेव पहुंचना देश के पर्यटन उद्योग में परिवर्तन की एक क्रांतिकारी गूंज है यह एक गौरवशाली शुभारंभ है। विश्व में किसी एक पर्यटन केंद्र पर पहुंचने वालों की यह सबसे बड़ी एवं ऐतिहासिक संख्या हैं। आस्था और व्यवस्था का समागम कुंभ पर पाकिस्तानी पत्रकार खालिद उमर ने जिन शब्दों में अभिव्यक्ति प्रदान की है, काबिले तारीफ है -

धरती पर मानवता का सबसे बड़ा जमावड़ा। जहां प्रत्येक दर्शनार्थी आनंद एवं परमानंद के सरोवर में आकंठ डूबा हुआ था। इस आयोजन में कोई खून खराबा नहीं, कोई हिंसा नहीं, कोई घटना - दुर्घटना नहीं, कोई राजनीति नहीं, कोई धर्मांतरण नहीं, कोई संप्रदाय नहीं, कोई भेदभाव नहीं, कोई व्यापार-व्यवसाय नहीं, केवल और केवल आस्था, विश्वास और भावनाओं का संगम था, चारों ओर खुशियों का सराबोर था। करोड़ों लोगों के जनसमूह के बावजूद न कोई शिकायत, ना कोई आरोप-प्रत्यारोप।

मानवता एवं ब्रह्मांड के मध्य जो संबंध है उस पर आधारित है कुंभ।

कुंभ मेले का हर अनुष्ठान ग्रहों, नक्षत्रों और ब्रह्मांड की गतिशीलता से जुड़ा हुआ है। आधुनिक विज्ञान से बहुत आगे हिंदू धर्म हमें मानवता एवं ब्रह्मांड के बीच के संबंधों को दर्शाता है। यह सिद्ध करता है कि हिंदू धर्म का ज्ञान अत्यंत श्रेष्ठ एवं पुरातन हैं। हिंदू धर्म केवल प्रकृति के साथ सामंजस्य नहीं रखता है, अपितु हिंदू धर्म तो स्वयं ही प्रकृति हैं।

पर्यटन की दिशा में ऐतिहासिक परिवर्तन

पर्यटन में परिवर्तन की इस गूंज ने हमें यह बतला दिया है कि अब तक देश में पर्यटन की दिशा एवं दर्शन ही गलत था। तत्कालीन सरकारों ने हमारी आस्था एवं भावनाओं के केन्द्रों को भूलकर विदेशी आक्रांताओं द्वारा निर्मित भवनों को पर्यटकों के लिए आदर्श मान बैठे। यह लार्ड मैकाले द्वारा निर्मित सोच का ही नतीजा है जिसमें हम विदेशी भाषा, विदेशी वेशभूषा एवं विदेशी भोजन को हमारी अपनी भाषा, वेशभूषा एवं भोजन से श्रेष्ठ समझ बैठे। इसी कमजोर मानसिकता के कारण 50-60 वर्षों तक देश का पर्यटन गलत रास्तों पर भटकता रहा। दिशा ही गलत होने से पर्यटन उद्योग तेजी से बढ़ नहीं पाया।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण एवं प्रयागराज के महाकुंभ से देश के पर्यटन उद्योग को अब जाकर सही दिशा मिली है। धार्मिक आस्था के पावन स्थलों के साथ-साथ भारत पर प्रकृति की भी भरपूर मेहरबानी है, हिमालय की शीतल कंदराओं से लेकर कल-कल करती नदियां, रेगिस्तानी टीलें, हजारों किलोमीटर तक हमें स्पर्श करती समुद्री लहरों से युक्त भारत पर्यटन की दृष्टि से बहुत धनाढ य हैं।

नि: संदेह अब हमें धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन को सर्वोपरि मानते हुए देश में आधारभूत सुविधाओं में तेजी से सुधार अपेक्षित हैं। गंदगी एवं अतिक्रमण को समाप्त करना होगा। स्वच्छता पर्यटक की पहली आवश्यकता है, इसे समझना होगा। तभी जाकर पर्यटन को मिली सही दिशा का, सही उपयोग सम्भव हो पायेगा।

-डॉ. कैलाश सोडाणी,
कुलगुरु, वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय, कोटा

भीलवाड़ा के कई गांवों में भीषण गर्मी में पीने के पानी का संकट

भीलवाड़ा, (निसं)। भीषण गर्मी में गांवों में पीने के पानी का संकट बना हुआ है। ग्रामीणों को पीने के पानी की किल्लत का सामना करना पड़ रहा है। पानी की किल्लत ने उनका जीना मुहाल किया हुआ है। ग्रामीण पानी खरीदकर काम चला रहे हैं। घरों में बंधे हुए पशु

- **कंकरोलिया माफी गांव की महिलाएं टेक्सी से 11 किमी दूर कोटड़ी उपखंड मुख्यालय पर चम्बल प्लांट पर पहुंची, प्रदर्शन किया**
- **महिलाओं ने अधिकारी को खरी-खोटी सुनाई और कहा कि पानी की कमी से हमारे पशु मर रहे हैं, महीने में चार दिन पानी आता है**

पानी के लिए तरस रहे हैं। कई बार विभाग के चक्कर लगाने के बाद भी सुनवाई नहीं हो पा रही है।

कंकरोलिया माफी गांव की महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया।

क्षेत्र के सातोला का खेड़ा ग्राम पंचायत क्षेत्र के कंकरोलिया माफी गांव की महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर प्रदर्शन किया। सोमवार को कंकरोलिया माफी गांव की महिलाएं टेक्सी में सवार होकर करीब 11 किलोमीटर दूर कोटड़ी उपखंड मुख्यालय पर चम्बल प्लांट पर पहुंची और प्रदर्शन करते हुए अधिकारी को खरी-खोटी सुनाई। महिलाओं ने कहा कि पानी की कमी से हमारे पशु व जानवर मर रहे हैं, महिलाओं ने कहा कि महीने में चार दिन पानी आता है और वो भी समय पर नहीं आता है और महीने में चार दिन आता वो भी मात्र 10-20 मिनट ही पानी आता है। महिलाओं ने ज्ञापन देकर मांग की है कि चम्बल पाइप लाइन से अवेध कनेक्शन ले रखे हैं, जिन्हें जल्द से जल्द हटाने चाहिए और अगर चम्बल का पानी सुचारु रूप से चालू नहीं हो तो महिलाओं ने तीन दिन का समय दिया और महिलाओं ने कहा कि तीन दिन में पानी का समाधान नहीं हुआ तो कंकरोलिया माफी की महिलाएं धरना प्रदर्शन करेंगी और जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान उमा देवी ओझा, श्यामू देवी सुथार, कमला देवी, गीता देवी जोशी, गुलाब ओझा सहित बड़ी संख्या महिलाएं मौजूद रही।

भीषण गर्मी से जनजीवन प्रभावित

जोधपुर, (कासं)। शहर में पड़ रही भीषण गर्मी से पूरा जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। चिलचिलाती धूप के कारण दिन में बाहर निकलना मुश्किल होता जा रहा है। सोमवार को भी सुबह से ही तेज धूप ने बेचैनी बढ़ा दी। सुबह से ही तेज गर्मी थी जिससे लोग परेशान हुए। जोधपुर शहर में दोपहर में तल्ख धूप के चलते शहर के मुख्य बाजार व सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। लोग अपने-अपने तरीके से धूप से बचाव के जतन करते दिखे। घर में पंखे-कूलर भी अब गर्म हवा फेंकने लग गए हैं। यहां दिन के साथ रात का तापमान भी बढ़ रहा है। सोमवार को जोधपुर शहर में अधिकतम तापमान 42 और न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्शियस दर्ज किया गया।

भीषण गर्मी के बीच नौतपा भी 25 मई से शुरू हो जाएगा, जिसके बाद 25 मई से 9 दिन तक भीषण गर्मी का दौर रहेगा। यानी 25 मई से 2 जून तक पूरे राजस्थान में नौतपा सक्रिय रहेगा और गर्मी का प्रकोप और ज्यादा बढ़ जाएगा। वहीं दिन और रात के तापमान में भी बदलाव की संभावना है। नौतपा खत्म होते ही लोगों को मानसून का बेसब्री से इंतजार रहेगा। ऐसे में मौसम विभाग का कहना है कि मई के आखिर या जून के शुरू में प्री-मानसून की गतिविधियां एक्टिव होने की संभावना है। ऐसे में नौतपा के खत्म होते ही राजस्थान के कई जिलों में प्री-मानसून बारिश की गवितिविधियां शुरू हो जाएगी।

राशिफल मंगलवार 20 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, सप्तमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र सायं 7:12 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 2:50 तक, बवकरण प्रात: 5:52 तक, चन्द्रमा आज प्रात: 7:36 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मकर, मंगल-कर्क, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज द्विपुष्कर योग और राजयोग सूर्योदय से प्रात: 5:22 तक है। आज अष्टमी तिथि का क्षय हुआ है। आज कालाष्टमी, त्रिलोकनाथ अष्टमी है। पंचक प्रात: 7:35 से आरम्भ होगा। आज सायन मिथुन में सूर्य प्रवेश रात्रि 12:25 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:02 से 10:43 तक, लाभ अमृत 10:43 से 2:04 तक, शुभ 3:44 से 5:25 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:06

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी, आय में वृद्धि होगी।

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। दिनचर्या में सुधार होगा।

तुला
व्यावसायिक कार्यों कार्यों के कारण मानसिक तनाव रहेगा। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

धनु
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित विवादों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कारणों से मानसिक तनाव रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

The Turning Point In Kargil War

The soldiers painstakingly crawled up the steep incline, inch by inch, a demanding vertical ascent, where every kilogram of weight felt tyrannical, two kilo food packets were relinquished in favour of more ammunition

World's Most Bizarre Museums

राहुल गाँधी ने जयराम रमेश को चुप कराया

‘यह समय नहीं है, थरूर के खिलाफ बयानबाजी का, जब थरूर भारत के प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व कर रहे हैं, भारत का पक्ष विदेश में समझाने-सुनाने के लिए’

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- राहुल ने जयराम से यह भी कहा, कि अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर, यह मैसेज नहीं जाना चाहिए कि कांग्रेस अपनी अन्दरूनी लड़ाई में उलझी है, जबकि मसला देश की सुरक्षा व पाकिस्तान के आतंकवाद का है, अतः पार्टी के अन्दरूनी राजनीति के मामले बाद में निपटाये जा सकते हैं जब प्रतिनिधि मण्डल विदेश से लौट आये।
- कांग्रेस का एक धड़ा यह भी मान रहा है, कि पार्टी को इस लफड़े में पड़ना ही नहीं चाहिए, कि भारत सरकार किस-किस को प्रतिनिधि मण्डल में शामिल करना चाहती है।
- जयराम रमेश शायद यह कहकर, कि राहुल गाँधी ने चार नाम चुने हैं, जो प्रतिनिधि मण्डल में पार्टी की ओर से जायेंगे, बेवजह राहुल को इस विवाद में डाल दिया।
- अब, जयराम रमेश अपनी सफाई में यह कह रहे हैं कि संसदीय मामलों के मंत्री रिजिजू ने उनसे वो चार नाम मांगे, जिन्हें कांग्रेस प्रतिनिधि मण्डल में शामिल कराना चाहती है, इसलिए उन्होंने चार नाम भेजे थे। पर, रिजिजू ने इस बात से इन्कार किया कि उन्होंने कांग्रेस से चार नाम मांगे थे।
- दूसरी ओर शशि थरूर व मनीष तिवारी ने भी अपनी ओर से स्पष्ट किया कि वे प्रतिनिधि मण्डल में शामिल होंगे, अगर सरकार उन्हें आमंत्रित करती है।
- यह भी उल्लेखनीय है कि गुलाम नबी आज़ाद का नाम भी शामिल किया गया है, सरकार की ओर से प्रतिनिधि मण्डल में, हालांकि, वे अब कांग्रेस में नहीं हैं।

नई दिल्ली, 19 मई। राहुल गांधी ने शशि थरुर को लेकर कांग्रेस में चल रहे अंदरुनी संघर्ष पर फिलहाल विराम लगा दिया है। उन्होंने पार्टी के मीडिया प्रमुख जयराम रमेश को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे थरुर के खिलाफ बयानबाज़ी बंद करें, खासकर तब, जब शशि थरुर अंतरराष्ट्रीय दौरों पर राष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने स्पष्ट किया है कि इस समय पार्टी के आतंरिक मतभेद उजागर करना सही नहीं होगा, इससे अंतरराष्ट्रीय मंच पर ऐसा लगेगा कि कांग्रेस “तुच्छ राजनीति” कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि इस मुद्दे को प्रतिनिधिमंडल के लौटने के बाद निपटाया जाएगा।

कांग्रेस के भीतर यह जबर्दस्त धारणा है कि जयराम रमेश ने मीडिया विभाग के प्रमुख पद का फायदा उठाते हुए अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर यह बयान दे दिया कि सरकार को कांग्रेस की ओर से भेजे गए चार नामों को राहुल गांधी ने मंजूरी दी है।

दिलचस्प बात यह है कि सरकार ने उन चार नामों में से तीन को खारिज कर दिया और केवल आनंद शर्मा को स्वीकार किया। इसके अलावा, उन्होंने शशि थरुर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गैर सरकारी सदस्यों के बिना स्कूल फीस रिविज़न कमेटी की सुनवाई

जयपुर, 19 मई। स्कूल फीस से जुड़े विवादों की सुनवाई को लेकर रिवीज़न कमेटी नहीं बनने से जुड़े मामले में शिक्षा विभाग की ओर से हाईकोर्ट में शपथ पत्र पेश किया गया है। मामले में अदालत मंगलवार को सुनवाई करेगी।

शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल की ओर से पेश शपथ पत्र में कहा गया है कि कमेटी के गैर सरकारी सदस्यों के पद खाली चल रहे हैं और नियुक्ति राज्य सरकार को करनी है। वहीं, आरटीआई अधिनियम में कमेटी के कोरम का भी कोई उल्लेख नहीं है। ऐसे में रिवीज़न

- शिक्षा सचिव ने हाईकोर्ट से कहा कि राज्य सरकार ने गैर सरकारी सदस्यों की नियुक्ति नहीं की है। अब गैर सरकारी सदस्यों के बिना 26 मई से सुनवाई शुरू होगी।

प्रार्थना पत्रों के लंबित प्रकरणों को देखते हुए इन गैर सरकारी सदस्यों की नियुक्ति का इंतजार नहीं कर 26 मई से इन मामलों की सुनवाई की जाएगी।

दरअसल भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम की ओर से हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है। याचिका में अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता स्कूल की फीस निर्धारण को लेकर स्कूल फीस कमेटी ने निर्णय लिया था। इस कमेटी के आदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ममता बनर्जी सर्वदलीय प्रतिनिधि मण्डल विदेश भेजने के कार्यक्रम से अलग हुईं

सुदीप बन्दोपाध्याय व यूसुफ पठान को प्रतिनिधि मण्डल जाने से इन्कार करवाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। केन्द्र सरकार ने तृणमूल कांग्रेस को, पाकिस्तान के साथ तनाव की स्थिति पर भारत का पक्ष रखने के लिए विश्व के प्रमुख देशों की यात्रा करने वाले सांसदों के प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। लेकिन पार्टी के संसदीय दल के दो सदस्यों ने अंतिम समय पर प्रतिनिधिमंडल से नाम वापस ले लिया। प्रारंभ में केन्द्र ने सुदीप बंद्योपाध्याय को प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। लेकिन अंतिम सूची तैयार होने से पहले ही सुदीप ने भारत का पक्ष रखने जैसे कार्यों से खुद को अलग कर लिया।

दूसरा नाम यूसुफ पठान का सामने आया, जो चयन प्रक्रिया की रणनीतिक सोच को दर्शाता था। सत्तारूढ़ पार्टी ने उन्हें आमंत्रित किया, क्योंकि वे निस्संदेह भारत का प्रतिनिधित्व प्रभावी रूप से करते। लेकिन, ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी ने हस्तक्षेप किया और पठान को प्रतिनिधिमंडल से हटने के लिए मजबूर किया।

यह एक अपमानजनक स्थिति थी,

- सरकार, जबकि, इन दोनों को जरूर शामिल करना चाहती थी, ऑपरेशन सिन्दूर में भारत का पक्ष विदेश में प्रस्तुत करने के लिए, विदेश भेजने के लिए।
- ममता बनर्जी ने यह तर्क दिया कि सरकार ने इन दोनों सांसदों से सीधे बात कैसे की, प्रतिनिधि मण्डल में शामिल करने के बारे में, क्योंकि यह अधिकार तो पार्टी का है, कि किसको बाहर भेजना चाहिए। सांसदों से सीधे बात करके, सरकार ने पार्टियों के अधिकार क्षेत्र में अतिक्रमण करने की चेष्टा की है।
- पर, ममता बनर्जी अपने वोट बैंक को प्रसन्न रखने के लिए मुस्लिम मतदाताओं के पक्ष में सबसे ज्यादा आक्रामक नज़र आना चाहती हैं, अतः सांसदों को प्रतिनिधि मण्डल में शामिल होने से रोका था। अगले वर्ष बंगाल में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव की दृष्टि से ममता बनर्जी ने ऑपरेशन सिन्दूर को समझाने के लिए अपने सांसदों को, विदेश जाने से रोका, अब ममता बनर्जी के लिए, मुस्लिम मतदाताओं का सबसे बड़ा हितैषी होने की छवि बनाना और भी जरूरी हो गया है, क्योंकि कई मुस्लिम पार्टियों ने अगले चुनाव में अपने उम्मीदवारों को खड़ा करने का निर्णय ले लिया है।

क्योंकि यह प्रतिनिधिमंडल विभिन्न देशों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाला था।

पठान को इसलिए भी हटाया गया क्योंकि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आगामी अगस्त से भारत में “गैलप पोल्स” शुरू होगें

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

- यह पोल, जो लगातार साल भर ही चलता रहेगा, भारत का राजनीतिक वातावरण व राजनीतिक दलों व नेताओं की जनता में लोकप्रियता लगातार आंकेगा तथा अपना आकलन जनता के सामने लगातार रखेगा।
- इस से, हर मुद्दे पर जनता क्या सोच रही है, ज्ञात होगा, तथा राज्य व केन्द्रीय सरकार को अपना रवैया व सोच बदलने का मौका मिलता रहेगा।

नई दिल्ली, 19 मई। भारत में पहली बार एक रियल-टाइम पोलिटिकल परसैप्शन इंडैक्स (पी पी आई) लाने की तैयारी है। “पोल फर्स्ट” नामक यह नई वैब मैग्ज़ीन 3 अगस्त से लॉन्च होगी, जिसे भारत का “गैलप” कहा जा रहा है। गैलप एक विश्व प्रसिद्ध अमेरिकी शोध, विश्लेषण और परामर्श संस्था है, जो मुख्य रूप से जनमत सर्वेक्षण के लिए जानी जाती है। पोलिटिकल अप्रूवल रेटिंग्स को संस्थागत रूप देने की दिशा में यह एक साहसिक कदम है।

पी पी आई हर सप्ताह प्रधानमंत्री की लोकप्रियता, विभिन्न सामाजिक-आर्थिक वर्गों में जनमत, और क्षेत्रीय स्तर पर मददाता झुकाव को वैज्ञानिक डेटा के आधार पर ट्रैक करेगा और प्रकाशित करेगा। यह प्रयास 25 वर्षों के राजनैतिक डेटा विश्लेषण के अनुभव पर आधारित है।

इसकी साप्ताहिक रिपोर्टें सार्वजनिक होंगी, तथापि, चुनिंदा पत्रकारों और संपादकों के लिए एक सीमित सब्स्क्रिप्शन ऑफर 1 लाख रु. प्रतिमाह की कीमत पर उपलब्ध बताया जा रहा है, जिसमें शामिल हैं – कच्चे डेटा तक पूर्ण पहुंच (सी एस वी फॉर्मेट में, सैम्पल बेट्स सहित), सत्यापन उपकरण (उत्तरदाताओं की संख्या और टाइम स्टैम्प्स), सार्वजनिक रिलीज से पहले रिपोर्ट छापने के लिए 3 घंटे का समय तथा विश्लेषण की पूरी पारदर्शिता।

अपने परिचय में “पोल फर्स्ट” कहता है कि यह भारत में एक पारदर्शी, सत्यापन करने योग्य और राजनीतिक भावना नापने की सुसंगत प्रणाली है, जो हमारे लोकतंत्र में लंबे समय से अनुपस्थित रही है।

पोल फर्स्ट के पोलिटिकल मार्केटिंग कंसल्टैंट श्रेणिक जैन द्वारा भेजे गये ईमेल में कहा गया है कि अगर यह पहल आपके न्यूजरूम की समयबद्ध और तथ्य आधारित राजनैतिक रिपोर्टिंग की प्रतिबद्धता से मेल खाती है, तो पोल फर्स्ट आपको 3 अगस्त, 2025 को सुबह 11 बजे से पहले ही अपने प्लेटफॉर्म पर शामिल करना चाहेगा।

यह हर सप्ताह भारत की राष्ट्रीय राजनीतिक भावना को ट्रैक करेगा, भारत के राजनीतिक मूड पर नजर रखेगा, दो महत्वपूर्ण प्रश्न पूछेगा और उनका विश्लेषण करेगा कि वे क्यों प्रासंगिक हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी की ओवर ऑल अप्रूवल रेटिंग देगा और पूछेगा– क्या आप प्रधानमंत्री के कामकाज से संतुष्ट हैं? और यदि आज चुनाव होते, तो आप किस पार्टी या गठबंधन को वोट देते?

यह रिपोर्ट 2024 के वोट जैसे मुद्दों पर भी ध्यान केन्द्रित करेगी, क्योंकि 2024 के लोकसभा चुनावों में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच का अंतर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कॉलेज शिक्षकों का रिटायरमैंट भी 65 साल में क्यों नहीं हो-हाईकोर्ट

जयपुर, 19 मई। राजस्थान हाई कोर्ट ने पूछा है कि मैडिकल शिक्षकों की तरह कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमैंट उम्र 65 साल क्यों न कर दी जाए। हाई कोर्ट ने इस बारे में प्रमुख विधि सचिव, प्रमुख उच्च शिक्षा सचिव, कॉलेज शिक्षा आयुक्त और यूजीसी सहित अन्य को

- केन्द्र सरकार, यूजीसी, मेडिकल शिक्षक तथा डेढ़ दर्जन राज्यों में शिक्षकों की रिटायरमैंट आयु 65 वर्ष की जा चुकी है।

नोटिस भेजकर जवाब माँगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने ये आदेश डॉ. विश्राम लाल बैरवा और अशोक कुमार अग्रवाल सहित, अन्य की याचिकाओं पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता सुप्रिय और अक्षय दत्त शर्मा ने अदालत को बताया कि केन्द्र सरकार और यूजीसी कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमैंट उम्र 65 साल करने का प्रावधान कर चुके हैं। प्रदेश में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रिलायंस ने एशिया का वर्ष 2025 का सबसे बड़ा अन्तरराष्ट्रीय ऋण प्राप्त किया

इस ऋण का पहला भाग 2.43 बिलियन डॉलर का है, तथा दूसरा भाग 67.7 बिलियन जापानी मुद्रा येन का है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 मई। रिलांयस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) ने 2.9 बिलियन डॉलर की ऐतिहासिक डुएल करैंसी सिंडिकेटेड लोन डील हासिल की है, यह 2025 में एशिया की सबसे बड़ी डील है और पिछले दो वर्षों में किसी भी भारतीय कंपनी द्वारा लिया गया यह सबसे बड़ा कर्ज़ है। यह वित्तीय सौदा दो भागों में विभाजित है: एक भाग में 2.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर और दूसरे भाग में 67.7 बिलियन (लगभग 462 मिलियन डॉलर) जापानी येन। विश्व की कुल 55 देशों के बैंकों ने इसमें भाग लिया, जिससे यह वर्ष का एशिया का सबसे बड़ा ऋण देने वाला संघ बन गया।

यह डील केवल एक वित्तीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह आरआईएल की वित्तीय ताकत और वैश्विक बाज़ारों में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा पर एक ठोस विश्वास की मुहर है। बढ़ती ब्याज दरों, भू-राजनीतिक तनाव और सीमित पूंजी

- यह ऋण देने के लिए 55 अन्तरराष्ट्रीय स्तर के बैंक मिले और इस ऋण के लिए फायनैंस का इन्तजाम किया।
- यह ऋण एशिया का इस वर्ष का सबसे बड़ा ऋण है।
- हालांकि, इस वर्ष एशिया की लगभग सभी बड़ी कम्पनियां और बैंक ऋण लेने व देने में काफी कतरा रहे हैं, अतः यह विशेष रूप से सराहनीय है, कि फायनैंशियल दृष्टि से इस मायूस से वातावरण में भी रिलायंस ने इतना बड़ा ऋण लेकर, मायूसी के वातावरण में छेद कर दिया है।

के दौर में इतना बड़ा लोन हासिल करना रिलांयस की बेहतरीन क्रेडिट प्रोफाइल और वैश्विक आकर्षण को दर्शाता है।

इस विश्वास के मूल में रिलांयस का विविधतापूर्ण मॉडल है, जो ऊर्जा, पेट्रोकैमिकल्स, टैलिकॉम (जियो), रिटेल, डिजिटल सेवाएं और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। प्रत्येक क्षेत्र में रिलायंस अग्रणी है, जिससे एक संतुलित पोर्टफोलियो बनता है, जो किसी एक क्षेत्र में आए उतार-चढ़ाव से कंपनी को बचाता है। यही विविधता निवेशकों को दीर्घकालिक आय और स्थिरता के प्रति आश्वस्त करती है।

इस विश्वास को और मजबूती मिलती है रिलांयस की इन्वेस्टमैंट-ग्रेड क्रेडिट रेटिंग्स से, जो भारत की संप्रभु रेटिंग से भी ऊपर हैं। मूडीज ने आरआईएल को बीएए2 और फिंच ने बीबीबी रेटिंग दी है, दोनों ही भारत से एक स्तर ऊपर हैं। उभरते बाज़ारों की कंपनियों में यह दुर्लभ उपलब्धि है, जो कंपनी की सुदृढ़ कॉर्पोरेट गवर्नेंस, मजबूत पूंजी प्रवाह और अनुशासित वित्तीय प्रबंधन को दर्शाती है।

यह हाई रेटिंग रिलायंस को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ भी देती है। इससे पूंजी तक आसान पहुंच मिलती है, जो ग्रीन एनर्जी और 5जी जैसी परियोजनाओं के लिए बेहद अहम है। वित्तीय संस्थान उन कंपनियों को ऋण देना पसंद करते हैं, जिनका दृष्टिकोण स्थिर हो और भुगतान का इतिहास मजबूत हो, रिलांयस की ऐसी ही छवि है।

इस ऋण की डुएल करैंसी संरचना आरआईएल की परिपक्व वित्तीय रणनीति को दर्शाती है। विभिन्न मुद्राओं में ऋण को विभाजित करना मुद्रा विनिमय दरों की अस्थिरता से बचाव, उधारी लागत में कमी और विविध नकदी स्रोतों तक पहुंच सुनिश्चित करता है। विशेष रूप से, येन मुद्रा का होना यह दर्शाता है कि जापानी निवेशक भारतीय कॉर्पोरेट्स को ऋण देने में रुचि दिखा रहे हैं और रिलांयस बहु-विनियोग आधारों से पूंजी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विदेश मंत्री के वक्तव्य ने प्र.मंत्री मोदी को अटपटी स्थिति में डाला

विदेश मंत्री ने मीडिया के समक्ष कहा कि भारत ने पाकिस्तान को आतंकवादी विरोधी ऑपरेशन (ऑपरेशन सिन्दूर) के बारे में पहले ही बता दिया था

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 19 मई। सुरक्षा संबंधी एक बहुत बड़ी गलती, जिसमें विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर लिप्त हैं, के रहस्योद्घाटन के बाद एक बड़ा राजनैतिक तूफान खड़ा हो गया है। बताया जाता है कि जयशंकर ने पाकिस्तान को उसके आतंकी ठिकानों पर भारत की स्ट्राइक से जुड़ी अतिसंवेदनशील कार्यवाही की जानकारी दे दी थी। इस रहस्योद्घाटन के बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञ तो इसकी कड़ी आलोचना कर ही रहे हैं, इससे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर भी दबाव बढ़ गया है। प्रधानमंत्री, विदेश नीति की इस नाकामी पर आक्रोश और आलोचनाओं से घिर गये हैं।

वरिष्ठ राजनयिकों और गुप्तचर विभाग के अधिकारियों के अनुसार, डॉ. जयशंकर के मीडिया को दिये गये इस बयान, कि भारत की आतंकी-विरोधी कार्यवाही की अग्रिम सूचना पाकिस्तान को दे दी गई थी, ने इस सामरिक लीकेज के बारे में गंभीर चिन्ताएं खड़ी कर दी हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि हो सकता है कि इस अभूतपूर्व कदम से, असावधानीवश, हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे प्रमुख आतंकी आकाओं को इस सटीक हमले से बचने का समय मिल गया हो और ऑपरेशन सिंदूर नामक इस मिशन के असली उद्देश्य को क्षति पहुंची हो।

एक शीर्ष विदेश नीति विश्लेषक ने कहा, “यह मात्र एक राजनयिक गलत कदम नहीं है, यह निर्णय लेने में की गई एक बेहद गंभीर गलती है, जो राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है।”

उन्होंने आगे कहा, “एक सुनियोजित सैन्य कार्यवाही की जानकारी आतंकियों को पनाह और संरक्षण देने वाले देश को दे देने से सैन्य कार्यवाही का प्रयोजन ही समाप्त हो जाता है तथा इस कदम के पीछे के रणनैतिक इरादे के बारे में प्रश्न खड़े होते हैं।

पूर्व विदेश मंत्री यशवन्त सिन्हा ने राजनैतिक मोर्चा संभालते हुए, सर्वोच्च स्तर पर जवाबदेही की मांग की है। एक इंटरव्यू में उन्होंने इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की खामोशी पर प्रश्न खड़े किये हैं तथा कहा है कि जनता सुस्पष्ट स्पष्टीकरण की हकदार है। सिन्हा ने कहा, “यह केवल जयशंकर की चूक नहीं है, यह राष्ट्र-हित की रक्षा करने के मामले में नेतृत्व की असफलता है।”

भाजपा तथा उसकी वैचारिक मार्गदर्शक संस्था आर एस एस के अंदरूनी सूत्र भी बढ़ते जा रहे आंतरिक असंतोष की पुष्टि कर रहे हैं। भगवा खेमे के अनेक लोगों का मानना है कि मोदी की मजबूत नेता की छवि पर इस विदेश नीति-कुप्रबन्धन की काली छाया पड़ी है। यह आलोचना इसलिए और प्रबल हुई है, क्योंकि अमेरिकन राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने एयर स्ट्राइक के बाद, अप्रत्याशित रूप से युद्ध विराम के लिए मध्यस्थता करने का दावा किया, और प्रधानमंत्री ने उनके दावे को नियंत्रित करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने नामोल्लेख न करने की शर्त पर बताया, “ट्रम्प के हस्तक्षेप तथा उनके प्रचार से भारत की छवि, उसकी अपनी क्षेत्रीय लड़ाई में गौण हो गई। – – यह एक कूटनीतिक लज्जा की बात थी तथा प्रधानमंत्री को इसे पूरी सख्ती से रोकना चाहिए।”

- विदेश मंत्री के इस वक्तव्य से कई सवाल उठते हैं। क्या इस सूचना ने आतंकवादियों के संगठनों को अपने आतंकवादी शिविर छोड़ कर अन्यत्र चले जाने का मौका दे दिया। और इसीलिए हाफिज़ सईद व मसूद अज़हर बच निकले।
- पूर्व विदेश मंत्री यशवन्त सिन्हा सबसे ज्यादा सक्रिय रहे, प्र.मंत्री को इस मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने में।
- यहां तक कहा जा रहा है, कि विदेश मंत्रालय की इस त्रुटि ने मोदी सरकार की विदेश नीति की कमज़ोरियों को उजागर कर दिया है, और ऑपरेशन सिन्दूर की सबसे बड़ी कमज़ोरी थी, तो विदेश नीति का “फेलियर”, भारत के पक्ष में कोई भी देश, सिवाय रूस के, खड़ा नजर नहीं आया।
- साथ ही ट्रम्प के इस दावे ने, कि उसने मध्यस्थता करके व व्यापारिक हितों का तकाजा करके दोनों देशों के बीच ‘सीज़ फायर’ करवाया, भारत की व मोदी की मजबूत छवि पर, ग्रहण सा लगा दिया था, और विदेश मंत्रालय इस छवि को अभी तक पूर्णतया साफ नहीं कर पाया है।

विपक्षी नेताओं ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए, मोदी की विदेश नीति को प्रतिक्रियाशील एवं असंगत बताया है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने इस प्रकरण को “कूटनीति एवं नेतृत्व की असफलता” बताया है तथा भारत के पिछले वर्ष की राष्ट्रीय सुरक्षा की कार्यवाहियों पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की है।

राजनैतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि चूंकि दबाव बनता जा रहा है, इसलिए प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह जरूरी है कि वे इस पूरे मामले को नियंत्रण में लेने के लिए, इस मुद्दे को सीधे ही अपने हाथ में लें। राष्ट्रीय सुरक्षा, जो मोदी के राजनीतिक प्रभाव की धुरी रही है, के बारे कमजोरी की धारणा उन्हें चुनाव में महंगी पड़ सकती है।

इस विवाद के परिणामस्वरूप, ऑपरेशन सिंदूर के संचालन तथा उसमें विदेश मंत्रालय की भूमिका की संसदीय जांच की मांग जोर पकड़ती जा रही है। लोगों का मानना है कि इस समय प्रधानमंत्री की खामोशी उन सवालों को और बड़ा रूप दे रही है, जो एक नाज़ुक मोड़ पर लड़खड़ाती हुई विदेश नीति से जुड़े हैं।

'प्रधानमंत्री की बीकानेर यात्रा के लिये सभी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करें'

प्रधानमंत्री की यात्रा की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित बीकानेर यात्रा (22 मई) के तहत मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक चौबन्द करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी तय जिम्मेदारियों के अनुसार काम करें तथा आपस में समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करें। शर्मा ने कहा कि तेज गर्मी के मद्देनजर आयोजन स्थल पर आमजन के लिए बैठने की व्यवस्था, पेयजल, आवागमन सहित अन्य सभी व्यवस्थाओं का उचित संचालन सुनिश्चित किया जाए, जिससे जनता को किसी भी तरह की असुविधा ना हो। उन्होंने बीकानेर कलक्टर को एयरपोर्ट, हेलीपैड तथा सभा स्थल पर सभी व्यवस्थाओं को समयानुसार पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गृह विभाग आगंतुकों के लिए सुरक्षा पास, यातायात प्रबंधन जैसी समुचित व्यवस्थाएं करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन के लिए अपने-अपने विभाग का नोडल अधिकारी नियुक्त करें। साथ ही, शर्मा ने अधिकारियों को प्रधानमंत्री कार्यालय एवं रेलवे विभाग से आवश्यकतानुसार समन्वय बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग एवं संचार विभाग, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग को भी प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने यात्री सुविधाओं के दृष्टिगत रेलवे स्टेशनों के सुदृढ़ीकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। बीकानेर में प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री अमृत भारत देशनोक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन, बीकानेर मुंबई एक्सप्रेस टेन को हरी झंड़ी तथा देशभर में विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास तथा उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री इस दौरान बीकानेर में विश्व प्रसिद्ध करणी माता मंदिर के दर्शन भी करेंगे। इस दौरान मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी तथा वी.सी. के माध्यम से संबंधित जिलों के अधिकारी जुड़े।

कंवरलाल मीणा मामले में कांग्रेस नेता मिले राज्यपाल से

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पीसीसी अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने राज्यपाल हरिभाऊ बागडे को संविधान के अनुच्छेद 161 के अंतर्गत सजायाफ्ता अंता विधायक कंवरलाल मीणा की सजा माफी नहीं करने के लिए एक पत्र सौंपा है।

जूली ने पत्र के माध्यम से बताया कि विधायक अब तक कंवरलाल मीणा को 20 वर्ष पुराने विभिन्न आपराधिक प्रकरणों में दोषी मानते हुए एडीजे न्यायालय अकलेरा जिला झालावाड़ द्वारा 3 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई गई। मीणा ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के सिर पर पिस्तौल तान दी थी। उन्होंने बताया कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारी राजस्थान प्रशासनिक सेवा के उपखंड अधिकारी एवं तहसीलदार की गवाही को मुख्य आधार बनाते हुए न्यायालय द्वारा कंवरलाल मीणा को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई गई। उच्च न्यायालय द्वारा उन्हें समर्पण किए जाने के निर्देश दिए गए। मीणा द्वारा राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए राज्यपाल से माफी हेतु प्रयास किया जा रहे हैं। जूली बोले अपराधी को शिथिलता दी जाती है तो इससे अपराधियों के हौसले बुलंद होंगे। उन्होंने बताया कि लिली थॉमस के प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने यह सुस्थापित किया है कि यदि किसी विधायक व सांसद को 2 वर्ष या उससे अधिक की सजा होती है किसी आपराधिक प्रकरण में हो जाती है तो वह तुरंत विधायक व सांसद पद से अयोग्य हो जाएगा। इस दौरान पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा, उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, मुख्य सचेतक रफीक खान, विधायक डूंगाराम गैदर, हाकिम अली, हरिमोहन शर्मा, भगवान सैनी, जाकिर हुसैन उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को राजभवन पहुंचकर राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से मुलाकात की। राज्यपाल से उन्होंने राजस्थान के सर्वांगीण विकास और उच्च शिक्षा में गुणात्मक सुधार से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल से मुख्यमंत्री शर्मा की यह शिष्टाचार भेंट थी।

अधिकारी परिवेदनाओं का शीघ्र निपटारा करें : भजनलाल शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ. भीमराव आम्बेडकर की अंत्योदय की अवधारणा के अनुरूप हमारे लिए जनसेवा ही सर्वोपरि है। जनता की प्रत्येक समस्या का समाधान कर उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं तक सुलभ पहुंच सुनिश्चित करवाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रशासन में जबावदेहिता एवं पारदर्शिता अपनाते हुए सुशासन के लक्ष्य पर केन्द्रित होकर काम कर रही हैं। शर्मा सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई कर रहे थे। जनसुनवाई में सैकड़ों की संख्या में परिवादी अपनी समस्या को लेकर आए। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक परिवादी की समस्या को सुना तथा अधिकारियों को इनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता एवं त्वरित निर्णयों से आमजन बेहद संतुष्ट नजर आए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक परिवेदना का समय से निस्तारण किया जाए, जिससे परिवादी को शीघ्र राहत मिले। उन्होंने कहा कि अधिकारी यह भी सुनिश्चित करे कि समस्या के समाधान होने पर फरियादी को सूचित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता से जुड़े कार्यों में अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ काम करें। गैर-जिम्मेदार कार्मिकों पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

शर्मा ने सभी विभागों सहित विभिन्न विभागों से संबंधित परिवेदनाओं को सुना और उनका मौके पर ही निस्तारण किया।

भीषण गर्मी में तपती दोपहरी : सूरज से बरसती आग के समान धूप ने इंसानों सहित पक्षियों को भी बेहाल कर दिया। तेज धूप से तापमान इतना अधिक हो गया की ऐसा लगने लगा जैसे सूरज से आग बरस रही हो। तपती दोपहरी में व्यस्ततम रहने वाला जेएलएन मार्ग भी सूना-सूना नज़र आया। फोटो : दिनेश भारद्वाज

बिहार से जयपुर लाकर गांजा सप्लाई करने वाला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। बस्सी थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम पूर्व (डीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए बिहार से जयपुर में आकर गांजा सप्लाई करने वाले एक अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले एक तस्कर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 5 किलो 50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा भी बरामद किया गया है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आरोपी इसे जयपुर शहर में अलग-अलग जगह सप्लाई करने वाला था। इससे पूर्व में आरोपित अवैध मादक पदार्थ सप्लाई कर चुका है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (पूर्व) तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत बस्सी थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बिहार से बस द्वारा आकर जयपुर में गांजा सप्लाई करने वाले एक अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले प्रिंस कुमार (22) निवासी भेल्दी जिला सारण (छपरा) बिहार हाल शिवदासपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान आरोपी के पास से 5 किलो 50 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा जब्त किया गया है।

नम्बर मिलाइए
9587884433

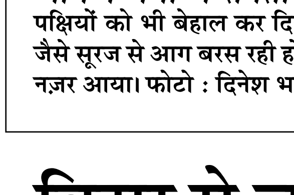

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया-पाया मेरे मकान संख्या 14/एच/145, इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा के मुल कागजात कही खो गए है। (1) रिवाईज अलोटमेन्ट लेटर दिनांक 25.08 2015. (2) मकान का कब्जा देने के संबध में दिनांक 27.11.15 हाउसींग बोर्ड का लेटर। (3) अलोमेन्ट लेटर दिनांक 18.06.2015. (4) अदेय प्रमाण पत्र दिनांक 23.11.2015. (5) हेडिंग ऑवर पजैसन आफ हाउस नं. 14/एच/145 लेटर नम्बर 2448 दिनांक 18.06.2015 दिनांक 25.08 2015 लेटर नं 3913. (6) सर्टिफिक्ट फोर हेडिंग ऑवर आफ दी हाऊस दिनांक 02.12.2015. (7) लिस्ट आफ इन्वेट्री। (8) ग्राउण्ड फ्लोर एच.आई.जी. प्लान (8.0 मीटर/ 16.0 मीटर)। (9) ई-चालान दिनाक 03.11.2020 कनवेस डीड मकान 14/एच/145 इन्दिरा गांधी नगर। (10) ई-चालान दिनांक 03.11.2020 प्रीपेचुवल लीज मकान 14/एच/145 इन्दिरा गांधी नगर। (11) ई-चालान दिनांक 25.11.2020 सेल डीड मकान नं 14/एच/145 इन्दिरा गांधी नगर, जयपुर। मिलने पर सूचित करे- मूल सिंह चावड़ा- 9799139550

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5वीं व 6ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone : 0141-274805, E-mail : rschfjaipur@yahoo.com
क्रमांक :- 37/25 दिनांक :- 15.05.2025

आम सूचना

संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड़, जयपुर का भवन संख्या-2-च-15 श्री राजकुमार पुत्र श्री कौड़ाराम को आवंटित कर दिनांक 15.09.1999 को कन्वेंस डीड एवं परप्यूचल लीज जारी कर रजिस्टर्ड करवा दी गई थी। श्री राजकुमार का स्वर्गवास हो जाने पर उनके पुत्र श्री संजीव कुमार से उक्त भवन श्री अशोक कुमार रूंगटा पुत्र श्री हरिराम रूंगटा द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दि. 24.09.2015 से क्रय कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपने नाम ट्रांसफर करने हेतु निवेदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन के हस्तांतरण पर आपत्ति हो, तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन सं. 2-च-15, कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड़, जयपुर को श्री अशोक कुमार रूंगटा पुत्र श्री हरिराण रूंगटा के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा। (योगेश शर्मा), प्रबंध निदेशक

नाम परिवर्तन

मैं सूबेदार प्रदीप बुडानिया , निवासी ग्रामपोस्ट- नरहर, तहसील चिडावा व जिला झुंझुनूं (राज.) 333035 मेरे आर्मी रिकार्ड मे मेरे पिता जी का नाम प्यारेलाल बुडानिया भूलवश दर्ज हो गया था। जो कि गलत है। सही नाम प्यारेलाल उनके समस्त दस्तावेजों मे दर्ज है, जो की सही है।

मै आर्मी नं. 16024158K लांस हवलदार शंकर सिंह यूनिट 17 राज रिफ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी माताजी का नाम "सुदेश देवी" है। जो कि गलत है। मेरी माताजी का सही नाम- "सुदेश" है।

मै आर्मी नंबर 16028543L नायक वीम सिंह भदौरिया यूनिट 17 राजरिफ (सवाईमान) है। मेरे सैन्य दस्तावेजों में मेरी पत्नी का नाम 'संध्या' है जो की गलत है। मेरी पत्नी का सही नाम 'संध्या' है।

I Army No. JC- 389145W Rank- NB Sub. name Pebeti Tulasi Reddy . Regt. R/o Vill. PO- Thangadancha, Jupadu Bunglow Mandal, Dist.- Kurnool, Andhra Pradesh, have changed my son name from Pebbeti Numendra Reddy to Pebeti Numendra Reddy in my service records for all future purpose

I Jitendra Singh Army No. 3009544Y R/o- Salempur, Salempura Chowki Dauasa (Raj.) Declare that in my army records my son's name is entered wrongly as Inderjeet His correct name is Indrajeet Vide affidavit 19.05.2025 Jaipur

I have changed my name from Anoop Choudhary to Anoop Singh Jhajharia for all purposes R/o Flat No. 101 Astha Classic, Ramsinghpura, Near Iskcon Mandir, Dholai, Sanganer Jaipur

राजस्थान राज्य सहकारी आवासन संघ लि., जयपुर
5वीं व 6ठीं मंजिल नेहरू सहकार भवन, 22 गोदाम सर्किल, जयपुर
Phone : 0141-274805, E-mail : rschfjaipur@yahoo.com
क्रमांक :- 35/25 दिनांक :- 14.05.2025

आम सूचना

संघ की आवासीय योजना कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड़, जयपुर का भवन संख्या-2-च-14 श्री मुरारी लाल गुप्ता पुत्र श्री किन्दूरी लाल गुप्ता को दि. 27.10.1983 को आवंटित किया गया था, जिसकी कन्वेंस डीड एवं परप्यूचल लीज दि. 31.03.1997 को रजिस्ट्री करवा दी गई थी। उक्त भवन श्री अशोक कुमार रूंगटा पुत्र श्री हरिराम रूंगटा द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दि. 12.12.2000 द्वारा क्रय कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत कर अपने नाम ट्रांसफर करने हेतु निवदन किया गया है। जिस किसी को उक्त भवन के हस्तांतरण पर आपत्ति हो, तो संघ कार्यालय में 15 दिवस में प्रमाण सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा भवन संख्या-2-च-14, कमला नेहरू नगर, अजमेर रोड़, जयपुर को श्री अशोक कुमार रूंगटा पुत्र श्री हरिराम रूंगटा के नाम हस्तांतरण कर दिया जावेगा। (योगेश शर्मा), प्रबंध निदेशक

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है की अफोर्डेबल हाउसिंग प्रोजेक्ट "सूर्या रेसिडेंसी" जो की खसरा नं 30 & 36, ग्राम- गिरधारीपुरा, तहसील- जयपुर (राज.) पर रवि सूर्या अफोर्डेबल होम्स द्वारा प्रस्तावित है। इस पर भवन निर्माण की पर्यावरण स्वीकृति पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) से पत्र संख्या F.No.21-58/2018-IA-III दिनांक 03.01.2019 को प्रदान कर दी गई है। सहमति प्रपत्र की प्रति पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के पास उपलब्ध है। एवं वेबसाइट http://environmentclearance.nic.in/ पर भी उपलब्ध है।
वास्ते
रवि सूर्या अफोर्डेबल होम्स

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
www.jda.urban.rajasthan.gov.in
क्रमांक-ज.वि.प्रा./उपा./जोन-4/2025/डी-5313 दिनांक-15/05/2025

सार्वजनिक सूचना/विज्ञिप्त

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेश खेमानी पुत्र श्री लक्ष्मी चंद खेमानी द्वारा हथरोई गढी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना शिव गौरक्ष नगर के भूखण्ड संख्या 7 पश्चिमी हिस्से का लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड पट्टा जारी करवाने हेतु ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रकरण में पूर्व में इस कार्यालय द्वारा हथरोई गढी गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना शिव गौरक्ष नगर के भूखण्ड संख्या 7, क्षेत्रफल 106.66 वर्गगज का पट्टा श्रीमती अम्मा थोमस पत्नी श्री थोमस एल. के पक्ष में क्रमांक 2131 दिनांक 23.08.2007 [illegible] जैन पुत्र श्री तारा चन्द जैन एवं श्री रुचिर शर्मा पुत्र श्री राजकुमार शर्मा को बेचान कर दिया गया। श्री राजेन्द्र कुमार जैन पुत्र श्री तारा चन्द जैन एवं श्री रुचिर शर्मा पुत्र श्री राजकुमार शर्मा द्वारा पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 26.09.2014 के द्वारा भूखण्ड संख्या 7 में से पश्चिमी हिस्सा, क्षेत्रफल 53.233 का बेचान श्री महेश खेमानी पुत्र श्री लक्ष्मी चंद खेमानी को कर दिया गया। उक्त संबंध में आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र एवं दस्तावेजों के आधार पर आवेदक के पक्ष में उक्त भूखण्ड का लीजहोल्ड से फ्रीहोल्ड पटटा जारी करने की कार्यवाही करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, हितधारी, संस्था को कोई आपत्ति हो तो अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिवस में प्रस्तुत कर देवें। नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर आवेदक के पक्ष में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-4, जविप्रा, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त, (विद्याधर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(अम्बावाडी सामुदायिक केन्द्र, अम्बावाडी सर्किल, जयपुर)
क्रमांक-एफ.55(वि.जोन/न.नि.ज.(ग्रे)/2025/175 दिनांक : 9/5/25

सार्वजनिक सूचना खसरा नं. 950 किस्म गैर मुमकीन आबादी नगर निगम ग्रेटर जयपुर के नाम ग्राम झोटवाडा जयपुर के पी.टी. सर्वे अनुसार भूखण्ड सं. 189, अठावालो का मोहल्ला, झोटवाडा, जयपुर का नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा 69-क के तहत दिनांक 13/05/2022 को श्री रामपाल पारीक पुत्र श्री बंशीधर पारीक व श्रीमती विमला देवी पारीक पत्नी श्री रामपाल पारीक के पक्ष में क्षेत्रफल 92.00 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। श्री रामपाल पारीक पुत्र श्री बंशीधर पारीक कीमित्यु दिनांक 16/04/2024 के उपरान्त श्री विरेन्द्र कुमार पारीक, श्री हंस कुमार पारीक व श्री महेन्द्र कुमार पारीक पुत्रान स्व. श्री रामपाल पारीक ने पंजीकृत हकत्याग पत्र दिनांक 24/01/2025 को उक्त भूखण्ड में अपना हक श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व. श्री रामपाल पारीक के पक्ष में हकत्याग कर दिया गया। पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर श्रीमती विमला देवी पत्नी स्व. श्री रामपाल पारीक ने खसरा नं. 950 किस्म गैर मुमकीन आबादी नगर निगम ग्रेटर जयपुर के नाम। ग्राम झोटवाडा जयपुर के पी.टी. सर्वे अनुसार भूखण्ड सं. 189, अग्रवालों का मोहल्ला, झोटवाडा जयपुर का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस मे अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/281
चूंकि प्रार्थी श्री NARENDRA KUMAR VYAS. 91. GREEN PARK, DADI KA PHATAK, JAIPUR, RAJASTHAN-3020122 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास व्यास सेवा संस्थान, 91-92, GREEN PARK, DADI KA PHATAK, JAIPUR, RAJASTHAN-302012 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 14-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 17/07/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

COLLEGE OF AGRICULTURE: KUMHER
S.K.N. AGRICULTURE UNIVERSITY, JOBNER (JAIPUR) RAJASTHAN), Distt.- Deeg, PIN- 321201
No. : F. /Estt./COA-K/2025/3740 Dated :- 14/05/2025

NOTICE INVITING BID

Bid for open tender regarding Labour Supply of all type labours for Agriculture based work and other work etc. are invited from interested bidders up to 11.30 AM of 24.05.2025 and open on 24.05.2025 at 1.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the Rajasthan state; and www.sknau.ac.in University website. UBN No. : SKN2526SSOB00054
Raj.Samwad/C/25/2518 DEAN

कार्यालय ग्राम पंचायत जंवाली, पंचायत समिति पीपलू (जिला-टोंक)
क्रमांक-104 दिनांक-17.05.2025
कार्यालय ग्राम पंचायत जंवाली में मेटरियल सप्लाई हेतु फर्म, व्यक्ति अथवा संस्थान से निर्धारित प्रपत्र में के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता विस्तृत दिशा-निर्देश व निविदा प्रपत्र www.sppp.rajasthan.gov.in/ eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड व अपलोड कर सकते है।
UBN NO. ZTN2526GLOB00325
NIB NO. ZTN2526A0339

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
मुरलीपुरा स्कीम, सब्जी मण्डी, जयपुर।
क्रमांक :- जसअ/2025/67 दिनांक: 16.05.2025

ई- निविदा सूचना संख्या 78/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत "एए" व "ए" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से विभिन्न विकास कार्यों की निविदा आमंत्रित की जाती हैं। कार्यों की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार के ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in तथा नगर निगम ग्रेटर, जयपुर की Web Site www.jaipurmc.org पर देखी व Download की जा सकती है तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकेगीं। SPPP portal UBN No. JMC2526WSOB00561
अधिशाषी अभियन्ता
मुरलीपुरा जोन
नगर निगम ग्रेटर जयपुर।
राज.संवाद/सी/25/2577

नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(पण्डित दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड़, जयपुर-15)
क्रमांक :- जसअ/2025/65 दिनांक: 16.05.2025

ई-निविदा सूचना सं. अधि0 अभि0 (मु0) 07 से 13/2025-26

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि0 अभि0 (मु0) से सम्बन्धित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com, eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in के UBN No:- JMC2526WSOB00569, JMC2526WSOB00570, JMC2526WSOB00571, JMC2526WSOB00572, JMC2526WSOB00573, JMC2526WSOB00574 एवं JMC2526WSOB00575 पर देखी जा सकती है।
अधिशाषी अभियन्ता (मु0)
नगर निगम जयपुर (ग्रेटर)
राज.संवाद/सी/25/2575

कार्यालय तहसीलदार तहसील जमवारामगढ जिला जयपुर
कमांक / एल आर/25/ दिनांक-19/5/25

आम सूचना

प्रार्थी मोहन लाल शर्मा पुत्र स्व. कल्याण सहाय दत्तक पुत्र नैनू शर्मा, जाति-ह0 ब्रा0 निवासी बाढ बूज, तहसील जमवारामगढ़ जिला-जयपुर के प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर अपने स्व0 दादाजी नैहनू पुत्र बिरदा जाति हरि0 ब्राहम्ण निवासी-बाढ बूज, तह0 जमवारामगढ़ जिला जयपुर की मृत्यु लगभग 50 साल पहले होने पर मृतक के सभी वारिसों के बयानों मय शपथ-पत्र एवं प्रस्तुत सजरा के आधार पर ग्राम खतेहपुरा के खसरा नम्बर 143, 144, 236, 309, 92, 21, 22 खातेदारी भूमि का नामान्तकरण सभी वारिसानो के पक्ष मे खुलवाने हेतु निवेदन किया गया है।
अतः सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मृतक खातेदार नैनू पुत्र स्व0 बिरदा जाति हरियाणा ब्राहम्ण निवासी बाढ बूज, तहसील जमवारामगढ जिला जयुपर के संबंध में किसी भी व्यक्ति को किसी भी प्रकार की कोई सूचना/जानकारी या आपत्ति है तो इस प्रकरण में नियत दिनांक 28/5/25 को पेश करे। उक्त नियत दिनांक के उपरान्त किसी भी व्यक्ति की कोई आपत्ति नही सुनी जावेगी।
तहसीलदार
तहसील जमवारामगढ, जयपुर

भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India
STATE BANK OF INDIA, R A C P C-II (17389)
1st FLOOR, B-10/134, JANKI MARG, CHITRAKOOT, JAIPUR, PIN-302021 Phone :0141-2851179 & 2851180
email :sbi.17389@sbi.co.in

(परिशिष्ट IV [नियम 8(1)] कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि, निम्नहस्ताक्षरकर्त्ता, भारतीय स्टेट बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002के प्रवर्तन और धारा 13(12)सपठित प्रतिभूति हित(प्रवर्तन)नियम 2002 के नियम 3 के तहत् प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 21.01.2025 को डिमांड नोटिस जारी किया था जिसमें ऋणी श्री यासीन मोहम्मद पुत्र श्री हाजी सुल्तान तथा श्री फिरोज खान पुत्र श्री यासीन मोहम्मद को उक्त नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अन्दर उसमें उल्लिखित रूपये 10,29,510/- (शब्दो में अक्षरे दस लाख उनतीस हजार पांच सौ दस रुपये मात्र) 20.01.2025 तक एवं दिनांक 21.01.2025 से ब्याज सम्मलित करते हुए की राशि को चुकाने का अनुरोध किया था।
ऋणी द्वारा यह राशि न चुकाने पाने के कारण ऋणी /जमानतदार एवं आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4)के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 15 मई 2025 वर्ष को निम्नलिखित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है
ऋणी /जमानतदार को विशेषकर तथा आम जनता को सामान्य रूप से सचेत किया जाता है वे इस सम्पत्ति में कोई लेनदेन न करे और इस सम्पत्ति में किसी भी प्रकार का लेनदेन भारतीय स्टेट बैंक के रूपये 10,29,510/- (शब्दो में अक्षरे दस लाख उनतीस हजार पांच सौ दस रुपये मात्र) 20.01.2025 तक एवं दिनांक 21.01.2025 से ब्याज शामिल करते हुए तथा भविष्य के ब्याज व खर्चों के ऋण भार प्रभार के अधीन होगा।
ऋणीयों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के सन्दर्भ अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के उपबन्धों कि ओर आकृष्ट किया जाता है।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

बंधक संपत्ति के सभी अंग व अंश जिसमे 3-CH-4, सेक्टर-3, हाउसिंग बोर्ड, शास्त्री नगर, जयपुर मे स्थित जो श्री यासीन मोहम्मद पुत्र श्री हाजी सुल्तान तथा श्री फिरोज खान पुत्र श्री यासीन मोहम्मद के नाम से है। जिसका क्षेत्रफल 55.12 वर्गमीटर है। चर्तु:सीमाएँ: उत्तर में:- प्लॉट नं.3-CH-5 दक्षिण में:- प्लॉट नं.3-CH-3
पूर्व में:-प्लॉट नं.3-CH-20 पश्चिम में:-रोड
दिनांक :- 15.05.2025, स्थान:- जयपुर प्राधिकृत अधिकारी (भारतीय स्टेट बैंक)

भारतीय स्टेट बैंक State Bank of India
STATE BANK OF INDIA, R A C P C-II (17389)
1st FLOOR, B-10/134, JANKI MARG, CHITRAKOOT, JAIPUR, PIN-302021 Phone :0141-2851179 & 2851180
email :sbi.17389@sbi.co.in

(परिशिष्ट IV [नियम 8(1)] कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति के लिए)

जबकि, निम्नहस्ताक्षरकर्त्ता, भारतीय स्टेट बैंक का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम 2002के प्रवर्तन और धारा 13(12)सपठित प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के तहत् प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 20.02.2025 को डिमांड नोटिस जारी किया था जिसमें ऋणी श्री किशन सिंह राठौड पुत्र श्री खींव सिंह को उक्त नोटिस की प्राप्ति के 60 दिन के अन्दर उसमें उल्लिखित रूपये 19,28,526/- (शब्दो में अक्षरे उन्नीस लाख अट्ठाईस हजार पांच सौ छब्बीस रुपये मात्र) 16.02.2025 तक एवं दिनांक 17.02.2025 से ब्याज सम्मलित करते हुए की राशि को चुकाने का अनुरोध किया था।
ऋणी द्वारा यह राशि न चुकाने पाने के कारण ऋणी /जमानतदार एवं आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है अधोहस्ताक्षरकर्ता ने उक्त नियमावली के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 (4)के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 13 मई 2025 वर्ष को निम्नलिखित सम्पत्ति का कब्जा ले लिया है
ऋणी /जमानतदार को विशेषकर तथा आम जनता को सामान्य रूप से सचेत किया जाता है वे इस सम्पत्ति में कोई लेनदेन न करे और इस सम्पत्ति में किसी भी प्रकार का लेनदेन भारतीय स्टेट बैंक के रूपये 19,28,526/- (शब्दो में अक्षरे उन्नीस लाख अट्ठाईस हजार पांच सौ छब्बीस रुपये मात्र) 16.02.2025 तक एवं दिनांक 17.02.2025 से ब्याज शामिल करते हुए तथा भविष्य के ब्याज व खर्चों के ऋण भार प्रभार के अधीन होगा।
ऋणीयों का ध्यान प्रतिभूत आस्तियों के मोचन के लिए उपलब्ध समय के सन्दर्भ अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8)के उपबन्धों कि ओर आकृष्ट किया जाता है।

स्थावर सम्पत्ति का विवरण

बंधक संपत्ति के सभी अंग व अंश जिसमे प्लॉट नं. 80, गंगा सागर कॉलोनी, बीड खातीपुरा, पंच्यावाला, सिरसी रोड, जयपुर मे स्थित जो श्री किशन सिंह राठौड पुत्र श्री खींव सिंह के नाम से है। जिसका क्षेत्रफल 92.70 वर्गगज है।
चर्तु:सीमाएँ: उत्तर में:- प्लॉट नं.80-A दक्षिण में:- प्लॉट नं.81
पूर्व में:-प्लॉट नं.79 पश्चिम में:-30 फीट चौडी रोड
दिनांक :- 13.05.2025, स्थान:- जयपुर प्राधिकृत अधिकारी (भारतीय स्टेट बैंक)

IIFL HOME LOAN
आईआईएफएल होम फाइनांस लिमिटेड
आईआईएफएल हाउस, सन इन्फोटेक पार्क, रोड नं.16वी, प्लॉट नं. बी-23, एमआईडीसी ठाणे इंडस्ट्रियल एरिया, वागले एस्टेट, ठाणे-400604
CIN No.: U65993MH2006PLC166475

इस सूचना के माध्यम से, आम जनता और आईआईएफएल होम फायनांस लिमिटेड के ग्राहकों को सूचित किया जाता है कि ग्राउंड फ्लोर, तहसील तिजारा के पास, वार्ड नं. 4, तिजारा जिला अलवर, राजस्थान - 301411 स्थित आईआईएफएल होम लोन शाखा को **20 अगस्त, 2025** से नए पते यानी पहली मंजिल, स्काई व्यू टॉवर, सोहना रोड, भगत सिंह कॉलोनी, यूआईटी भिवाड़ी राजस्थान - 301019 पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा।
सभी ग्राहकों और आम जनता से निवेदन है कि उपर्युक्त सूचना को ध्यान में रखते हुए अपनी निकटतम अन्य आईआईएफएल होम लोन शाखाओं का पता लगाने के लिए iiflhomeloans.com/locate-us पर विज़िट करें।

कार्यालय अतिरिक्त निदेशक स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग, भरतपुर
क्रमांक :- 1015 दिनांक :- 19.5.25

खुली निविदा सूचना 01/2025-26

इस कार्यालय हेतु दो कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक (मशीन विद मैन) की सेवायें 28.02.2026 तक की अवधि हेतु पंजीकृत संवेदक के मार्फत अनुबंध पर लेने हेतु निविदाएं वित्त (जी एंड टी) विभाग के परिपत्र दिनांक 30.04.2018 से प्राप्त दिशा निर्देशानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	सेवा/कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	निविदा प्रपत्र शुल्क राशि	निविदा प्रतिभूति राशि	निविदा विक्रय की अंतिम तिथि
1	2	3	4	5	6
1.	कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक (मशीन विद मैन)-कुल 02	2.50 लाख	200/-	5000/-	26.05.2025 को 1.00 पी.एम.

निविदा प्रपत्र एवं निविदा की शर्ते, निर्धारित राशि कार्यालय में नकद जमा कर प्राप्त कर सकते है। निविदा प्रपत्र एस.पी.पी.पी. पोर्टल पर भी देखा/डाउनलोड किया जा सकेगा।
NIB CODE - LFD2526A0004
अतिरिक्त निदेशक
स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग,
भरतपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-II/TRUST/2025/77
चूंकि प्रार्थी श्री ANIL KUMAR JAIN, BAGAD KA TIRAYA, RAMGARH, ALWAR-301026 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री दिगम्बर जैन सुधा सागर गौशाला समिति अलवर, BAGAD KA TIRAYA, RAMGARH, ALWAR, RAJASTHAN, 301026 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 07-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 15/07/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/AJMER/TRUST/2025/110
[illegible] ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास [illegible] के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 09-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 22/07/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 57/2025
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)
[illegible]
आज दिनांक 14.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 22.07.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग जयपुर

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 142/2025
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)
[illegible]
आज दिनांक 08.05.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 16.06.2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (द्वितीय)
देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/290
[illegible]
आज दिनांक 19-05-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25/07/2025
मोहर अदालत
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार की टक्कर से बाइक सवार बीस वर्षीय इंजीनियर स्टूडेंट की मौत

हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया

जयपुर। झोटवाड़ा थाना इलाके में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी । इस सड़क हादसे में बीस वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। वहीं इस हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

सड़क दुर्घटना थाना (पश्चिम) हेड कांस्टेबल महावीर ने बताया कि हादसा झोटवाड़ा थाने इलाके में हुआ था। जहां लोहा मंडी हरमाड़ा निवासी रवि सिंह परीक्षा खत्म होने पर गोविंद देव जी के दर्शन के लिए सुबह घर से निकला था। इसी दौरान अम्बाबाड़ी तिराहे के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि रवि उछलकर सड़क पर गिरा और बाइक पूरी तरह से क्षितग्रस्त हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को कांवटिया हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां कुछ देर बाद ही रवि की इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं हादसे के बाद ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। पुलिस ने बताया कि जहां हादसा हुआ वहां आस-पास के सीसीटीवी खराब है। टक्कर के बाद ड्राइवर विद्याधर नगर की तरफ भागा था। जहां के सीसीटीवी खंगाले जा रहे है। वहीं परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला भी दर्ज कर लिया है।

जानकारी के अनुसार मृतक रवि बालाजी इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटेक (कम्प्यूटर साइंस ब्रांच) की पढ़ाई कर रहा था और सेकंड ईयर का स्टूडेंट था। सेमेस्टर परीक्षा खत्म होने पर दर्शन के लिए घर से निकला था। मृतक के पिता महेंद्र सिंह पालावत झोटवाड़ा ग्राम पंचायत में ग्राम सेवक के पद पर पोस्टेड है। वहीं उनकी माता जी ट्रांसपोर्ट नगर इलाके में स्थित स्कूल में टीचर है। रवि समेत दो भाई है, जिनमें वह बड़ा था।

गांजा की सप्लाई करने वाली महिला तस्कर गिरफ्तार

जयपुर। विद्याधर नगर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाली एक महिला तस्कर को पकडा है और उसके पास से 344 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपी महिला तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

एसआई महेन्द्र सिंह ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ गांजे की सप्लाई करने वाली महिला तस्कर 31 वर्षीय किरण सांसी निवासी बापू कच्ची बस्ती विद्याधर नगर जयपुर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 344 ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा बरामद किया है। पुलिस आरोपित महिला तस्कर से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे मे जानकारी कर रही है।

आमरस एवं भजनामृत गंगा कार्यक्रम का आयोजन

जयपुर। स्वर्गीय सुप्यार कंवर की 36वीं पुण्यतिथि पर सुप्यार देवी तंवर फाउंडेशन के तत्वावधान में सोमवार को कांवटिया सर्कल पर भावपूर्ण भजन संध्या का आयोजन के साथ आमरस प्रसादी का वितरण किया गया।

कार्यक्रम में प्रतिभाशाली कलाकारों की आकाशीय आवाजें शांत वातावरण में गुंजायमान हो उठीं, जो उपस्थित लोगों के दिलों और आत्मा को छू गईं।

इस अवसर पर राजपूत समाज के अध्यक्ष राम सिंह राजावत, ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष पंडित देवी शंकर शर्मा, राजस्थान आवासन मंडल के यूनियन अध्यक्ष दशरथ सिंह राठौड़ एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण सहित सुप्यार देवी तंवर फाउंडेशन के अध्यक्ष राधेश्याम तंवर, उपाध्यक्ष मीना कंवर, मंत्री मेघना तंवर, कोषाध्यक्ष अजय सिंह तंवर एवं गणमान्य अतिथिगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

सार-समाचार

कैंसर पीड़ितों के लिए मोटिवेशनल किताब विजेता का लॉन्च कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। डॉ. संजय ज़िप्पी धूरिया द्वारा लिखित पुस्तक 'विजेता: एक सच्ची कहानी कैंसर पर विजय की' का भव्य बुक लॉन्च कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह किताब न केवल प्रकाश कॉटलर की कैंसर से जंग की प्रेरणादायक यात्रा को दर्शाती है, बल्कि एक मरीज और डॉक्टर के बीच विश्वास, साहस और संवेदना से भरे रिश्ते की गहराई को भी उजागर करती है। समारोह में मुख्य अतिथि आईएएस डॉ. समीत शर्मा, सचिव, राजस्थान सरकार, और विशिष्ट अतिथि प्रो. डॉ. रमेश कुमार अरोड़ा, अध्यक्ष, मैनेजमेंट डेवलपमेंट एकेडमी, जयपुर ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इनके अतिरिक्त डॉ. नरेंद्र शर्मा (सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं प्रोफेसर, लाल बहादुर शास्त्री कॉलेज, जयपुर), डॉ. मोनिका जैन (अतिरिक्त प्राचार्य एवं मेडिकल एजुकेशन कोऑर्डिनेटर, एसएमएस मेडिकल कॉलेज), श्रवण सहानी (सेवानिवृत्त आईएएस एवं ट्रिब्यूनल जज), पंडित राजीव भट्ट, डॉ. भूपेंद्र सिंह (सेवानिवृत्त डीजीपी), एवं डॉ. उमेश खंडेलवाल (ऑन्कोलॉजिस्ट एवं फिजिशियन) ने शिरकत की।

वरिष्ठ अधिवक्ताओं की एसपीजी में नियुक्ति

जयपुर। सोसायटी फॉर पब्लिक ग्रिवांस (एसपीजी), भारत में गौरी शंकर खंडेलवाल और स्वरूप नारायण खंडेलवाल को वरिष्ठ सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। एसपीजी, भारत के अध्यक्ष एवं चेयरपर्सन प्रो. बी. डी. रावत ने बताया कि गौरी शंकर खंडेलवाल, जो देश के वरिष्ठ और अग्रणी अधिवक्ताओं में से एक हैं, एसपीजी के कानूनी प्रकोष्ठ का नेतृत्व करेंगे। उनकी विशेषज्ञता एवं अनुभव संस्था को और अधिक प्रभावशाली बनाने में सहायक सिद्ध होंगे। डॉ. गोविंद रावत (एडवोकेट) ने भी इस अवसर पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि, गौरी शंकर खंडेलवाल का टीम एसपीजी, भारत में सम्मिलित होना हमारे लिए अत्यंत गर्व का विषय है। उनके मार्गदर्शन में संस्था जनहित में अपने लक्ष्यों की ओर और भी मजबूती से अग्रसर होगी।

नरसिंह लीला और बाराह अवतार लीला की सफलता पर प्रसादी का वितरण

जयपुर। अनुरोध ताड़केश्वर नव युवक मंडल के अध्यक्ष विक्रांत व्यास ने बताया कि नरसिंह लीला और बाराह अवतार लीला के 225वें संस्करण की बड़ी सफलता पर आज श्री ताड़केश्वर नवयुवक मंडल के तत्वाधान में श्री ब्रजनिधि जी का मंदिर चांदनी चौक में भव्य प्रसादी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक प्रो. बी.डी. रावत एवं सचिव डॉ. गोविंद रावत (एडवोकेट) इस अवसर पर कई व्यक्तियों व विशिष्ट अतिथियों का पुष्पहार व दुपट्टों से सम्मान किया गया। बाबा श्री ताड़केश्वर नाथ महादेव की श्री चित्र भी भेंट किये गये। तकरीबन 10000 भक्तों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर बाबा श्री ताड़केश्वर नाथ व ठाकुरश्री ब्रजनिधि जी का भव्य श्रृंगार किया गया।

प्रशासन के शिकायत वापस लेने के बाद किसानों का धरना स्थगित

भारतीय किसान संघ ने सोमवार को उपखण्ड कार्यालय रामपुरा डाबडी पर किसान आक्रोश प्रदर्शन किया।

जयपुर। भारतीय किसान संघ के प्रांत महामंत्री डा सांवर मल सोलेट सहित 10 संघ के पदाधिकारियों पर झूठा मुकदमा दर्ज कराने के खिलाफ सोमवार को उपखण्ड कार्यालय रामपुरा डाबडी पर किसान आक्रोश प्रदर्शन किया गया। इसके बाद प्रशासन ने शिकायत वापस लेने के बाद धरना स्थगित कर दिया।

किसान संघ के प्रांत सह प्रचार प्रमुख डॉ.लोकेश कुमार चन्देल ने बताया कि रामपुरा डाबड़ी उपतहसीलदार के द्वारा राजकार्य में बाधा सहित कई झूठे आरोप लगाकर थाने में शिकायत के खिलाफ सैकड़ों की संख्या किसान पहुँचकर आक्रोश जताया। प्रांत अध्यक्ष कालूराम बाँगड़ा ने कहा है कि यह किसानों की आवाज दबाने का एक षड्यंत्र है ।

किसान संघ के पदाधिकारियों का नियमित तहसीलो में जाना भ्रष्टाचार मिटाने के लिए दबाव बनाना इनको अखरने लगा है। इसलिए यह षड्यंत्र रचकर झूठे मुकदमा दर्ज करवाया गया है। इससे किसान संघ डरेगा नहीं और शक्ति के साथ किसानों की माँगों को उठाएगा। इस दौरान प्रांत अध्यक्ष कालू राम बागडा प्रदेश उपाध्यक्ष छोगालाल सैनी, प्रदेश मंत्री प्रदेश मंत्री श्रीचंद सिद्ध, संभाग संगठन मंत्री नीरज, जयपुर ज़िलाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा, ज़िला मंत्री लक्ष्मीनारायण यादव, ज़िला उपाध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा तिलपट्टी, दौसा ज़िला अध्यक्ष तेजराम मीणा, ज़िला मंत्री राजकिशोर शुक्ला तहसील अध्यक्ष लालचंद निठारवाल तहसील मंत्री रामजीलाल गुप्ता तहसील अध्यक्ष रघुनाथ प्रजापति आदि मौजूद थे।

एसडीआरएफ ने राज्य के आठ स्थानों पर मॉक-ड्रिल किया

जयपुर। एसडीआरएफ राजस्थान ने प्रदेश के आठ स्थानों पर हवाई हमले और आपदा के मध्यनजर मॉक-ड्रिल-जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए है। कमांडेंट एसडीआरएफ राजस्थान, जयपुर राजेन्द्र सिंह सिसोदिया ने बताया कि राज्य आपदा प्रतिसाद बल, राजस्थान की रेस्क्यू टीमों द्वारा निरन्तर राज्य के महत्वपूर्ण, सार्वजनिक, राजकीय स्थानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, तीर्थस्थलों, उद्यानों, रेलवे स्टेशनों, बस अड्डों, हवाई अड्डों, अस्पतालों इत्यादि स्थानों पर स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर मॉक-ड्रिल एवं जन-जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर नागरिकों को किसी भी आपदा या हवाई-हमलों की स्थिति में तैयार रहने एवं उपयोग में ली जाने वाली आवश्यक कार्यवाहियों के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

मॉक-ड्रिल में हवाई हमले के दौरान रेस्क्यू टीमों द्वारा की जाने वाली कार्यवाही क्षतिग्रस्त भवनों को सुरक्षित करना, घायलों को क्षितग्रस्त इमारतों से बाहर निकालना एवं प्राथमिक उपचार देकर अस्पताल भिजवाना इत्यादि का अभ्यास किया गया।

कोल्ड ड्रिंक में नशीला पेय पिलाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर। मुहाना थाना इलाके में परिचित दोस्त ने कोल्ड ड्रिंक में नशीला पेय पिलाकर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान आरोपी से उसका अश्लील वीडियो भी लिए। पीडिता द्वारा विरोध करने पर मारपीट कर अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी दी। इस संबंध में पीडिता थाने पहुंची और थाने में आरोपी दोस्त के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस ने बताया कि बजाज नगर की रहने वाली 24 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि कुछ समय पहले उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी और बातचीत के दौरान उससे दोस्ती कर ली।

आरोप है कि करीब 6 महीने पहले मिलने के बहाने आरोपी दोस्त ने उसे पत्रकार कॉलोनी बुलाया। जहां मिलने पहुंचने पर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इसके बाद बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। दुष्कर्म के दौरान उसका अश्लील वीडियो मोबाइल में बना लिया। होश आने पर विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की और अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने लगा। इससे परेशान होकर पीड़िता ने आरोपी दोस्त के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

वहीं बजाज नगर थाना इलाके में अश्लील वीडियो को शेयर करने की धमकी देकर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पीडिता आरोप है कि आरोपित ने डरा-धमकाकर ब्लैकमेल कर 25 लाख रुपए भी ऐंठ लिए। इस संबंध में पीड़िता ने आरोपी परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया।

पुलिस ने बताया कि झुंझुनूं की रहने वाली 27 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया है कि पिछले कुछ समय पहले उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। आरोप है कि मई-2024 में आरोपी ने उसे मिलने के लिए टोंक रोड स्थित होटल में बुलाया और मिलने जाने पर उसकी फोटो-वीडियो को शेयर करने की धमकी दी।सोशल मीडिया पर फोटो-वीडियो डालने की कहकर ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया। ब्लैकमेल कर डरा-धमकाकर आरोपी ने करीब 25 लाख रुपए ऐंठ लिए। ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर पीड़िता ने थाने में मामला दर्ज करवाया।

खानपान में संतुलन की कमी के कारण एब्डॉमिनल कैंसर के केस बढ़े

जयपुर। प्रोसेस्ड एवं पैक्ड खाना, तला-भुना, ज्यादा मिर्च मसाला खाना आज के समय में अधिकांश लोगों के जीवन के हिस्सा बन चुका हैं।

इन्हीं गलत खानपान के आदतों के चलते राजस्थान सहित देशभर में एब्डॉमिनल (पेट से संबंधित) कैंसर के मामलों में तेजी से वृद्धि हो रही है। नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम (छब्त्च्) की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में हर साल लगभग 2 लाख से अधिक नए मामले पेट से जुड़े कैंसर के सामने आते हैं। इनमें कोलन, रेक्टम, गैस्ट्रिक (पेट), लिवर और ब्लैडर कैंसर प्रमुख हैं। भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के एब्डॉमिनल कैंसर विशेषज्ञ डॉ शशिकांत सैनी ने बताया कि राजस्थान में भी एब्डॉमिनल कैंसर के मामलों में 20-25 प्रतिषत की वार्षिक वृद्धि देखी जा रही है, खासकर शहरी क्षेत्रों में जहाँ गलत खानपान, तम्बाकू सेवन और तनावपूर्ण जीवनशैली इसका प्रमुख कारण है। एब्डॉमिनल कैंसर उन कैंसर को कहा जाता है जो पेट के भीतर मौजूद अंगों में होते हैं, जैसे कोलन (बड़ी आंत), रेक्टम (मलाशय), गैस्ट्रिक (पेट), लिवर, पैनक्रियास (अग्न्याशय), ब्लैडर (मूत्राशय) और किडनी कैंसर। अधिकांश लोग कैंसर के शुरूआती लक्षणों को नजर अंदाज कर देते है जिसकी वजह से रोगी की बढ़ी हुई अवस्था में चिकित्सक के पास पहुंचता है।

लगातार पेट दर्द या भारीपन, बार-बार कब्ज या दस्त, मल में खून आना, भूख न लगना या वजन अचानक कम होना, पेट में सूजन या गांठ, बार-बार उल्टी या जी मिचलाना, बार-बार पेशाब आना या पेशाब में खून आना। इन लक्षणों को नजरअंदाज किए बगैर चिकित्सक से परामर्श अवश्य रूप से किया जाना चाहिए।

मालवीय नगर विधानसभा में निकाली तिंरगा रैली

जयपुर। देश की सेना और वीर जवानों के सम्मान मे मालवीय नगर विधानसभा के महेश नगर मंडल में तिरंगा यात्रा को विधायक कालीचरण सराफ ने रवाना किया। मंडल अध्यक्ष डीडी सैनी ने बताया कि तिरंगा यात्रा महेश नगर फाटक से रवाना होकर पूरा महेश नगर बाजार घूमते हुए श्री राधगोविंद मंदिर श्री गोपाल नगर पर जाकर संपन्न हुई। इसी प्रकार 19 मई को यह तिरंगा यात्रा बरकत नगर चौराहे से होते हुए पूरा आदर्श बाजार घूमते हुए टोंक फाटक पर जाकर संपन्न हुई। इस तिरंगा यात्रा में जगह-जगह पर व्यापार मंडल एवं स्थानीय निवासियों द्वारा पुष्प वर्षा कर तिरंगा यात्रा का स्वागत किया गया। इस रैली में महिलाओं की भी सक्रिय रूप से भागीदारी रही। इस अवसर पर राजस्थान महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, जयपुर शहर उपाध्यक्ष ब्रह्माकुमार सैनी,मंडल अध्यक्ष डी डी सैनी,पार्षद उषा टाटीवाल, एवं काफी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए।

सिंधु जल समझौते को निरस्त कर उसके पानी को किसानों के हित में उपयोग के लिये प्रबंध करने का प्रस्ताव पारित

देश भर के किसान प्रतिनिधियों सम्मेलन पूसा परिसर में कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की मौजूदगी में आयोजित

नई दिल्ली/जयपुर। देश भर के किसान संगठनों के प्रतिनिधि पूसा परिसर में ए.पी.शिंदे सभागार में आयोजित किसान सम्मेलन में भारत के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ उपस्थित रहे।

उनकी उपस्थिति में सभी किसान संगठनों की ओर से एक प्रस्ताव किसान महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामपाल जाट ने प्रस्तुत किया। जिसे उपस्थित सभी किसान संगठनों के उपस्थित प्रतिनिधियों ने सर्वसम्मति से पारित किया। प्रस्ताव में सिंधु जल संधि को निरस्त कर उसके पानी का देश के किसानों के हित में उपयोग करने के लिए अविलंब समुचित प्रबंध करने का सरकार से आग्रह किया गया। प्रस्ताव में यह भी प्रकट किया कि समझौते के उपरांत से ही पाकिस्तान का व्यवहार प्रतिकूल रहा तब भी भारत ने इस समझौते का अक्षरशः पालन किया। इस कारण विश्व में इस समझौते ने सबसे लंबी अवधि तक बने रहने की प्रतिष्ठा प्राप्त की।

प्रस्ताव में यह भी प्रकट किया गया कि भारत ऊपरी तटीय राष्ट्र है सिंधु, झेलम एवं चिनाब नदियां भारत में बहने के उपरांत ही पाकिस्तान में प्रवेश करती है। वर्ष 1960 में हुए समझौते का आधार वर्ष 1947 का कृषि मे सिंचित क्षेत्र था। उसे समय की परिस्थितियों में मूलभूत रूप से परिवर्तन आ चुका है ऐसी स्थिति में समझौते की समीक्षा समीचीन है। इस कारण ही सिंधु संधि में संशोधन के लिए प्रावधान किया हुआ है। प्रस्ताव में यह भी प्रकट किया है कि सिंधु जल समझौते का निलंबन तो सर्वथा उचित कदम है किंतु देश की जनता के भावना के अनुसार इस समझौते को निरस्त करना अपरिहार्य है । प्रस्ताव में किसानों के हितों में इन तीनों नदियों के पानी के उपयोग हेतु समुचित प्रबंध अविलंब करने का आग्रह किया गया है। प्रस्तावक द्वारा आलेख में "उरी एवं पुलवामा से पहलगाम तक आतंकी" आक्रमणों के समय भारत सरकार की ओर से पानी एवं खून एक साथ नहीं बह सकता इसलिए पाकिस्तान में एक बूंद भी पानी नहीं जाने देंगे। जैसी घोषणा होने के 9 वर्ष उपरांत भी पानी के उपयोग के लिए कोई योजना आरंभ नहीं की गई। अब उस अवधि की भरपाई करने की भी आवश्यकता है।

इस कार्यक्रम में किसान महापंचायत के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किशन डागर, रोहतास बोहरा , हरियाणा के प्रदेश महामंत्री नवनीत रोज, मध्य प्रदेश के अध्यक्ष राजेश धाकड़, राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष मुसद्दीलाल यादव, युवा प्रदेश अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद चौधरी, प्रदेश मंत्रियों में मनजिंदर सिंह अटवाल बत्तीलाल बैरवा एवं महेश जाखड़ प्रदेश, प्रवक्ता सुरेश बिजारणिया जिला अध्यक्षों में सीकर के कैप्टन बलदेव यादव , अजमेर के प्रहलाद खुरडिया, खैरथल तिजारा के वीरेंद्र क्रांतिकारी , जयपुर जिले के महामंत्री नंदलाल मीणा, अजमेर जिले के उपाध्यक्ष चतुर्भुज चौधरी एवं सुगनाराम खोखर खैरथल तिजारा जिले के ग्राम हरसोली के सेवा निवृत थानेदार तहसील मुंडावर के अध्यक्ष शेर सिंह, तहसील अध्यक्षों में नीम का थाना के श्री कृष्ण यादव पाटन के कमल कुमार सैनी जयपुर जिले में मोजमाबाद तहसील के संयोजक बजरंग लाल जाजुंदा, अध्यक्ष रामेश्वर बुरडक, जिला संयोजक टोंक बद्री लाल पटेल , जिला उपाध्यक्ष सीताराम खादवाल, जिला प्रसार प्रचार मंत्री राधेश्याम गोहरपुरा, तहसील दूदू की ग्राम सेवा सहकारी समिति बिचुन के अध्यक्ष रामलाल मीणा सहित अनेक प्रमुख कार्यकर्ताओं ने भागीदारी की इसके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड ,हरियाणा ,पंजाब, दिल्ली के किसान संगठनों के अनेक प्रतिनिधियों में धर्मेंद्र मलिक, अशोक बालियान, राजेश सिंह चौहान,भागीदारी निभाई कार्यक्रम को कृषि किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संबोधित करते हुए।

भारतीय मानकों, मानक निर्धारण प्रक्रिया, हॉलमार्किंग, उपभोक्ता संरक्षण के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां दीं

■ उपभोक्ता हित में मानकीकरण के विभिन्न आयाम विषय पर आयोजित हुई जयपुर संभाग की कार्यशाला

जयपुर। उपभोक्ता मामले विभाग एवं भारतीय मानक ब्यूरो के संयुक्त तत्त्वाधान में उपभोक्ता हित में "मानकीकरण के विभिन्न आयाम" विषय पर इन्दिरा गांधी पंचायती राज संस्थान, जयपुर में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि सुबीर कुमार, प्रमुख शासन सचिव, उपभोक्ता मामले विभाग ने मानकीकरण के परिप्रेक्ष्य में हॉलमार्किंग से संबंधित प्रक्रिया का उल्लेख करते हुए बहुमूल्य धातुओं के आभूषणों को भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकृत चिन्ह, आभूषण में सोने की शुद्ध मात्रा व संख्या की सुनिश्चितता उपरान्त ही खरीदने हेतु जागरूकता का सन्देश दिया। उन्होंने दैनिक उपयोग की वस्तुओं को मानकों के अनुरूप खरीदे जाने पर बल देते हुए मानकीकृत उत्पादों के उपयोग पर प्रकाश डाला।

कार्यशाला में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग के अध्यक्ष देवेन्द्र मोहन माथुर ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के परिप्रेक्ष्य में मानकीकरण पर विस्तृत जानकारी दी।

साथ ही उन्होंने उपभोक्ता संरक्षण संबंधित सभी विषयों पर अधिनियमों के प्रावधानों एवं उनके व्यावहारिक उपयोग पर प्रकाश डालते हुए, हॉलमार्किंग, एगमार्का आदि के बारे में न्यायालय में दर्ज परिवादों के आलोक में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने परिवाद दर्ज कराने की प्रक्रिया से भी अवगत कराया।

कार्यशाला में भारतीय मानक ब्यूरो के विषय विषेशज्ञों ने भारतीय मानकों, मानक निर्धारण की प्रक्रिया, हॉलमार्किंग, अनुचित व्यापार-व्यवहार प्रथा के विरूद्ध उपभोक्ता संरक्षण से संबंधित उपयोगी जानकारी दी। कार्यशाला में विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया।

कार्यशाला में निदेशक एवं प्रमुख, भारतीय मानक ब्यूरो, जयपुर शाखा कार्यालय, कनिका कालिया ने उपभोक्ताओं द्वारा बरती जाने वाली आवश्यक सावधानियों एवं उत्पाद खरीदने से पहले मानको की अच्छी तरह से जांच करने एवं प्रमाणिक उत्पाद खरीदने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी।

कार्यशाला के अंत में उपभोक्ता एवं उत्पादों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान करने हेतू उपस्थित सभी लोगों द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

कार्यशाला में विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म यथा फेसबुक, यूट्ययूब, ट्विटर, इंस्टाग्राम पर विभागीय एकॉउन्ट (ग्राहक) के बारे में जानकारी दी गई। कार्यशाला में राज्य उपभोक्ता हैल्पलाइन नम्बर 18001806030 एवं 14435 का भी प्रचार-प्रसार किया गया।

कार्यशाला में रमन कुमार त्रिवेदी, पवन कुमार, संयुक्त निदेशक, भारतीय मानक ब्यूरो, जयपुर एवं खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग तथा भारतीय मानक ब्यूरो के अधिकारियों व कार्मिकों के साथ-साथ उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधि एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उद्यमियों तथा निवेशकों को दी योजनाओं तथा नीतियों की जानकारी

औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन के लिए आयोजित कार्यशाला

जयपुर। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की ओर से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट के संबंध में जयपुर में राज्य सरकार की औद्योगिक निवेश को लेकर हाल ही में जारी नीतियों एवं योजनाओं पर सोमवार को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिला उद्योग केन्द्र एवं 22 गोदाम इंडस्ट्रियल एसोसिएशन की ओर से आयोजित इस कार्यशाला में निवेश प्रोत्साहन और औद्योगिक विकास से जुड़ी 8 महत्वपूर्ण योजनाओं तथा नीतियों के संबंध में उद्यिमयों तथा निवेशकों को जानकारी दी गई।

जिला उद्योग केन्द्र की महाप्रबन्धक श्रीमती शिल्पी पुरोहित ने बताया कि कार्यशाला में अतिरिक्त आयुक्त एस.एस.शाह ने विभागीय योजनाओं के बारे में अवगत कराया एवं उद्यिमयों की जिज्ञासाओं का समाधान किया तथा इन योजनाओं एवं नीतियों से उद्योग जगत पर पड़ने वाले अनुकूल प्रभाव की

उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की ओर से राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इंवेस्टमेंट समिट के संबंध में जयपुर में राज्य सरकार की औद्योगिक निवेश को लेकर हाल ही में जारी नीतियों एवं योजनाओं पर सोमवार को एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

जानकारी दी। इस दौरान विषय विशेषज्ञों ने योजनाओं तथा नीतियों से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किये।

कार्यशाला में प्रतिभागियों को उद्योग रजिस्ट्रेशन,जैम पोर्टल की जानकारी एवं उद्यम स्थापना में आवश्यक दस्तावेजों और एनओसी प्रमाण पत्र के विषय में जानकारी प्रदान की गई। कार्यशाला में8महत्वपूर्ण योजनाओं एवं नीतियों जिनमें एक जिला एक उत्पाद, एमएसएमई पॉलिसी-2024, रिप्स-2024, लॉजिस्टिक पॉलिसी-2024, डेटा सेंटर पॉलिसी-2025, एकीकृत क्लस्टर विकास योजना, राजस्थान एक्सपोर्ट प्रमोशन पॉलिसी-2024, राजस्थान टैक्सटाइल एण्ड एपेरल-2025 पर विस्तृत प्रकाश डाला गया।

इस दौरान एक जिला एक उत्पाद एवं जीईएम योजना के तहत ऑन-द-स्पॉट रजिस्ट्रेशन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। कार्यशाला में जिला महाप्रबंधक सुभाष शर्मा, एसोसिएशन के अध्यक्ष विमल किशोर सारड़ा और पदाधिकारियों के साथ ही औद्योगिक संघटनों से जुडे उद्यमी, छोटे व्यापारी, स्वयं सहायता समूह तथा हस्तशिल्पी तथा औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि,बैंकर्स और सीए एसोसिएशन के प्रतिनिधि मौजूद रहें।

गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा इन दिनों सभी जिलों में औद्योगिक जिला स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है जिससे उद्यमी, निवेशक तथा व्यापारी योजनाओं से जुड़ी जानकारी हासिल कर इनका लाभ उठा सकें।

World Bee Day: Celebrating Nature's Tiny Heroes

World Bee Day, observed annually on May 20, honours the vital role bees play in our ecosystem. These tiny pollinators are essential for the growth of fruits, vegetables, and flowers, supporting biodiversity and food security worldwide. The day raises awareness about the threats bees face, including habitat loss, pesticides, and climate change. It encourages global efforts to protect and preserve bee populations through sustainable practices and habitat restoration. Celebrating World Bee Day reminds us that safeguarding bees means safeguarding our planet's health and future.

#EXHIBITS

World's Most Bizarre Museums

Happy International Museum Day 2025! Let's celebrate by taking a tour of the world's most bizarre museums, featuring everything from hair to dog collars.

On this International Museum Day, we take a detour from the ordinary and explore the extraordinary. From toilets and phalluses to broken relationships and bad art, these offbeat museums challenge conventions and offer a glimpse into the particular aspects of human culture. Join us as we delve into the world's most peculiar museums and uncover their captivating and often bewildering exhibits.

The Museum of Bad Art (MOBA) — Massachusetts, USA

This museum displays a collection of art pieces that are considered 'so bad, they're good,' showcasing unintentionally hilarious and bizarre artwork.

The Sulabh International Museum of Toilets — Delhi, India

This museum explores the history and evolution of toilets and sanitation systems, featuring a wide range of toilets from different eras and cultures.

The Meguro Parasitological Museum

Tokyo, Japan

This museum focuses on parasites and their impact on humans and animals, featuring a vast collection of preserved specimens, educational exhibits, and interactive displays.

The Avanos Hair Museum

Turkey

The Avanos Hair Museum in Turkey showcases a vast collection of donated hair strands from women worldwide. This unusual museum offers a distinctive and intriguing perspective on human hair and its cultural significance.

The Gold Museum

Columbia

This museum houses a remarkable collection of pre-Hispanic gold artefacts and archaeological treasures. Visitors can explore the rich history and cultural significance of gold in the region, witnessing exquisite craftsmanship and learning about ancient civilizations.

The Cancun Underwater Museum

Mexico

This museum showcases over 500 life-sized submerged sculptures, creating an otherworldly art installation that promotes marine conservation and serves as an artificial reef. Diving or snorkeling through this immersive museum offers a surreal and captivating experience.

The Dog Collar Museum

England

This museum is a unique collection housed in Leeds Castle, UK, displaying a wide variety of historic and ornate dog collars from different eras. It provides a fascinating glimpse into the history of canine fashion and the evolving relationship between humans and their beloved pets.

The Museum of Witchcraft and Magic — Cornwall, England

This museum explores the history and folklore surrounding witchcraft and magic, showcasing artefacts, manuscripts, and items related to witchcraft practices and beliefs.

The Cup Noodles Museum — Japan

This museum is a captivating attraction that celebrates the iconic instant noodle invention. Located in Japan, this museum offers interactive exhibits, including a chance to create your own customized cup noodle. Discover the fascinating history and cultural impact of this beloved convenience food.

On 27 May, 1999, 1 NAGA launched a company attack to secure Point 5140 with a view to cutting off Tololing. Contrary to the available information, there was an enemy post on Point 5140 that was well stocked and fortified. The NAGA Company moved boldly and soon closed in with the objective. At this stage, the enemy sprang up from the defences in large numbers and brought down accurate and heavy Universal Machine Gun (UMG), and Heavy Machine Gun (HMG) and small arms fire on the assaulting troops. Due to the heavy volume of fire and the complete absence of cover, the Company Commander and 13 other jawans were injured, including Lance Naik Khushiman Gurung. Unmindful of his injuries, Lance Naik Khushiman Gurung continued to fire back though he was in an exposed position. He urged his comrades to extricate themselves while he provided effective covering fire and killed several enemy soldiers. Using fire and move tactics, he gradually pulled back and assisted his colleagues in evacuating the Company Commander and other wounded personnel to a safer area. This gallant act of Lance Naik Khushiman Gurung in the face of the enemy resulted in saving many lives and also ensured safety of own casualties. For his fearless display of a tenacious fighting spirit and selfless devotion to duty under daunting circumstances, Lance Naik Khushiman Gurung was awarded the Vir Chakra.

The Turning Point In Kargil War

Saransh Srivastav

The history of violence and political unrest in the state of Jammu and Kashmir has claimed a number of lives. Twenty-five years ago, in 1999, shortly after the signing of the Lahore Declaration, India and Pakistan fought the Kargil War. The war began when Pakistani forces disguised as Kashmiri terrorists infiltrated on the Indian side of the LoC and surreptitiously took over the Indian Army's winter vacated posts, as part of an operation, code-named 'Operation Badr.' The aim was to cut the link between Kashmir and Ladakh, to isolate Indian Army troops on the Siachen Glacier, and force India to negotiate a settlement of the Kashmir dispute. To achieve these objectives, maintaining control over Tololing held great significance for the Pakistan Army. Conversely, reclaiming Tololing from Pakistan was of paramount importance for India, as it could allow India to get a foothold in the enemy's defensive layout and then proceed to clear the other intrusions.

GEOGRAPHY

Casting its formidable silhouette over the town of Drass, Tololing, a desolate mountain, stands imposingly at 16000 feet. A solitary, steep trail snakes its way to the summit. It offers no respite or concealment to the advancing troops. Mountains favour those who command dominating heights. From their sturdy concrete bunkers and fortified sangars, the Pakistani forces commanded an unobstructed view of every inch of the treacherous track. Tololing is connected with Point 5140 via another hill feature called Hump, forming a complex. The ridge is located between two nalas, Bimbat nala and the Tololing nala. The operations during the war were executed at night, amidst the harsh, howling wind and biting cold temperatures, ranging from -5 to -11 degrees Celsius, all of with no reprieve or advantage. The soldiers painstakingly crawled up the steep incline, advancing inch by inch. With a demanding vertical ascent, where every kilogram of additional weight felt tyrannical, two kilo food packets were relinquished in favour of more ammunition. However, their efforts were rendered futile as the adversaries positioned on the heights, refrained from expending their ammunition, opting instead to pelt stones and roll down boulders upon the Indian Army. The brave and hardy soldiers of the Naga Regiment bore the brunt of such tactics, falling victim to this unconventional strategy.

General VP Malik meeting the men of 18 GRENADIERS.

#TOLOLING

INITIAL OPERATIONS

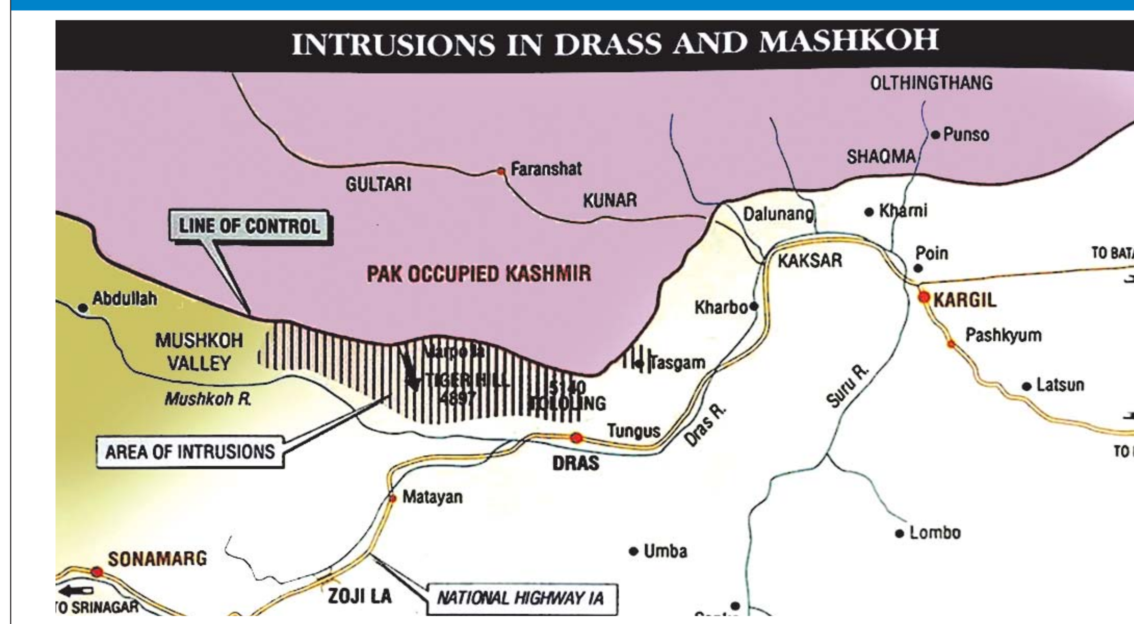

56 Mountain Brigade of 8 Mountain Division, which had been inducted into this Sector on 17 May, 1999, was given the responsibility of eviction operations in this sub-Sector which included Tololing. 8 SIKH and 1 NAGA spearheaded preliminary operations in the Drass sub-Sector. While 8 SIKH succeeded in establishing the extent of intrusions in the Tiger Hill Complex and occupied Pariyon ka Talab with a view to cutting off the supply route to Tiger Hill, 1 NAGA launched a series of determined attacks on the Pakistani troops occupying defences in the Tololing and Point 5140 complex. Despite the stiff enemy resistance faced by them, the NAGAS notched up several notable successes and suffered many casualties. These two Battalions were assisted by 16 GRENADIERS, the Battalion that had been originally responsible for the defence of the Drass sub-Sector.

On 27 May, 1999, 1 NAGA launched a company attack to secure Point 5140 with a view to cutting off Tololing. Contrary to the available information, there was an enemy post on Point 5140 that was well stocked and fortified. The NAGA Company moved boldly and soon closed in with the objective. At this stage, the enemy sprang up from the defences in large numbers and brought down accurate and heavy Universal Machine Gun (UMG), and Heavy Machine Gun (HMG) and small arms fire on the assaulting troops. Due to the heavy volume of fire and the complete absence of cover, the Company Commander and 13 other jawans were injured, including Lance Naik Khushiman Gurung. Unmindful of his injuries, Lance Naik Khushiman Gurung continued to fire back though he was in an exposed position. He urged his comrades to extricate themselves while he provided effective covering fire and killed several enemy soldiers. Using fire and move tactics, he gradually pulled back and assisted his colleagues in evacuating the Company Commander and other wounded personnel to a safer area. This gallant act of Lance Naik Khushiman Gurung in the face of the enemy resulted in saving many lives and also ensured safety of own casualties. For his fearless display of a tenacious fighting spirit and selfless devotion to duty under daunting circumstances, Lance Naik Khushiman Gurung was awarded the Vir Chakra. 18 GRENADIERS, previously engaged in counter-insurgency operations in the Valley, were also deployed to expel the intruders. Despite their immense efforts, 1 NAGA and 8 SIKH were unable to dislodge the enemy from their positions. 18 GRENADIERS required sufficient time for acclimatization and to readjust to conventional attack strategies. Colonel Kushal Thakur, the Commanding Officer (CO) at the time, requested a two-week period to plan the assault, facilitate logistical preparations, and conduct ground reconnaissance. Despite the higher command's desire for Colonel Thakur to expedite the process, it was recognized that ample time was necessary due to the enemy's preparedness and strong determination to resist. As a result, the required time was granted to ensure thorough preparations. On 20 May, Colonel Thakur embarked on a reconnaissance mission to the Drass area. Based on his findings, the CO deduced that Tololing could be accessed via three spurs: one from the West, and the others from the South and South East directions.

18 GRENADIERS

Colonel Kushal Thakur devised a plan that involved the Ghatak (Commando) Platoon led by Captain SA Nimbalker, advancing up the South-East Spur. They would be followed by A Company under Major RS Rathore. B Company, under Major Adhikari, would initially serve as a reserve for A Company but would later capture Point 4590 along the Southern approach after the recapture of Tololing. Meanwhile, C and D Company, led by Captain Joy Dasgupta and Major Vishal Sharma respectively, would advance through the South-West Spur to disrupt the enemy's reinforcement line from Point 5140 and Hump. Subsequently, they would launch an attack on the targeted feature.

By 1500 hours on 22 May, 1999, all troops had reached the fire base of 16 GRENADIERS. At precisely 1930 hours, Captain Nimbalkar bravely led his commandos forward along the South-East Spur. However, despite their best efforts, they were met with heavy defensive fire, which pinned them down just 300 metres short of their objective. The challenging situation was compounded by rain and fog, further hindering the troops' progress. On the following day, on 23 and 24 May, the enemy launched intense fire, forcing the troops to seek cover wherever available. Recognizing the need to disrupt the enemy's reinforcement route from the North, the CO initiated the deployment of C Company under Captain Dasgupta and D Company under Captain NS Rathore along the South-Western approach on 25 May. Sadly, they too encountered fierce enemy fire, compelling them to halt their advance 400 metres away from Point 4590.

On 27 May, the Indian Air Force's Mi-17 attack helicopters, including one with Major Adhikari on board, launched an attack on Point 4509 and Tololing. However, this initial attack proved ineffective. Four Mi-17 helicopters launched a more successful assault on Tololing using rockets the following day, on 28 May. Despite facing enemy missiles and machine gun fire, three helicopters managed to deflect the attacks and safely returned to the base. Tragically, the fourth helicopter was struck by a missile from Point 5140 while engaging the enemy position, resulting in the loss of all four crew members.

STALEMATE IN THE OPERATION

Consequently, the attack on Tololing was temporarily halted from all directions, and the troops were instructed to establish a secure base around the feature. There was no let-up in the fighting. Only the night brought some relief, and then, it was time to launch one more assault. No matter what the enemy hurled at them, they clung on to their precarious perch.

On the night of 30 May, at 0130 hours, a renewed attack was launched. B Company, led by Major Adhikari, and the Ghatak Platoon divided into two groups, under the command of Captain Nimbalkar and Lieutenant Balwan Singh, advanced towards Point 4590 along the South Spur. While Captain Nimbalkar's group encountered heavy enemy fire and became pinned down West of Barbad Bunker, Major Adhikari's Company managed to come within 25 metres of the objective. Tragically, Major Adhikari was fatally struck in the head by an enemy bullet, and two other soldiers also lost their lives. He was posthumously awarded Mahavir Chakra for his bravery. Despite their valiant efforts, the heavy defensive fire prevented the troops from penetrating the objective.

From 01 to 02 June, the soldiers endured harsh conditions, lying in the bitter cold and under continuous heavy fire. The situation was exacerbated by relentless rain, which rendered their circumstances even more unbearable. Under immense pressure from higher authorities to capture Tololing swiftly, Brigadier AN Aul, Commander 56 Mountain Brigade, directed Colonel Thakur to undertake another assault on Tololing at the earliest opportunity. On the night of 03 June, a fresh attack commenced at 2100 hours, taking place along the Southern ridge. Lieutenant Colonel Vishwanathan personally led the assault. In the ensuing intense firefight at close quarters, Lieutenant Colonel R Vishwanathan sustained injuries from a burst of machine gun fire, while several other assaulting troops were also wounded. Despite his injuries, he refused to be evacuated and exhorted his troops to continue fighting. In a close hand-to-hand confrontation, he charged at opposing defences, demolishing three enemy positions and eliminating four intruders. In a complete disregard of his personal safety, he preferred being where his men were fighting and led them from the front during assaults on well-fortified enemy positions in Tololing. He, however, succumbed to his injuries, making the supreme sacrifice for the nation in the best traditions of the Indian Army. He was posthumously awarded Vir Chakra for his gallant actions.

Recognizing the need for additional troops and firepower to neutralise the enemy, Colonel Thakur requested reinforcements, and his request was approved. They were then ordered to consolidate their positions. Subsequently, the operation remained in a stalemate for the next twelve days.

THE CAPTURE OF TOLOLING

As part of the operation, 2 RAJPUTANA RIFLES and 18 GARHWAL RIFLES were assigned specific roles. 2 RAJPUTANA RIFLES took over from 18 GRENADIERS and launched an assault on Tololing. Lieutenant Colonel M B Ravindranathan, CO, 2 RAJPUTANA RIFLES, sought six days to prepare for another frontal assault, as also it will provide enough time to build a much larger number of artillery regiments, so that the enemy can be subject to heavy fire assault. They had done a thorough reconnaissance of their objective and had been well briefed by the 18 GRENADIERS.

The fire plan for the assault of 2 RAJPUTANA RIFLES was made by Colonel Mediratta, CO, 1889 Light Regiment, and was coordinated by Brigadier Lakhwinder Singh, Commander, 8 Mountain Artillery Brigade. Ranging began under Colonel Meddiratta's supervision at 1430 hours on 12 June, 1999. He was assisted by Major Amrinder Singh Kasana, who was subsequently awarded a VrC, the Battery Commander (BC), and Captain A Saxena, an Artillery Forward Observation Officer (FOO). As the first Bofors shell exploded on Tololing, scoring a direct hit, the troops of 18 GRENADIERS, still in close contact with the enemy, fell back. Over 100 guns rained down death and devastation. Many sangars were destroyed. The Pakistani soldiers were taken by surprise by the unexpected artillery fire.

On the night of 12 June, C Company led by Major Vivek Gupta and D Company under Major Mohit Saxena set out for assault, while the A and B Company were nominated as reserves. C Company's objective was Tololing Top, and D Company's objective was Point 4590. D Company went in first along the southwestern approach to Point 4590, when it closed in with the enemy it came under effective small arms fire, despite that the company succeeded in establishing a foothold. The enemy started readjusting their defences to face the attack. C Company launched its assault at this stage, they soon closed in with Tololing Top and the adjacent Flat, the flat was taken. Major Vivek Gupta now himself led the reserve platoon of his company to launch an assault on Tololing Top from the Flat. Despite being grievously wounded, this gallant officer continued to lead his men, he fearlessly engaged the enemy in fierce hand-to-hand combat and killed three enemy soldiers. He was hit by another bullet and made the supreme sacrifice but not before evicting the enemy from Tololing Top. For this gallantry, Major Vivek Gupta was posthumously awarded the Maha Vir Chakra.

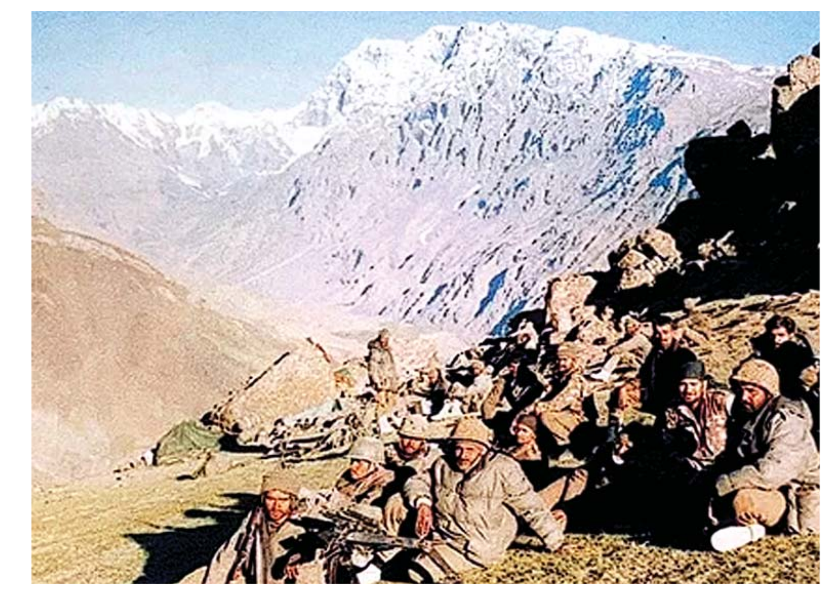

Jawans taking a breather: Tololing involved an arduous climb.

Captain Mridul Kumar Singh, who was awarded a SM, a young Artillery FOO from 197 Field Regiment, took over the Company at this very crucial hour, and deployed the troops on the objective to thwart any counter-attack. Enemy tried launching a counter-offensive but were met with accurate artillery fire from the Indian soldiers. The CO decided to launch A Company, which was in reserve, to capture Point 4590. Simultaneously, B Company was asked to clear the northern slope of Tololing. With extremely effective artillery fire, Point 4590 and Barbad Bunker were brought down. Tololing was successfully captured by 0600 hrs on 13 June, 1999. Subedar Bhawar Lal, a valiant soldier, commanded his Platoon in a mission to capture Tololing Top. As they advanced towards their objective, he was hit by a burst of Light Machine Gun fire. Despite sustaining severe injuries and losing a significant amount of blood, he unwaveringly pressed on, determined to lead his men to victory. Subedar Bhawar Lal rallied his troops for one last assault, which culminated in the successful capture of Tololing Top. Tragically, he made the ultimate sacrifice in the line of duty, laying down his life for the mission. He was posthumously awarded the Vir Chakra.

Afterwards, 18 GRENADIERS prepared to launch an attack on the Hump. However, the unit encountered enemy artillery fire, resulting in significant casualties. Consequently, C and D Company, which had been held in reserve, were tasked with capturing the Hump. The Hump, a whale-shaped feature connected to Tololing by a ridge, consisted of approximately ten bunkers that extended to the base of Point 5140. On the morning of 14 June, the Hump was captured, but the troops faced heavy fire from Point 5140. The successful acquisition of the Hump provided a solid foothold for 13 JAK RIF, who were subsequently assigned the mission of seizing Point 5140.

CONCLUSION

India's relentless three-week assault culminated in the successful capture of Tololing, which served as a pivotal moment in the war. In this three-week-long battle, 18 GRENADIERS endured a total of sixty-six casualties, which included; two officers, two Junior Commissioned Officers (JCOs) and twenty-one soldiers.

Additionally, one officer, one JCO, and thirty-nine soldiers were wounded. Fifteen individuals from the battalion were recognized for their distinguished service and gallantry during the battle. This historic battle shall forever be etched in the annals of history, serving as a profound testament to the unwavering courage and unyielding spirit of these brave warriors. Confronted with insurmountable challenges, including the enemy firmly entrenched in advantageous positions and the relentless, biting cold winds that tested their mettle, the indomitable Indian soldiers emerged triumphant, overcoming every obstacle with unwavering determination. Their remarkable achievement resonated deeply within the ranks, revitalising the troops' morale and fortifying their resolve.

rajeshsharma1049@gmail.com

THE WALL

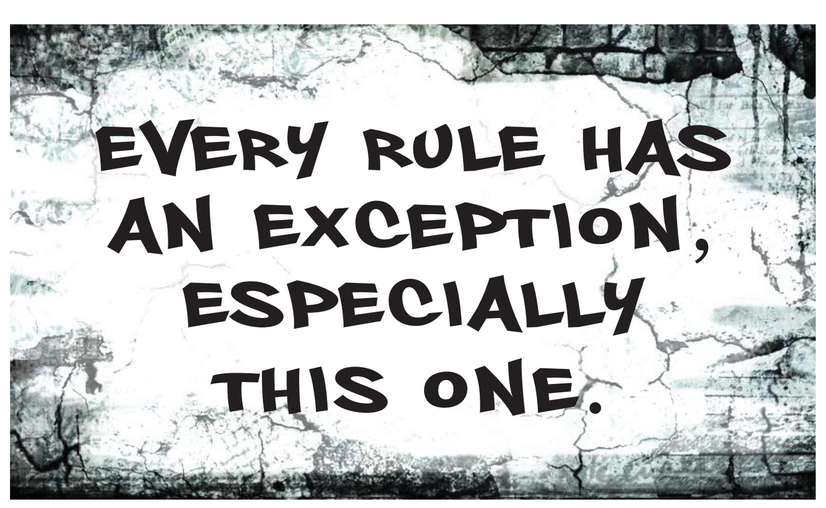

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

उदयपुर में तेज अंधड़ के साथ बारिश हुई, कई पेड़ धाराशाही, बिजली गुल

लेकसिटी में उमस व गर्मी बरकरार, तापमान 39.4 डिग्री पहुंचा

उदयपुर में बारिश के साथ आये तेज अंधड़ ने कई पेड़ों को धाराशाही कर दिया।

- शहर के अधिकांश हिस्सों में करीब पांच घंटे बिजली गुल रही

उदयपुर, (कासं)। लेकसिटी में बढ़ती गर्माहट के बीच सोमवार को दिन में अचानक मौसम पलट गया और तेज अंधड़ सी हवाएं चलने लगी। हालांकि बारिश का रूख पूरे शहर में एक जैसा नहीं रहा, लेकिन शहर में जो हवाएं चली उसमें कई जगहों पर पेड़ों को धाराशाही कर दिया।

उदयपुर शहर में दोपहर करीब तीन बजे अचानक मौसम पलटने लगा और तेज हवाएं चलने लगी हवाओं की तेज रफ्तार के साथ बारिश शुरू हो गई और चंद मिनटों की इस बारिश और हवाओं से जगह-जगह पेड़ धाराशाही हो गए। फतहपुरा से सहेलियों की बाड़ी जाने वाले मार्ग पर तो दर्जनों पेड़ जमींदोज हो गए। वहीं आयड़ मेन रोड़ पर एक विशालकाल पेड़ का एक बड़ा हिस्सा सड़क पर आ गिरा, जिससे यहां यातायात बाधित रहा। वहीं हवाओं के साथ पेड़ व तारों के टूटने से बिजली भी गुल हो गई जो करीब छह घंटों बाद सुचारू हो पाई हालांकि शहर के फतहपुरा, साइफन आदि क्षेत्रों में तो रात आठ बजे तक बिजली सुचारू नहीं हो पाई। शहर के आयड़ व संबंधित क्षेत्र में तो करीब ढाई बजे ही बिजली गुल हो गई जो करीब पांच घंटे बाद 7.30 बजे सुचारू हो पाई।

बताया जा रहा है प्रतापनगर ग्रिड स्टेशन में लगी तारों में आग से शहर के अधिकांश हिस्सों में बिजली बाधित हुई। वहीं कई हिस्सों फतहपुरा, बेदला, साइफन आदि क्षेत्रों में बिजली कटौती के साथ ही हवाओं से गिरे पेड़ों से यहां रात आठ बजे तक भी घरों में बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं हो पाई। जगह-जगह पड़े पेड़ों को निगम की टीमों द्वारा हटाने की कवायद की गई। वहीं टूटे तारों को जोड़ने का काम भी विद्युत विभाग की ओर से किया गया। शहर में गर्मी की तपिश बढ़ने के साथ ही अब तापमान में भी बढ़ोतरी हो रही है।

मौसम विभाग डबोक से मिली जानकारी के अनुसार शहर का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। धूप की तल्खी के साथ ही मौसम में घुली उमस लोगों को परेशान कर रही है। अचानक बदला मौसम भी उमस को कम नहीं कर पाया और बारिश के बाद फिर गर्मी व उमस का अहसास होने लगा।

मनरेगा श्रमिकों को गांवों में नहीं मिल रहा काम

आक्रोशित श्रमिकों ने उपतहसील का घेराव किया, आंदोलन की दी चेतावनी

श्रीगंगनागर, (निसं)। यहां बींझबायला इलाके में मनरेगा के तहत गांवों में लंबे समय से काम नहीं मिलने और मिलने वाले कार्यस्थलों की गांवों से अधिक दूरी से परेशान श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन किया। श्रमिकों ने बींझबायला उपतहसील कार्यालय का घेराव किया। क्षेत्र के कई गांवों से आए सैकड़ों मनरेगा श्रमिकों ने उपतहसील कार्यालय के बाहर धरना दिया और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मनरेगा के तहत रोजगार की मांग की। धरने में जीवनदेसर, 34 एलएनपी, 39 एलएनपी, हरखेवाला, 58 एलएनपी और साजनवाला गांवों के मनरेगा श्रमिक शामिल हुए। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भी भाग लेते हुए मनरेगा के तहत रोजगार की मांग की।

श्रमिकों का कहना है कि पिछले कई महीनों से उन्हें मनरेगा के तहत कोई काम नहीं मिल रहा है। जिन गांवों में कार्य स्वीकृत हो भी रहे हैं, वे इतनी अधिक दूरी पर हैं कि वहा रोजाना जाना संभव नहीं है। इससे ग्रामीणों के सामने रोजगार और जीविका का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। श्रमिकों ने बताया कि उन्होंने कई बार ग्राम पंचायतों व संबंधित अधिकारियों को अपनी समस्याएं बताई, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ। इसी के विरोध में वे आज एकजुट होकर धरने पर बैठे हैं। धरने के दौरान श्रमिकों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारे लगाए और चेतावनी दी कि अगर जल्द से जल्द उन्हें गांवों में ही काम नहीं दिया गया तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। श्रमिकों ने कहा कि अगली बार बींझबायला उपतहसील को तालाबंदी कर ठप कर दिया जाएगा। धरना स्थल पर पहुंचे उपतहसील प्रशासन के अधिकारियों ने श्रमिकों से वार्ता कर उनकी मांगों को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। हालांकि प्रदर्शनकारी श्रमिक तब तक धरने पर डटे रहे जब तक उन्हें कोई लिखित समाधान नहीं दिया गया।

व्यापारी का कर्मचारी ही लूट का मास्टर माइंड निकला

बिसाऊ थाना पुलिस ने लूट की वारदात का राजफाश किया।

झुंझुनूं, (निसं)। जिले के बिसाऊ थाना क्षेत्र में बिसाऊ कस्बे से महनसर जाने वाली रोड पर छह मई को सुबह हुई लूट की वारदात का पुलिस ने राजफाश कर दिया है। यह लूट की कहानी पूरी नकली थी जो परिवादी था, वो ही लूट का मास्टरमाइंड निकला।

रामगढ़ शेखावाटी के अनाज व्यापारी श्रवण सिंह भवानी सिंह की दुकान पर काम करने वाला रामगढ़ शेखावाटी निवासी वाहिद चार साल से व्यापारी के यहां काम करता था, जो पैसों को लाने और ले जाने का काम भी करता था। छह मई को भी झुंझुनूं से 15 लाख रूपए लाने के लिए वाहिद आया था। उसने बिसाऊ में आकर एक लाख रूपए ई-मित्र पर जमा करवाए और 14 लाख रूपए लेकर स्कूटी से रामगढ़ के लिए रवाना हुआ। उसने पुलिस को बताया कि महनसर के पास दो बाइक सवारों ने आकर उसके साथ पिस्तौल की नोक पर स्कूटी और मोबाइल लूट लिया। स्कूटी की डिग्गी में 14 लाख रूपए थे। पुलिस को घटना स्थल से कुछ दूरी पर स्कूटी और मोबाइल मिला। लेकिन पैसे नहीं मिले। पुलिस ने इस मामले में तफ्तीश शुरू की तो कुछ संदिग्ध मोबाइल नंबर मिले। इस दौरान सामने आया कि जयपुर ग्रामीण जिले के जोबनेर थाना इलाके के हिंगोनिया निवासी अयान पठान और उसका ही पड़ौसी ताहिर पठान, घटना के एक-दो दिन पहले से रामगढ़, बिसाऊ आदि इलाके में आए थे। पुलिस ने अयान से पूछताछ की तो उसने जुर्म करना कबूल लिया और पूरी कहानी बताई तो पुलिस के भी होश उड़ गए।

अयान ने पुलिस को बताया कि इस पूरी लूट की कहानी का मास्टर माइंड खुद परिवादी वाहिद है। जिसने ताहिर पठान से संपर्क किया। ताहिर पठान ने बताया कि इस लूट की झूठी वारदात के लिए दो लाख रूपए मिलेंगे। घटना के दिन भी वाहिद 12 लाख रूपए पहले ही ठिकाने लगा आया था। स्कूटी की डिग्गी में सिर्फ दो लाख रूपए थे, जो वे लेकर आ गए। पुलिस ने इस मामले में परिवादी और अनाज व्यापारी के कर्मचारी वाहिद के साथ-साथ अयान को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं ताहिर की तलाश की जा रही है, जो फरार है। पुलिस ने वाहिद के घर से 12 लाख रूपए भी बरामद कर लिए है। बताया जा रहा है कि वाहिद की कुछ माह पहले ही शादी थी। शादी में उसके कर्ज हो गया। इसी कर्ज को चुकाने के लिए उसने लूट की झूठी कहानी तैयार कर दो लाख रूपए में किराए के लुटेरे बुलाए। पुलिस और व्यापारी को शक ना हो, इसके लिए ना तो वो कहीं भागा और जब भी उसे पूछताछ के लिए बुलाया जाता। वो समय पर पहुंच जाता।

कार्यवाहक एसपी देवेंद्र सिंह राजावत ने बताया कि मामले का राजफाश करने वाली टीम को पुरस्कृत किया जाएगा।

छात्राओं ने गोचर की भूमि में खुद बनाई क्रिकेट की पिच

- 30 छात्राएं हर दिन सुबह-शाम क्रिकेट की प्रैक्टिस करती हैं

बीकानेर, (निसं)। ढींगसरी के बाद अब बीकानेर के बादनूं गांव की बेटियों ने साबित कर दिया है कि अगर जज्बा हो तो संसाधनों की कमी भी रास्ता नहीं रोक सकती। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, बादनूं की 30 छात्राएं हर दिन सुबह-शाम क्रिकेट की प्रैक्टिस करती हैं।

कोच राकेश कुमार गोदारा की देखरेख में बच्चियां खेलती हैं, अपनी पिच खुद तैयार करती हैं और गांव की गोचर भूमि पर अभ्यास करती हैं। हालांकि, संसाधनों की कमी है, लेकिन आत्मविश्वास और मेहनत की कोई कमी नहीं है। इसी का नतीजा है कि पिछले दो वर्ष में छात्राओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में गोल्ड और ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किए हैं। वर्ष 2024 में अंडर-17 और अंडर-19 की नेशनल प्रतियोगिताओं में भी इनका चयन हुआ, जिसमें संगीता घिंटाला ने कांस्य पदक जीता। बादनूं स्कूल की क्रिकेट टीम राजस्थान रॉयल्स द्वारा आयोजित अंडर-19 स्कूल टूर्नामेंट की विजेता रही है। इसके बाद इन छात्राओं को क्रिकेटर राहुल द्रविड से मिलने का अवसर भी मिला। यह मुलाकात न केवल गर्व का क्षण थी, बल्कि आने वाली खिलाडियों को भी नई प्रेरणा देने वाली थी।

स्कूल की मनीषा घिंटाला, सरिता घिंटाला, कंचन प्रजापत, केलम सोनी और संगीता घिंटाला वर्ष 2024 में स्कूल टूर्नामेंट में नेशनल विजेता रह चुकी हैं। इन सभी को राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) की ओर से एक-एक लाख रुपए का पुरस्कार भी मिला। अंडर-15 और अंडर-19 वर्ग में जिले से लेकर राज्य स्तर तक बादनूं की छात्राएं शानदार प्रदर्शन कर रही हैं। कोच राकेश कुमार गोदारा पिछले दो सालों से बच्चियों को नियमित प्रशिक्षण दे रहे हैं। संसाधनों की कमी के बावजूद वह उन्हें सही तकनीक और धैर्य से खेलना सिखा रहे हैं। उन्होंने गोचर भूमि पर पिच बनाने में मदद की। बल्लों पर प्लास्टिक की बोतलों के कवर लगाकर क्रिकेट खेलना शुरु करने वाली ये बच्चियां अब 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंक रही हैं।

राजस्थान एडहॉक कमेटी के सदस्य रतन सिंह शेखावत ने बताया कि बादनूं गांव की ये बेटियां राजस्थान के खेल नक्शे पर एक नई पहचान बना रही हैं। इनकी सफलता को देशभर के दूसरे खिलाड़ियों और कोचों को देखना चाहिए और उनसे सीख लेनी चाहिए कि मेहनत से बड़ी कोई चीज नहीं होती। इन बेटियों की जीत हम सबकी जीत है।

भीलवाड़ा में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप जारी

भीलवाड़ा, (निसं)। औद्योगिक नगरी में भीषण गर्मी और लू का प्रकोप इतना अधिक बढ़ गया है कि दिन के समय सड़कें सुनसान हो गई है, मानो कर्फ्यू जैसा माहौल बन गया हो। तापमान 39 डिग्री के पार पहुंचने के कारण लोग घरों में दुबके हुए हैं और केवल आवश्यक कार्यों के लिए ही बाहर निकल रहे हैं।

भीलवाड़ा में वर्तमान में तापमान दिन में 38-41, रात में भी 30-32 से नीचे नहीं गिर रहा। लू का इतना असर है कि धूप में निकलना मुश्किल हो गया है। पारा लगातार खतरनाक स्तर पर जाने से सड़कों पर सन्नाटा पसरा हुआ है। दोपहर में बाज़ार और सड़कें खाली, जैसे कर्फ्यू लगा हो। पानी और बिजली की समस्या भी आमजन के लिए कोड में खुजली का काम कर रही है। शहर के कई इलाकों में पानी की किल्लत और लंबे बिजली कटौती से लोग परेशान हैं। भीषण गर्मी से श्रमिकों और किसानों की मुश्किलें भी बढ़ी है। मजदूरों का काम रुका हुआ है तो किसानों का खेतों में काम करना मुश्किल हो गया है।

पीएमओ डॉ. अरुण गौड़ ने बताया कि लू लगने, डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले बढ़े हैं। जिले के सबसे बड़े एमजी हॉस्पिटल में ओपीडी की संख्या और मरीजों की संख्या में भी तेजी से वृद्धि हुई है। सरकार और स्थानीय प्रशासन ने हीटवेव अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। वहीं कई सामाजिक संगठन और प्रशासन ने शहर में कई स्थानों पर शीतल भंडार और पेयजल की व्यवस्था की है। पीएमओ डॉ. गौड़ ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए दोपहर 12 से 4 बजे तक बाहर न निकलें। खूब पानी पिएं, नारियल पानी और ओआरएस का उपयोग करें। सिर ढककर रखें, हल्के कपड़े पहनें और बुजुर्गों या बच्चों का खास ख्याल रखें। भीलवाड़ा की यह स्थिति पूरे राजस्थान में चल रही भीषण गर्मी का हिस्सा है।

केबल चोरी करने का आरोपी गिफ्तार

सांभरझील, (निसं)। मोखमपुरा पुलिस ने विद्युत पोलों से केवल काटकर चोरी करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। चोरी के काम में ली गई गाड़ी को भी जब्त कर लिया।

पंचशील कॉलोनी ग्राम महला में स्किम जॉयमैक्स गार्डन में 27 जनवरी की रात्रि को अज्ञात व्यक्तियों द्वारा विद्युत पोलों से केबल काटकर चोरी करने के संबंध में रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। थानाधिकारी मौखपुरा संजय प्रसाद मीणा के नेतृत्व में पुलिस टीम को सफलता मिली। पुलिस की ओर से अभियुक्त व वाहन को चिन्हित किया गया। दबिश देकर आरोपी को डिटेन कर पूछताछ की तो वारदात करना कबूल किया। चोरी की गई विद्युत केबिल बरामद की। पुलिस की ओर से अन्य फरार आरोपियों की तलाश करना बताया जा है। शेष माल की बरामदगी के लिए प्रयासरत है। आरोपी कमलेश उर्फ कमल को थाना कालवाड जयपुर शहर का हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है। पुलिस थाना हरमाड़ा, कालवाड़, करधनी, सेज, रींगस, जोबनेर, दौलतपुरा, बगरू में लूट, आर्म्स, हत्या का प्रयास, मारपीट व चोरी के करीब 20 प्रकरण दर्ज होना पुलिस की ओर से बताया गया है।

कुओं पर लगी मोटरों के तार चोरी : निवाई के बरोनी थानांतर्गत गांव दादिया की ढाणी में कुओं पर लगी हुई मोटरों के तार काट ले गए। इस बाबत पीड़ित किसानों ने चोरी का मामला दर्ज करने के लिए थाने में अर्जी लगाई है। किसान छीतरमल, रामनारायण, ग्यारसीलाल व कजोड़ गुर्जर ने पुलिस थाने में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि ढाणी के खेतों कुओं पर लगे हुए थ्री फेस मोटरों के कॉपर वायर जिनकी लंबाई करीब 400 मीटर है। अज्ञात चोर रात्रि में अंधेरे का फायदा उठाते हुए वायर काटकर चुरा ले गए।

ठगी के आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिले में साइबर ठगों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए टीपर गैंग के सरगना सोनू मीणा समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, आरोपियों के पास से दो लग्जरी गाड़ियां, 10 एंड्रॉयड मोबाइल, 9 चेक बुक और 2 बैंक पासबुक जब्त की गई हैं। ये गैंग ऑनलाइन गेम और टिपिंग के नाम पर लोगों से ठगी करता था। साइबर सेल की विशेष टीम गठित की गई, टीम को सूचना मिली कि गैंग के सदस्य दो लग्जरी गाड़ियों में टोंक की ओर आ रहे हैं, जिस पर टीम ने पचाला चौकी के पास नाकाबंदी की और दो लग्जरी गाड़ियों को रोककर तलाशी ली गई। गाड़ियों में बैठे चारों युवक सोनू मीणा, आकाश मीणा, शिवम उर्फ पिंटू मीणा और विक्रम मीणा समस्त निवासी पाटोली थाना अलीगढ़ से तलाशी में मोबाइल और बैंक दस्तावेज मिले। मोबाइल में ठगी में इस्तेमाल एप, टेलीग्राम और व्हाट्सएप के जरिए सैकड़ों लोगों से ठगी के सबूत मिले।

ब्यावर में अमूल, कृष्णा, सरस का मिलावटी घी पकड़ा

सूने मकान में मिलावटी घी व मिलावटी तेल के कारोबार की पैकिंग की जाने की शिकायत पर छापा मारा

- गोदाम के अन्दर पैकिंग मैटीरियल पाया गया जिसे सील किया गया

ब्यावर, (निसं)। ब्यावर में अमूल, कृष्णा, सरस का मिलावटी घी पकड़ने की कार्रवाई की गई। सुनसान मकान में मिलावटी घी व मिलावटी तेल के कारोबार की पैकिंग की जाने की शिकायत पर छापा मारा गया।

जानकारी के अनुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग राजस्थान सरकार की महत्वकांशी योजना "शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान" के तहत जिला कलेक्टर डॉ. महेन्द्र खडगावत एवं अति. जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत के नेतृत्व में गठित खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा मुखबिरी के आधार पर जशोदा नगर कृषी मंडी के पास सुनसान मकान में मिलावटी घी व मिलावटी तेल के कारोबार की पैकिंग की जाने की शिकायत के आधार पर पर कार्रवाई की गई। आसपास पड़ौसी द्वारा दिये गये फोन नम्बर पर सम्पर्क किया गया लेकिन फोन बन्द कर दिया गया। मालिक का चार से पांच घंटे तक इंतजार किया गया लेकिन यहां पर कोई नहीं पहुंचा। दरवाजे के अन्दर से देखने पर पैकिंग मैटीरियल पाया गया जिसमे खुर्द-बुर्द का सन्देह होने पर गोदाम का ताला नायब तहसीलदार व थानाधिकारी साकेत नगर की मौजूदगी में ताला तोड़ा गया। गोदाम के अन्दर अमूल, कृष्णा, सरस, स्वास्तिक, मूंगफली तेल, सुपर पोस्टमेन का पैकिंग मैटीरियल पाया गया जिसको मौके पर ही सभी की मौजूदगी में सील किया गया। जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह, जितेन्द्र सिंह सीआई पुलिस थाना, नायब तहसीलदार राजेन्द्र सिंह राणा, भुपेन्द्र सिंह, लोकेश कुमार, अजय सिंह, शिवराम साकेत नगर मय पुलिस जाब्ता द्वारा कार्रवाई की गई।

युवक पानी की टंकी पर चढ़ा, आत्महत्या की धमकी दी

पत्नी को वापस लाने की मांग को लेकर टंकी पर चढ़ा था युवक

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के रैणी कस्बे में एक युवक द्वारा जलदाय विभाग की पानी की टंकी पर चढ़कर आत्महत्या की धमकी देने से हड़कंप मच गया। युवक की पहचान बंबू मीणा के रूप में हुई है, जो पत्नी को वापस लाने की मांग को लेकर टंकी पर चढ़ा था। करीब एक घंटे तक चला यह ड्रामा कस्बे में चर्चा का विषय बन गया।

बंबू मीणा का आरोप है कि उसकी पत्नी को एक रिश्तेदार जबरदस्ती अपने साथ ले गया है और वह उसे वापस लाना चाहता है। युवक ने दावा किया कि उसने इस मामले में कई बार पुलिस से गुहार लगाई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज होकर वह जलदाय विभाग की टंकी पर चढ़ गया और पत्नी को वापस लाने तक नीचे न उतरने की चेतावनी दी। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। मौके पर रैणी स्छरू हरकेश मीणा, तहसीलदार कैलाश मेहरा, थानाधिकारी रामजीलाल मीणा सहित पुलिस जाब्ता और पीएचईडी के सहायक अभियंता पहुंचे। अधिकारियों ने काफी देर तक युवक को समझाया और आश्वासन दिया कि मामले में उचित कार्रवाई की जाएगी। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद युवक टंकी से नीचे उतरा, जिसके बाद राहत की सांस ली गई। प्रशासन का कहना है कि युवक की शिकायत की जांच की जाएगी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

बस में डोडा-पोस्त की तस्करी, चालक सहित दो गिरफ्तार

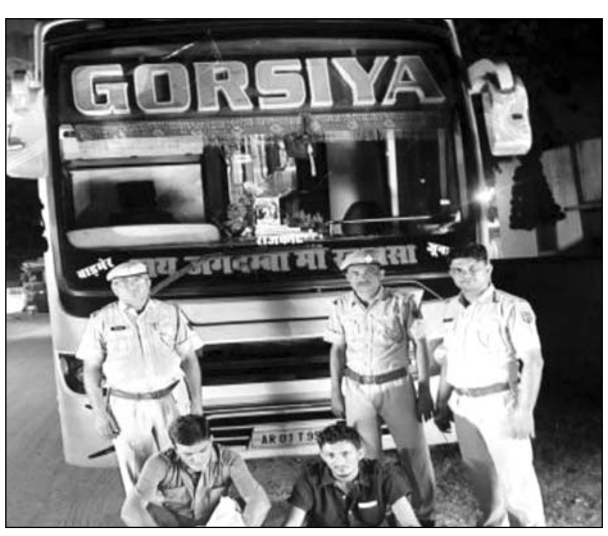

सांचौर पुलिस ने डोडा-पोस्त तस्करी के मामले में दो जनों को पकड़ा।

जालोर, (कासं)। जालोर जिले के सांचौर पुलिस ने सोमवार को गोरसिया बस में पार्सल की आड में अवैध मादक पदार्थ तस्करी करते हुए बस चालक व परिचालक को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 17.375 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त बरामद किया। अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त परिवहन में प्रयुक्त बस को भी जब्त किया है।

जालोर पुलिस अधीक्षक ज्ञानचन्द्र यादव के निर्देशानुसार जिले में मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई के लिए चलाये जा रहे अभियान के तहत संदिग्ध स्थानों एवं वाहनों की सघन तलाशी ली जाकर कार्रवाई करने के क्रम में जिला पुलिस द्वारा लगातार कार्रवाईयां की जा रही है। इसी क्रम में सांचौर थानाधिकारी देवेन्द्रसिंह के निकट निर्देशन में पुलिस टीम का गठन किया गया।

अमृतलाल उपनिरीक्षक पुलिस थाना सांचौर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने 18 मई को मुखबिर से प्राप्त सूचना अनुसार थाना के सामने नाकाबंदी कर गोरसिया बस को रूकवाया जाकर सघन तलाशी ली गई तो वाहन में 17.375 किलोग्राम डोडा-पोस्त भरा हुआ पाया गया।

डोडा-पोस्त बरामद कर बस को जब्त किया गया। बस चालक डालुराम पुत्र जोराराम जाट निवासी फगलु का तला पुलिस थाना धनाऊ जिला बाड़मेर व परिचालक भगाराम पुत्र हनुमानाराम जाट निवासी दुधु पुलिस थाना धोरीमन्ना जिला बाड़मेर को गिरफ्तार किया। आरोपियों से अनुसंधान शुरू किया गया है।

12 सड़कों के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग का मामला सामने आया

बोरावड़ नगरपालिका क्षेत्र में सड़कों के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग और नियमों की खुलेआम अवहेलना का मामला सामने आया।

- समाजसेवी ने उपखंड अधिकारी मकराना व कलेक्टर डीडवाना-कुचामन को शिकायत सौंपी
- समस्त निर्माण कार्यों की पीडब्ल्यूडी से थर्ड पार्टी जांच करवाने, निर्माण सामग्री की सैंपल जांच कराने की मांग की

बोरावड़, (निसं)। नगर पालिका बोरावड़ द्वारा स्वीकृत 12 सड़कों के निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग और नियमों की खुलेआम अवहेलना का मामला सामने आया है। इस संबंध में बोथरा बास निवासी समाजसेवी राजेन्द्र खर्रा ने उपखंड अधिकारी मकराना व जिला कलेक्टर डीडवाना-कुचामन को लिखित शिकायत सौंपी है। शिकायत में निर्माण कार्य में हो रहे भ्रष्टाचार की विस्तृत जानकारी देते हुए थर्ड पार्टी जांच एवं दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

राजेन्द्र खर्रा के अनुसार 12 मार्च 2025 को स्वीकृत इन सड़कों का निर्माण कार्य वर्तमान में बोरावड़ नगर में जारी है, जिसमें ठेकेदार द्वारा बजरी की जगह क्रशर वेस्टेज और कच्चे पत्थरों का उपयोग किया जा रहा है। इसके साथ ही सीमेंट का अनुपात जी सिड्यूल के मानकों के अनुसार न होकर मात्र एक बैग सीमेंट प्रति 200 तगारी कंक्रीट में उपयोग किया जा रहा है, जो निर्माण की गुणवत्ता को संदेहास्पद बनाता है। उन्होंने बताया कि रानाबाई टेंट हाउस से देवाराम मुरावतिया के मकान तक निर्माणाधीन सड़क में मानक रोलर का उपयोग नहीं किया गया, जिससे कॉलोनीवासियों ने विरोध करते हुए निर्माण कार्य रुकवा दिया। इसके बाद नगर पालिका के जेईएन ने मौके पर पहुंचकर औपचारिकता निभाने हेतु हल्के रोलर से कार्य किया, जो लीपापोती से अधिक कुछ नहीं है।

शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि कुछ स्थानों पर नई सड़कें पुराने लेवल से अधिक ऊंची बना दी गई हैं, जिससे वर्षा के समय घरों में पानी भरने का खतरा उत्पन्न हो गया है। इस स्थिति से आमजन में नाराजगी व्याप्त है। राजेन्द्र खर्रा ने मांग की है कि समस्त निर्माण कार्यों की पीडब्ल्यूडी से थर्ड पार्टी जांच करवाई जाए, निर्माण सामग्री की सैंपल जांच कराई जाए और दोषी अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही जब तक जांच पूरी न हो, संबंधित ठेकेदारों का भुगतान रोका जाए।

उन्होंने जिला कलेक्टर के साथ-साथ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को भी शिकायत की प्रतिलिपि प्रेषित की है। उपखंड अधिकारी ने इस मामले की जांच का जिम्मा नगर पालिका की सहायक अभियंता विनीता को सौंपा है।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने लोंगेवाला का दौरा किया

उपेंद्र द्विवेदी ने जैसलमेर से कच्छ क्षेत्र तक फैले रेगिस्तान में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और बीएसएफ की और से त्वरित और समन्वित परिचालन प्रतिक्रिया देखी

जैसलमेर, (निसं.)। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की अनुकरणीय भूमिका के लिए बधाई देने और भारतीय वायु सेना तथा सीमा सुरक्षा बल के साथ समन्वय में की गई संयुक्त कार्रवाइयों की समीक्षा करने के लिए रेगिस्तानी क्षेत्र में सोमवार कोणार्क कोर के अग्रिम क्षेत्रों में लोंगेवाला का दौरा किया।

पीआरओ डिफेंस राजस्थान लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जैसलमेर से कच्छ क्षेत्र तक फैले रेगिस्तान में भारतीय सेना, भारतीय वायु सेना और बीएसएफ की और से त्वरित और समन्वित परिचालन प्रतिक्रिया देखी। इन संयुक्त कार्रवाईयों ने न केवल दुश्मन के इरादों को कुंद किया, बल्कि पश्चिमी मोर्चे पर परिचालन प्रभुत्व बनाए रखने में एक नया समन्वय भी स्थापित किया। ऑपरेशन सिंदूर के हिस्से के रूप में, भारतीय सेना ने भारतीय वायुसेना और बीएसएफ के साथ घनिष्ठ समन्वय में निगरानी परिसंपत्तियों और वायु रक्षा प्रणालियों की तेजी से तैनाती की। नागरिक प्रशासन के समर्थन के साथ संरेखित हथियार प्रणालियों और अन्य परिचालन सक्षमताओं की कैलिब्रेटेड स्थिति ने प्रभावी क्षेत्र वर्चस्व और संभावित खतरों को बेअसर करना सुनिश्चित किया।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सैनिकों की अनुकरणीय भूमिका के लिए बधाई देने लोंगेवाला पहुंचे।

कोणार्क कोर के सैनिकों के साथ बातचीत के दौरान, सेना प्रमुख ने अंतर्राष्ट्रीय सीमा की रक्षा में उनकी वीरता, अटूट प्रतिबद्धता और दृढ़ निश्चय की सराहना करते हुए एक उत्साही शाबाश का आव्हान किया। उन्होंने सैनिकों की उनकी सतर्क कार्रवाईयों के लिए प्रशंसा की, जिसमें दुश्मन के ड्रोन घुसपैठ को सफलतापूर्वक बेअसर करना भी शामिल है, जिसने रेगिस्तानी क्षेत्र में दुश्मन द्वारा किसी भी दुस्साहस को प्रभावी ढंग से रोका।

जनरल द्विवेदी ने कमांडरों और इकाइयों की उनकी व्यावसायिकता, उच्च मनोबल और परिचालन योजनाओं के एकीकृत निष्पादन के लिए भी सराहना की। उन्होंने सेना की सम्मान की परंपरा और निर्णायक ताकत के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए इसकी अड़िग तत्परता पर प्रकाश डाला, राष्ट्रीय संप्रभुता की रक्षा करने और गतिशील सुरक्षा वातावरण के बीच उच्च परिचालन तैयारियों को सुनिश्चित करने के लिए भारतीय सेना की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। गर्मियों की चरम स्थितियों के बीच कठोर रेगिस्तानी इलाकों में सेवा करने वाले पुरुषों और महिलाओं के धैर्य की सराहना करते हुए, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने राष्ट्रीय उद्देश्यों की रक्षा में उनकी अथक सेवा के लिए प्रशंसा व्यक्त की।

हिरण शिकार का आरोपी गिरफ्तार

एक अन्य आरोपी की तलाश जारी

नोखा, (निसं)। नोखा वन विभाग ने 14 मई को रायसर में हुए हिरण शिकार मामले में एक आरोपी को सोमवार को गिरफ्तार किया। वहीं आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

पकड़े गए आरोपी की पहचान रामलाल पुत्र लूणाराम नायक के रूप में हुई है। क्षेत्रीय वन अधिकारी महावीर रूहिल के अनुसार, मुखबिर की सूचना पर टीम ने नोखा बस स्टैंड से आरोपी को हिरासत में लिया। उन्होंने बताया कि इस मामले में शामिल एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई जारी है।

गिरफ्तारी में वन विभाग की एक विशेष टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस टीम में रामनारायण वनपाल, जगदीशदान वनपाल, ताराचंद वनपाल, श्रवण तर्ड सहायक वनपाल, कैलाश बिश्नोई सहायक वनपाल, सुखाराम वन रक्षक, ओमप्रकाश वन रक्षक और सहीराम वनरक्षक शामिल थे। आरोपी को गिरफ्तारी के बाद न्यायालय में पेश किया गया है।

चाकूबाजी के मामले में दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में टोंक वृताधिकारी राजेश विद्यार्थी सुपरविजन में गठित विशेष टीम ने थाना सदर में दर्ज प्रकरण में फरार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

घटना गत 14 मई की है, इस दौरान गोविन्द पुत्र हीरालाल कीर व उसके दो अन्य साथी जब अपनी पिकअप से जयपुर से सब्जी बैचकर वापस आने के दौरान पक्का बंधा टोंक पर खाना खाने हेतु रूके तो उसी दौरान वहां पर मौजूद कैलाश, मनराज व राहुल गुर्जर व अन्य द्वारा परिवादी व उसके साथी दीपक, सुनिल, आकाश के साथ चाकू व लोहे के पाईपों से मारपीट कर आरोपियों ने 73 हजार रूपये व एक चांदी की चैन को छीन लिया।

घटना में घायलों को सआदत अस्पताल पहुंचाया गया। बाद में घटना के सम्बन्ध में परिवादी गोविन्द कीर द्वारा रिपोर्ट दर्ज करवाई गई तथा पुलिस की टीम ने अनुसंधान शुरू किया। घटना की गंभीरता को देखते हुए विशेष टीम ने संभावित स्थानों पर लगातार दबिश देकर रविवार 18 मई की रात्रि को आरोपी मनराज पुत्र देवकरण गुर्जर, राहुल पुत्र कजोडमल गुर्जर को बाद अनुसंधान के गिरफ्तार किया गया है।

DIRECTOR WORKS (EO)
Rajasthan University Of Veterinary & Animal Science, Bikaner (Raj.)
क्रमांक : F( )/DW(EO)/RAJUVAS/2025-26/148 - 158 दिनांक :- 17/05/2025
निविदा सूचना संख्या 02 वर्ष 2025-2026
राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यो के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदको से ई–टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बधित विवरण वेब साईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.rajuvas.org, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
राज.संवाद/सी/25/2519 निदेशक कार्य

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, खण्ड सवाई माधोपुर
राजकीय आयुर्वेद औषधालय के पास, सामान्य चिकित्सालय परिसर, सवाई माधोपुर
फोनः 07462-233169, email-eemhswm@gmail.com
क्रमांकः182 **अल्पकालीन ई-टेन्डिरिंग निविदा सूचना 02/2025-26** दिनांक-09/05/25
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर सें चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य के स.माधोपुर व बूंदी में विभिन्न स्थानों पर रू. 520.00 लाख के 10 निर्माण कार्य/विद्युत कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में विद्युत कार्य/निर्माण कार्य हेतु सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणीके संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायेंआमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.Org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।
UBN No.-MHS2526WSOB00915, MHS2526WSOB00916, MHS2526WSOB00917 MHS2526WSOB00918, MHS2526WSOB00919, MHS2526WSOB00921, MHS2526WSOB00922 MHS2526WSOB00923, MHS2526WSOB00925, MHS2526WSOB00926
DIPR/C/6319/2025 अधिशाषी अभियन्ता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य खण्ड सवाई माधोपुर

राजस्थान सरकार
निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर
क्रमांक निदे / अ.ख.अ. नीलामी / निलामी ((ERCC/RCC 11)/2025/ई-11088
ई-नीलामी विज्ञप्ति संख्या-(ERCC/RCC 11)/2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के नियम-36 व 37 के तहत विभाग द्वारा इस विज्ञिप्त से अप्रधान खनिजों के प्रभावशील खनन पट्टों / क्वारी लाईसेसों व परमिट क्षेत्रों से निर्गमित होने वाले खनिजों पर अधिशुल्क /अधिक अधिशुल्क, परमिट शुल्क, प्रिमीयम शुल्क, डी.एम.एफ.टी., आर.एस.एम.ई.टी. एवं अन्य शुल्क संठाहण के कुल 26 ठेके खुली ई-नीलामी के माध्यम से दिये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर इच्छुक बोलीदाताओं से बोली आमंत्रित की जाती है। ठेकों से संबंधित विस्तृत विवरण जैसे-ठेका क्षेत्र, खनिज, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण व ई-ऑक्शन की प्रक्रिया एवं मुख्य शर्तें विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।
DIPR/C/6167/2025 (दीपक तंवर) निदेशक

172 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद, तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले की रायला थाना पुलिस ने लोडिंग टेम्पो में डोडा-चूरा की तस्करी करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार कर 172.310 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया है। जैसे-जैसे तस्कर तस्करी करने के नए-नए हथकंडे जुगाड़ अपना रहे हैं, वैसे-वैसे पुलिस भी इन तस्करों के खिलाफ कार्रवाई को अंजाम दे रही है। पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान एक कोरियर लोडिंग टेंपो से 172.310 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा बरामद कर एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

रायला थाना पुलिस ने डोडा-चूरा बरामद एक जने को गिरफ्तार किया।

रायला थाना प्रभारी बछराज चौधरी टीम के साथ थाने के बाहर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच कर रहे थे। नाकाबंदी के दौरान कोरियर लोडिंग टेम्पो शेखावाटी कोरियर कार्गो नाम का टेम्पो आता हुआ दिखाई दिया जिसकी तलाशी ली तो चालक द्वारा सन्तोषपद जवाब नहीं दिया गया जिसके चलते तलाशी लेने पर पैकिंग कार्टून में अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा भरा हुआ था, जिसकी कीमत बाजार में लाखों रुपये आंकी जा रही है। आरोपी तस्कर 24 वर्षीय कोतवाली थाना चित्तौड़ निवासी अमन खान पिता अनवर मिराशी को गिरफ्तार किया है।

प्रो. अनुकृति शर्मा ने तुर्की सम्मेलन में भागीदारी से किनारा किया

■ अनुकृति शर्मा अब तुर्की नहीं जाएंगी, यूनिवर्सिटी ऑफ कोटा ने सभी समझौते रद्द किए

कोटा, (निसं)। तुर्की व अज़रबैजान से व्यापार व पर्यटन का बहिष्कार के बाद शिक्षाविद् अनुसंधान का भी बहिष्कार कोटा से सामने आया है। 'देश पहले, सब कुछ बाद में' इस भावना को चरितार्थ करते हुए कोटा विश्वविद्यालय की प्रतिष्ठित शिक्षाविद् डॉ.अनुकृति शर्मा ने तुर्की में होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन से अपना नाम वापस ले लिया है। रजिस्ट्रार भावना शर्मा ने बताया कि तुर्की के दो प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों एमओयू निरस्त कर दिये गए हैं।

पहलगाम में हुए जघन्य आतंकी हमले और तुर्की द्वारा भारत-विरोधी रुख अपनाने के मद्देनजर कोटा विश्वविद्यालय ने त्वरित कार्रवाई की है। वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. शर्मा जो विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय मामलों की निदेशक भी हैं, ने 22-25 मई को दिदिम, तर्की में होने वाले द्वितीय अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एवं सांस्कृतिक अध्ययन कांफ्रेस में भागीदारी से हाथ खींच लिया है। अपने आवेदन में उन्होंने स्पष्ट उल्लेख किया, "वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए और अपने राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व की भावना से प्रेरित होकर मैं इस यात्रा से अपनी वापसी की सूचना देती हूँ।" उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है और अकादमिक जगत भी इससे अछूता नहीं है। यह कदम भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता के हित में उठाया गया है।

रजिस्ट्रार भावना शर्मा ने बताया कि इस कदम के साथ ही, विश्वविद्यालय ने तुर्की के दो प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ स्थापित समझौता ज्ञापनों को भी निलंबित कर दिया है। इनमें सिनोप विश्वविद्यालय के साथ जनवरी 2021 में हस्ताक्षरित मेवलाना विनिमय कार्यक्रम प्रोटोकॉल और अफयोन कोकातेपे विश्वविद्यालय के साथ मई 2024 में किया गया सहयोग समझौता शामिल है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ के अध्यक्ष से 15 मई को प्राप्त पत्र में तुर्की सहित कई देशों द्वारा भारत-विरोधी गतिविधियों का मुद्दा उठाया गया था, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। अनुकृति शर्मा के नाम से जारी टर्किश एयरलाइंस की ई-टिकट बुक थी, उनके 21 मई को इज़मिर से इस्तांबुल और 25 मई को इज़मिर से इस्तांबुल होते हुए दिल्ली के लिए विमान टिकट पहले ही बुक करा लिए गए थे।

बिजली के पोल से गिरने से युवक की मौत

टोंक, (निसं)। पीपलू थाना क्षेत्र में मोहनाबाद ढाणी के पास एक युवक की बिजली के पोल से गिरने से मौत हो गई। शनिवार की रात्रि को सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, जहां मृतक युवक को उसके साथीयों ने पीपलू अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां उसकी मौत हो गई।

पीपलू थाना अधिकारी उदयवीर सिंह ने बताया कि मृतक युवक के साथ छह-सात युवक और भी थे, वे भी यहां आकर पोल पर चढ़ने का कारण नहीं बता रहे हैं, ये युवक चोरी करने की नीयत से आए थे या फिर अन्य कारण से घटना स्थल आए थे, यह जांच के बाद पता लगेगा। पुलिस ने एमआईयू यूनिट को बुलाकर मौका मुआयना करवाया तथा इस मामले मृतक के परिजनों को सूचना दी गई। परिजनों ने बताया मृतक दिनेश मीणा बिना बताए अपने साथियों के साथ घर से शनिवार को निकला था, वह यहां क्यों आया, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है। दिनेश अविवाहित था, वह प्राइवेट काम करता था। उसके एक भाई की पहले दुर्घटना में मौत हो चुकी है। घटना में मृतक समेत छह अन्य युवक पिकअप और एक बाइक से बीती रात घटना स्थल आए थे, यह युवक पोल से गिरा तो दो दोस्त दिनेश मीणा को बाइक पर लेकर अस्पताल पहुंचे और कहा कि यह एक्सीडेंट में घायल हो गया, उसे भर्ती कर लिया, कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई।

बेटे ने मां पर हमला किया

■ महिला को जयपुर रैफर किया

कोटपूतली, (निसं)। समीपवर्ती सीकर जिले के पाटन थाना क्षेत्र के बागावाली में एक बेटे ने आपसी कहासुनी में अपनी ही मां के सिर पर धारदार हथियार से वार कर दिया, जिससे वह बुरी तरह लहूलुहान हो गई, जिसे यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल भर्ती कराया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में उसे जयपुर रैफर कर दिया। बीडीएम अस्पताल के ट्रोमा सैंटर के नर्सिंग अधिकारी श्रीराम सराधना ने बताया कि आपसी कहासुनी में कमला पत्नी गोपीराम बावरिया के सिर पर उसके ही पुत्र भगताराम ने धारदार हथियार से वार कर दिया।

राजस्थान सरकार
कार्यालय सहायक खनि अभियंता, खान एवं भूविज्ञान विभाग, टोंक
खनिज भवन सिविल लाईन टोंक
email : ame.tonk@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- सखअ/टोंक/निविदा/2025 दिनांक :-
नीलामी सूचना प्रकाशन 02/2025-26
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि जिला टोंक के विभिन्न स्थानों परनिम्नानुसार जब्तशुदा खनिज बजरी के अवैध स्टॉक की नीलामी हेतु सीलबंद लिफाफे में दरें आमंत्रित की जात है –

क्र. सं.	बजरी स्टॉक स्थल	खनिज	खनिज की अनुमानित मात्रा (टनों में)	बयाना/ अमानता राशि	न्यूनतम बोली राशि (रु.)
1.	जिला टोंक के ग्राम सोहेला में सिवायचक भूमि खसरा संख्या 2383/1 पर ग्राम विकास अधिकारी, सोहेला की सुपुर्दगी में चिन्हत ढेरियों के रूप में पड़ है।	बजरी	1400	70,000	7,00,000
2.	जिला टोंक के ग्राम डोडवाडी में खेल मैदान पर ग्राम विकास अधिकारी की सुपुर्दगी में चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	725	39,875	3,98,750
3.	जिला टोंक के ग्राम मंडावर में चरागाह भूमि के खसरा संख्या 36 में 375 टन तथा खसरा संख्या 37 में 500 टन चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	875	48,125	4,81,250
4.	जिला टोंक की तहसील देवली के ग्राम रामथला विभिन्न स्थानों पर चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	375	20,625	2,06,250
5.	जिला व तहसील टोंक की मोटूका चैक पोस्ट पर पड़ी शेष बजरी पड़ी है।	बजरी	400	22,000	2,20,000
6.	जिला टोंक की तहसील पीपलू की ग्राम पंचायत नानेरा में खसरा संख्या 525/3 सिवाय चक भूमि (बिसलपुर विस्थापित लोगों के हेतु आरक्षित) ग्राम पंचायत सरपंच की सुपुर्दगी में चिन्हित ढेरी के रूप में पड़ी बजरी	बजरी	150	8,250	82,500
7.	जिल टोंक की तहसील उनियारा के ग्राम खेडली बालाजी चौराहा टोंक सवाईमाधोपुर स्टेट हाइवे पर खातेदारी भूमि खसरा नं. 121 पर चिन्हित ढेरी के रूप में पड़ी है।	बजरी	60	3,300	33,000
8.	जिला व तहसील टोंक के ग्राम चिरोंज में चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	144	7,920	79,200
9.	जिला टोंक की तहसील टोडाराय सिंह के ग्राम सेतियावास में खरेडा सेतिवास मार्ग पर रास्ते दाहिनी ओर चिन्हित ढेरी के रूप में पड़ी है।	बजरी	85	4,675	46,750
10.	जिला व तहसील टोंक के पक्का बंधा क्षेत्र में चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	300	16,500	1,65,000
11.	जिला टोंक की तहसील उनियारा के ग्राम रूपवास ककोड रोड पर चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	540	29,700	2,97,000
12.	जिला टोंक कीत हसील पीपलू के ग्राम कैलाशपुरी में सरकारी स्कूल के पास दक्षिण दिशा की ओर चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	350	19,250	1,92,500
13.	जिला टोंक की तहसील पीपलू के ग्राम कुरेडी में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के खेल मैदान में चिन्हित ढेरियों के रूप में पड़ी है।	बजरी	850	46,750	4,75,500
14.	जिला टोंक की तहसील उनियारा के ग्राम खेडा हाथीभाटा के राजकीय प्राथमिक विद्यालय के खेल मैदान खसरा नं. 522/149 पर चिन्हित ढेरी के रूप में	बजरी	60	3,300	33,000
15.	जिला व तहसील टोंक के ग्राम अरनियाकेदार के ग्राम सेवा सहकारी समिति में पड़ी चिन्हित ढेरियों के रूप में	बजरी	1019	56,045	5,60,450
16.	जिला टोंक के पुलिस थाना दूनी में कार्यालय सहायक खनि अभियंता, टोंक द्वारा जब्त बजरी चिन्हित ढेरी के रुप में पड़ी है।	बजरी	100	5,500	55,000
17.	जिला टोंक के पुलिस चौकी, पीप्याडा में कार्यालय सहायक खनि अभियंता, टोंक द्वारा जब्त बजरी चिन्हित ढेरी के रूप में पड़ी है।	बजरी	70	3,850	38,500

उक्त नीलामी में भाग लेने हेतु नीलामी प्रपत्र राशि रु. 1,000/- का डी.डी./बैंकर्स चैक सहायक खनि अभियंता, टोंक के नाम से जमा कराकर किसी भी कार्यदिवस में दिनांक 26 मई, 2025 सायं 05.00 बजे तक कार्यालय सहायक खनि अभियंता, टोंक से प्राप्त किये जा सकते है। उक्त जब्तशुदा खनिज बजरी हेतु सीलबंद लिफाफे में दरें बिड फॉर्म के साथ दिनांक 27 मई, 2025 दोपहर 01.00 बजे तक जमा की जायेगी। प्राप्त सीलबंद लिफाफे कमेटी द्वारा 27 मई, 2025 को सायं 03.00 बजे उपस्थित नीलामी दरदाताओं के समक्ष खोली जायेगी, नीलामी की शर्ते एवं विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय समय में मोटिस बोर्ड पर कभी भी देखी जा सकती है एवं नीलामी की जानकारी विभागीय वेबसाईट पर भी उपलब्ध रहेगी।
DIPR/C/6144/2025 सहायक खनि अभियंता, टोंक

अचानक चली तेज हवाओं के कारण फतहसागर झील में नाव पलटने से बची, 35 यात्री सुरक्षित

अचानक मौसम पलटने और तेज हवाओं के कारण नाव का संतुलन बिगड़ गया था, हादसा टला

■ पर्यटकों को नेहरू गार्डन लेकर जा रही थी नाव, गार्डन के समीप पहुंचने से पहले हवाओं के साथ हिचकोले खाने लगी

■ नाव को रस्सी के सहारे नेहरू गार्डन छोर पर ले जाया गया, जहां दूसरी नावों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर की फतहसागर झील में सोमवार शाम मोतीमगरी छोर से नेहरू गार्डन लेकर जा रही एक नाव अचानक चली तेज हवाओं के कारण हिचकोले खाने लगी और पलटते-पलटते बच गई। नाव में 35 पर्यटक सवार थे। नाव को रस्सी के सहारे नेहरू गार्डन छोर पर ले जाया गया, जहां दूसरी नावों की मदद से सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। नाव अगर झील के बीच में होती तो हवाओं के तेज थपेड़ों से वह पलट सकती थी। गनीमत रही कि नाव नेहरू गार्डन के समीप पहुंच गई थी और पर्यटकों की सूझबूझ से उसे गार्डन की दीवार से सटाकर धीरे-धीरे नेहरू गार्डन की जेटी तक ले जाया गया। दीवार से हवा का प्रेशर कम हो गया और बड़ा हादसा होने से टल गया।

जानकारी के अनुसार शहर की फतहसागर झील के उज्जैन ड्रीम कंपनी द्वारा संचालित उदयपुर बोट क्लब की नाव पर्यटकों को नेहरू गार्डन ले जा रही थी। इस दौरान शहर में अचानक मौसम पलट गया और पलटे मौसम के साथ चली हवाओं के साथ नाव हिचकोले खाने लगी और असंतुलित होने लगी। नाव का संतुलन बिगड़ते देख उसमें सवार पर्यटक घबरा गए। पर्यटकों के बीच मौजूद एक युवक पिंटु चौधरी ने सभी से नाव का संतुलन बनाए रखने के लिए कहा और नाव चालक से रस्सी लेकर नेहरू गार्डन पहुंचा और धीरे-धीरे नाव को रस्सी के सहारे नेहरू गार्डन ले जाया गया। घटना की जानकारी पर जिला कलेक्टर नमित मेहता ने भी पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया तथा वहां मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिए।

उदयपुर की फतहसागर झील पर चली हवाओं के कारण बोट संचालन स्थल पर बंधे टेंट उड़कर फट गए।

यूडीए आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि नाव हवा चलने से पहले ही जेटी से रवाना हो चुकी थी, जैसे ही तेज हवा शुरू हुई शेष नावों का संचालन रोक दिया गया था। अंधड़ से जेटी को थोड़ा नुकसान पहुंचा है, इसलिए फिलहाल नाव संचालन रोक दिया गया है। हादसे के कारणों की जांच की जाएगी।

इस बीच सूचना पाकर यूडीए, एनडीआरएफ की टीम आदि भी मौके पर पहुंचे। नाव में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से रेस्क्यू कर लिया गया। सूचना पर शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा सहित कई नेता भी मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली।

संक्षिप्त

गुंसी व चनानी बिजाष्णी माताजी का मेला आज

निवाई/गुंसी। ग्राम पंचायत गुंसी में स्थिति बिजाष्णी माताजी का मेला मंगलवार को आयोजित होगा। जिसकी संपूर्ण तैयारियां की गई है। पुजारी मनोज प्रजापत ने बताया कि 20 मई को माताजी मंदिर पर आयोजित भव्य मेले में की व्यवस्थाओं को लेकर मेला समिति का गठन किया गया और समिति सदस्यों को जिम्मेदारियां सौंपी गई। इसी प्रकार मंगलवार को गांव चनानी में बीजाष्ण माताजी के विशाल मेले के आयोजन को लेकर सोमवार को जागरण व भव्य भजन संध्या का आयोजन हुआ। इकाई अध्यक्ष जीवतराम यादव व सरपंच रमेशचन्द यादव ने बताया कि मंगलवार को विशाल मेले का आयोजन होगा जिसमें दूर दराज के गांवों से आए यात्री माताजी के दर्शन कर मनोकामना करेंगे।

श्री पहाड़ी वाले पीर बाबा का मेला व भंडारा आयोजित

कोटपूतली। कस्बे के निकटवर्ती ग्राम भालोजी में श्री पहाड़ी वाले पीर बाबा का मेला व भंडारा बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर लोक कलाकारों द्वारा कार्यक्रम की प्रस्तुती दी गई। संचालन एड. सीताराम गुर्जर ने किया। इस दौरान कृष्ण सरपंच, डॉ. महेंद्र चंदेला, गोकुल मैनेजर, महेंद्र छेपट, भवानी यादव, सिंगाराम आर्य, मेहरसिंह सरपंच, सत्यवीर सरपंच, सुल्तान, कृष्ण जाट समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

पेयजल सप्लाई नहीं होने से आमजन परेशान

दूदू। ग्राम पंचायत गैजी क्षेत्र की जनता को सरकारी योजना घर-घर नल पहुंचने की के तहत सरकारी कोष से दूदू बीसलपुर पेयजल सप्लाई के तहत करोड़ों रुपया खर्च किए जाने के बाद भी लंबे समय से पीने के पानी की एक बूंद भी ग्रामीण जनों को सप्लाई नहीं किए जाने के कारण पीने का पानी 300 से 400 प्रति टैंकर खरीद कर पीने को मजबूर होना पड़ रहा है तथा खर्च की गई राशि का ग्रामीणों को कोई लाभ नहीं मिल पा रहा है स्थानीय निवासी एवं अभिभाषक संघ दूदू के अध्यक्ष रामजीलाल शर्मा ने बताया कि केंद्र राज्य सरकार की ओर से घर-घर नल की योजना के तहत करोड रुपए खर्च किया जाकर पाइपलाइन डाली गई पर टंकी बनाई गई लेकिन ग्रामीण जनों को लंबा समय बीत जाने के बाद भी एक बूंद पानी की उपभोक्ताओं को नसीब नहीं हुई आम जन को भीषण गर्मी में पीने के पानी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है इतना ही नहीं गांव में लगे हैंडपंप भी खराब पड़े हैं सरपंच प्रतिनिधि मेवाराम गुर्जर एवं ग्रामीण जनों ने जलदाय विभाग के उच्च अधिकारियों एवं अतिरिक्त जिला कलेक्टर दूदू को भी अवगत कराया जा चुका लेकिन कोई समाधान नहीं हो पा रहा से आमजन परेशान है

भीषण गर्मी का प्रकोप

कोटपूतली। भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते हुये युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल द्वारा कस्बे के मुख्य मार्गो पर जल छीडकाव की व्यवस्था की गई है। पटेल ने बताया कि कस्बे के अग्रसेन सर्किल से लेकर मुख्य चौराहा, डाबला रोड़ पर चिंकारा कैंटिन तक, मुख्य चौराहे से पूतली कट तक दोनों ओर राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल एवं राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविधालय के सामने व मुख्य चौराहे से क्रय-विक्रय से होते हुये दिल्ली रोड़ स्टैण्ड पर बानसूर कट के दोनों ओर नियमित टैंकरों के द्वारा जल छीडकाव किया जा रहा है। ताकि इस भीषण गर्मी के मौसम में राहगीरों को कुछ राहत मिल सकें।

परीक्षायें 21 मई से होगी प्रारम्भ

कोटपूतली। महाविद्यालय के स्नातक के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के नियमित, पूर्व तथा स्वयंपाठी परीक्षार्थियों की परीक्षायें 21 मई से प्रारम्भ होगी। संबंधित विद्यार्थी महाविद्यालयर्धविभाग के सूचना पट्ट पर अपनी प्रायोगिक परीक्षा का बैच नम्बर, दिनांक एवं समय देखकर प्रायोगिक परीक्षा के समय उपस्थित होना सुनिश्चित करें त प्रायोगिक परीक्षा का प्रवेश पत्र एवं फोटोयुक्त पहचान पत्र के साथ यदि अन्य महाविद्यालय से प्रायोगिक प्रशिक्षण प्राप्त किया हो तो प्रायोगिक प्रशिक्षण प्रमाण पत्र आवश्यक रुप से साथ लेकर आवें।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने निकाली तिरंगा यात्रा

नारायणपुर। कस्बे में सोमवार को सेना के सम्मान और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा का नेतृत्व विधायक देवीसिंह शेखावत ने किया।

तिरंगा यात्रा की शुरुआत पुरुषोत्तम दास आश्रम से हुई, जहां महामंडलेश्वर जनार्दन दास महाराज

■ **तिरंगा यात्रा की शुरुआत पुरुषोत्तम दास आश्रम से हुई, जहां महामंडलेश्वर जनार्दन दास महाराज ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया**

ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। डीजे की गूंज और हाथों में लहराते तिरंगे के साथ कार्यकर्ताओं ने जब कस्बे के मुख्य बाजार से यात्रा निकाली तो देशभक्ति के नारों से वातावरण गूंज उठा। यात्रा के मार्ग में ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा कर यात्रियों का स्वागत किया, जिससे माहौल और भी भावुक एवं गर्वपूर्ण हो गया। तिरंगा यात्रा का समापन नगरपालिका मंडल पहुँचकर राष्ट्रगान के साथ किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रोत्साहन मिला और आमजन में सेना के प्रति सम्मान और गौरव की अनुभूति देखी गई। विधायक देवीसिंह शेखावत ने बताया कि यह तिरंगा यात्रा भारतीय सेना के अद्वितीय शौर्य और ऑपरेशन सिंदूर की ऐतिहासिक सफलता को समर्पित है।

उन्होंने कहा कि यह यात्रा देश के प्रति सम्मान और एकता के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का माध्यम है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संदीप सैनी, राजू प्रजापत, मुकेश सैनी, महेश ठेकेदार, सुरेन्द्र शर्मा, मनोहर नायक, महेन्द्र भादू, पप्पी चौधरी, नारायण गोयल, फूलचंद यादव, मातादीन यादव, मोतीलाल जांगिड, जलेसिंह, नत्थुराम, धुडाराम यादव, रामावतार सैनी, सुभाष गंगावत, बिल्लू पारीक, मुकेश गोठवाल, सौरभ शर्मा, किरोड़ी, महेश योगी, रिकू गुवारिया, देवेन्द्र सिंह शेखावत, नगेंद्र चैनपुरा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य तिरंगा यात्रा निकाली।

चाकसू के उपजिला अस्पताल में डायलिसिस सेवा शुरू

चाकसू। चाकसू के उप जिला अस्पताल में डायलिसिस सेवा सोमवार से शुरू हो गई है। इससे क्षेत्र के मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। अब उन्हें डायलिसिस के लिए जयपुर या निजी अस्पतालों में नहीं जाना पड़ेगा। उप जिला अस्पताल प्रभारी डॉ संजय ने बताया कि चिकित्सालय में 1 साल के करीब से डायलॊसिस मशीन स्थापित है। चिकित्सा विभाग के निदेशालय द्वारा मशीन को संचालित करने के लिए विशेषज्ञ टेक्नीशियन व स्टाफ नियुक्त नहीं किए जाने से लगभग सवा 21 लाख की मशीन का उपयोग नहीं हो पा रहा था। मशीन स्थापित होने के बाद से ही चिकित्सालय प्रशासन डायलॊसिस मशीन के संचालन के लिए चिकित्सा विभाग के निदेशक व संयुक्त निदेशक को तकनीकी स्टाफ नियुक्त करने के लिए लगातार स्मरण पत्र लिखता आ रहा था। क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा की अनुशंसा पर विभाग द्वारा स्टाफ की व्यवस्था कर सोमवार से मरीज के लिए डायलिसिस सेवा का ट्रायल किया गया है जो सफल रहा। क्षेत्रीय विधायक रामावतार बैरवा ने बताया कि डायलिसिस सेवा के चालू होने से विधानसभा क्षेत्र के सीकेडी मरीजों को अब जयपुर नहीं जाना पड़ेगा ,अब मरीज को सारी सुविधा उपजिला अस्पताल में ही मिलेगी।

प्रधानमंत्री मोदी करेंगे 103 रेलवे स्टेशन का लोकार्पण

गोविंदगढ़ /अलवर। 22 मई को ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण नगर गोविंदगढ़ को एक नई सौगात मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से गोविंदगढ़ रेलवे स्टेशन के पुनर्विकसित स्वरूप का लोकार्पण करेंगे। यह कार्य अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किया गया है, जिसकी कुल लागत आगरा मंडल के स्टेशन 16.8 करोड रुपए की लागत से किया गया है जिसका उद्देश्य देशभर के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक और यात्री-सुविधा युक्त बनाना है।

गोवर्धन रेलवे स्टेशन आगरा मंडल के अंतर्गत आता है और यह धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस स्टेशन के साथ-साथ आगरा मंडल के अन्य प्रमुख स्टेशनों जैसे गोवर्धन, गोविंदगढ़ ,महुआ मंडावर, फतेहाबाद, और ईदगाह स्टेशनों को भी अमृत भारत योजना में शामिल किया गया है। योजना का उद्देश्य छोटे और मध्यम दर्जे के रेलवे स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करना है, जिससे यात्री अनुभव बेहतर हो सके।

गोवर्धन स्टेशन का पुनर्विकास

■ **अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मिला नया स्वरूप**

स्थानीय श्रद्धालुओं और देशभर से आने वाले पर्यटकों के लिए राहतदायक साबित होगा। स्टेशन पर यात्रियों के लिए आधुनिक वेटिंग एरिया, स्वच्छ और सुलभ शौचालय, स्वचालित बोतल क्रशिंग मशीन, नई साइनेज व्यवस्था, और आधुनिक प्लेटफॉर्म जैसी सुविधाएं विकसित की गई हैं। साथ ही, स्टेशन पर एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया है, जो स्थानीय संस्कृति और स्थापत्य कला की झलक देता है।

इस पुनर्विकास से गोविंदगढ़ को एक आधुनिक और सुसज्जित स्टेशन मिलने जा रहा है, स्वच्छ एवं सुलभ शौचालय स्वचालित बोतल क्रॉसिंग मशीन नई सी इमेज व्यवस्था और आधुनिक प्लेटफार्म जैसी सुविधाएं विकसित की गई है स्टेशन पर एक भव्य प्रवेश द्वार का निर्माण किया गया है रिजर्वेशन विंडो भी खोली गई है डिस्प्ले भी लगाई गई है जो आने वाले वर्षों में क्षेत्रीय विकास का केंद्र बनेगा।

ग्रीष्मकालीन हॉबी क्लासेज 22 मई से होगी प्रारम्भ

कोटपूतली। कस्बे के नगर परिषद पार्क के सामने श्री अग्रसेन भवन में अग्रवाल समाज समिति एवं अग्रवाल महिला मंडल के संयुक्त तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन हॉबी क्लासेज आगामी 22 मई से प्रारम्भ की जायेगी। महिला मंडल अध्यक्ष लाजवंती देवी ने बताया की ग्रीष्मकालीन हॉबी क्लासेज का उद्देश्य अग्रवाल समाज के बच्चों और महिलाओं को गर्मियों की छुट्टियों में रचनात्मक एवं उपयोगी गतिविधियों से जोडना है। जिससे उनका समय सार्थक रूप से व्यतीत हो सके और नई-नई कलाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें। महिला मंडल का यह प्रयास समाज में प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रातरू कालीन कक्षाओं का समय इस प्रकार रहेगा योगा क्लासेज प्रातरू 05.30 से 06.30 बजे तक, ब्यूटीशियन क्लासेज 08.30 से 09.30 बजे तक, डांस क्लास (05 वर्ष से 12 वर्ष तक) 09.30 से 10.30 बजे तक, (12 वर्ष से अधिक) 10.30 से 11.30 बजे तक एवं सायंकालीन क्लास जूड़ो-कराटे सायं 04 से 05 बजे तक, कुकिंग क्लास 05 से 06 बजे तक व पैकिंग क्लास 06 से 07 बजे तक का रहेगा।

माली सैनी विचार संगम संस्थान का चिंतन शिविर 25 को

श्रीमाधोपुर। समाज में समय-समय-पर माली सैनी समाज एवं समाजबंधुओं के साथ हो रहे अन्यायों के विरुद्ध एकजुट रहने और निरंतर आत्मचिंतन के माध्यम से सामूहिक शक्ति का प्रदर्शन करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, अखिल भारतीय माली सैनी विचार संगम संस्थान द्वारा एक विशेष पहल की जा रही है।संस्थान की नियमित ऑनलाइन गूगल मीट बैठकों को अब फिजिकल मंच पर लाकर समाज के बीच सीधा संवाद स्थापित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया गया है।

इसी उद्देश्य से एकदिवसीय कार्य योजना एवं सामाजिक चिंतन शिविर का आयोजन 25 मई रविवार को प्रात: 11 बजे से सायं 5 बजे तक हिरा वेली रिसोर्ट, सोडाला, जयपुर में किया जा रहा है।कार्यक्रम के संयोजक रूड़मल सैनी ने बताया की कार्यक्रम के मुख्य थीम "सामाजिक एकजुटता एवं सामाजिक जागरूकता" रहेगी। यह शिविर माली सैनी समाज के सभी वर्गों समाजसेवियों, सामाजिक चिंतकों, अधिवक्ताओं, सरकारी कर्मचारियों अधिकारियों, व्यापारी वर्ग व बुद्धिजीवियों के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवेंद्र कछवाह, पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान उच्च न्यायालय एवं वर्तमान चेयरमैन, राजस्थान राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग रहेंगे एवं विशिष्ट अतिथिगण प्रेमसुख टाक, इंद्र राज सैनी, मनफुल सिंह सैनी, ओंकार मल सैनी रहेंगे। कार्यक्रम के सहसंयोजक विप्लव टाक किशोर सैनी एवं सुरेश सैनी ने बताया की राजस्थान ही नहीं, संपूर्ण देश के माली सैनी समाज के सभी जागरूक, विचारशील एवं सामाजिक रूप से सक्रिय समाजबंधु इस चिंतन शिविर में सादर आमंत्रित हैं।कार्यक्रम के सह सहयोजक डॉ अजय सैनी ने बताया की सैनी समाज द्वारा। आयोजित संगोष्ठी केवल एक सामाजिक मिलन नहीं, बल्कि एक समाजिक चेतना और विकास की दिशा में सामूहिक प्रयास होता है। इसमें भाग लेने से समाज के प्रत्येक सदस्य को कई स्तरों पर लाभप्राप्त होते हैं संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहनलाल सैनी ने सभी समाज बंधुओ से कार्यक्रम में सम्मलित होकर सफल बनाने का आग्रह किया।

माता सुंदरी देवी सर्व समाज समिति ने बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडे बांधे

पावटा। पावटा पंचायत समिति परिसर में माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा द्वारा चलाया जा रहा अभियान परिंडा लगाओ, परिंदा बचाओ के तहत श्री श्री 108 श्री हेमंत दास जी महाराज भांकरी के कर कमलों व पंडित द्वारकेश मिश्र के सानिध्य व पावटा बालाजी मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी की अध्यक्षता एवं पावटा पंचायत समिति नवनियुक्त प्रधान मीरा देवी सैनी के मुख्य आतिथ्य व पावटा बालाजी मंडल महामंत्री हितेंद्र लाटा,

■ **गौ वंश के लिए पानी की टंकी रखवाई**

शिक्षाविद गजानंद टीलावत एवं भीम सिंह जाट के नेतृत्व में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए गए एवं बेजुबान पक्षी पशुओं/ गौ के लिए पानी की टंकी रखी उनमें पानी की समुचित व्यवस्था की गई। एनजीओ अध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता मोहन लाल सैनी ने बताया कि परिंडा अभियान निरंतर एक माह से चलाया जा रहा है।

यह अभियान क्षेत्र के भामाशाहों एवं दानदाताओं के सहयोग से जारी है। परिंडे एवं टंकियो में पानी भरने की जिम्मेदारी रामनिवास यादव ने ली। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि टिंकू सैनी, समाजसेवी कैलाश चंद शर्मा, शिक्षाविद प्रमोद टेलर, महेश मिश्रा, पंचायत समिति कर्मचारी रतनलाल सैन, सुभाष गोयल, मोहन गढ़वाल एवं एनजीओ के सदस्यों सहित लोग मौजूद रहे।

बेजुबान पक्षियों के लिए पानी के परिंडे लगाए।

दो मकानों से ताले तोड़कर लाखों के जेवरात व नगदी चोरी

किशनगढ़ बास। शहर की अहमदबास व किले पास की कालोनी के दो मकानों से दिन-दहाड़े ताला तोड़कर अज्ञात चोर मकानों से एक लाख रुपए की नकदी व लाखों के जेवरात चोरी कर ले गए। मकान मालिक अपनी दुकान पर गया हुआ था और महिला पड़ोस के मंदिर गई थी एक घंटे बाद जब घर पहुंची तो ताले टूटे हुए थे और अंदर सामान फैला हुआ पड़ा था। सात दिन पहले भी चोरों ने रैणी मौहल्ले में एक सुनार के सूने मकान से लाखों की नगदी व जेवरात पार कर लें गए थे।

शहर के खैरथल रोड अहमदबास कॉलोनी निवासी रमेश कुमार तेजवानी ने बताया सोमवार सुबह वह अपनी किराने की दुकान पर चला गया था। दोपहर करीब 12 बजे उसकी पत्नी अनीता घर के ताला लगाकर पास में ही मंदिर गई थी करीब 1 घंटे बाद घर वापस लौटी तो देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ था कमरो के दरवाजे खुले थे अंदर कमरे रखी गोदरेज अलमारी खुली थी।

चोरों ने अलमारी में रखी 5 अंगूठी सोने की , एक सोने पेंडल लॉकेट, एक हनुमान जी का लॉकेट, सोने का तीन चूड़ियां, सोने की तीन जोड़ी पाजेब, चांदी की तीन चेन, चांदी की तीन जोड़ी चुटकी, एक चांदी का गिलास एवं करीब 60 - 70 चांदी के सिक्के एवं एक लाख नगदी व मंदिर में रखी गुल्लक को चोर ले गए।

वहीं कस्बे में किले के पास निवासी महेंद्र सिंह सरदार के घर का भी ताला तोड़कर चोर एक सोने की चेन एक टॉप्स एक अंगूठी व 20 हजार नगदी अलमारी मै से चोरी कर लें महेंद्र सिंह की पत्नी घर के ताला लगाकर दोपहर करीब 1 घंटे के लिए दूसरी कॉलोनी में अपने बहन से मिलने गई थी पीछे से चोरों ने घटना को अंजाम दिया।

1100 विप्र बंधुओं को अन्न के अनादर को रोकने की शपथ दिलवाई

मालपुरा। अन्न के अनादर को रोकने व उसके सम्मान का बनाये रखने को लेकर भारत विकास परिषद द्वारा चलाये गये भोजन संरक्षण एवं सम्मान अभियान के अन्तर्गत सोमवार को विप्र समाज के लोगो ने अभियान का समर्थन करते हुये झुठन नही छोडने की शपथ ली। परिषद कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम मे पहुंचे विप्रजनो ने परिषद को विश्वास दिलाया की अभियान के तहत 1100 विप्र बंधुओं को अन्न के अनादर को रोकने की शपथ दिलवा उनसे शपथ पत्र भी भरवाये जायेगें।

परिषद द्वारा चलाये गये अभियान वर्तमान समय मे बैहद जरूरी है। आज यदि हमने खाने की बर्बादी को नही रोका तो वो दिन दूर नही जब हमे अन्न की कमी का सामना करना पडेगा। पूर्व पालिका अध्यक्ष व परिषद के वरिष्ठ संरक्षक एडवोकेट राजकुमार जैन ने कहा कि वर्तमान समय मे लोग झुठी शान दिखाने के चक्कर मे अन्न का अनादर कर रहै है।

उन लोगो से पूछो अन्न की कीमत जो लोग दो वक्त की रोटी के लिये क्या-क्या जतन कर रहै है। जैन ने कार्यक्रम के माध्यम से आमजन को संदेश देते हुये कहा कि उतना ही लो थाली मे झुठा ना जाये नाली मे यदि इस संदेश को समय रहे मनुष्य गंभीरता से ले लेगा ताो अन्न का सम्मान भी होगा तो फिजुल की बर्बादी भी रूकेगी। इस दौरान विप्र समाज के पुरूषोतम शर्मा, रामअवतार शर्मा, दशरथ मुंशी, लक्ष्मीकांत, नरेन्द्र, कन्हैयालाल, रामप्रसाद, ओमप्रकाश सहित बडी

अन्न के अनादर को रोकने व सम्मान को लेकर विप्र जनो ने ली शपथ।

■ **परिषद कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम मे पहुंचे विप्रजनो ने परिषद को विश्वास दिलाया**

संख्या मे मौजूद विप्रजनो को परिषद के जिला समन्वयक राजकुमार जैन,अध्यक्ष ज्ञानचन्द जैन,सचिव रामजीलाल बैरवा, सुनिल परतानी, सुभाष सोनी, नन्दकिशोर लक्षकार, विरेन्द्र शर्मा, रामचरण विजय, गणेश शर्मा, दिनेश विजय, रामअवतार पारीक, अशोक साहू आदि ने दुपट्टा पहना स्वागत किया। प्रवक्ता दिनेश विजय ने बताया कि परिषद द्वारा सभी सामाजिक संगठनो से जुडकर अन्न के सम्मान के अभियान को जन-जन तक पहुंचाया जायेगा।

आरोपी गिरफ्तार

दूदू। निकटवर्ती मोखमपुरा थाने की पुलिस ने विद्युत विभाग की केबल चोरी करने के दर्ज प्रकरण में आरोपी को गिरफ्तार कर केबल एवं चोरी करने में काम ली गई अल्टो कार कब बरामद कर लिया पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण आनंद शर्मा ने बताया कि 27 जनवरी 2025 को पंचशील कॉलोनी ग्राम महला में स्थित स्कीम जेमैक्स गार्डन में विद्युत के खम्भों से ए बी केवल काटकर चोरी करने का मुकदमा दर्ज किया गया था के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल बैरवा उप पुलिस अधीक्षक दीपक खंडेलवाल एवं थाना निरीक्षक संजय मीणा के नेतृत्व में टीमों का गठन कर विभिन्न स्थानों पर आरोपीयों की तलाश शुरू की गई एक स्थान पर दबिश दी जाकर अभियुक्त कमलेश उर्फ कमल जाट निवासी बुगालिया कालवाड़ को डिटेन कर पूछताछ शुरू की गई अभियुक्त ने वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया आरोपी को गिरफ्तार कर निशान देही चोरी की गई केबिल बरामद करने के साथ काम में ली गई कार बरामद कर ली

सार-समाचार

ज्ञापन सोंपा

बौंली- बामनवास। अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण महासंस्थान व परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष हेमराज दीक्षित के नेतृत्व में ब्राह्मणों के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी ने सोमवार को उपखंड मुख्यालय बौंली में पहुंचकर एसडीएम चंद्र प्रकाश वर्मा को हत्या के आरोपी को गिरफ्तार करने व मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने की मांग को लेकर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम एक ज्ञापन सोंपा। ज्ञापन में अंकित किया गया है कि कोटा जिले के कनवास सांगोद में व्यापारी संदीप शर्मा की एक आदतन अपराधी अतीक नामक व्यक्ति ने चाकू लगाकर हत्या कर दी, इससे पूर्व भी इस अपराधी द्वारा व्यापारी पर जानलेवा हमला किया गया था, इस मामले को लेकर मृतक के परिजनों को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता एवं अपराधी को तुरंत गिरफ्तार कर आजीवन कारावास की सजा दिए जाने की मांग की गई है। इससे पूर्व ब्राह्मणों के विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी ने मृतक संदीप शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञापन देते समय ब्रह्म समाज के अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, परशुराम नवयुवक मंडल के अध्यक्ष विनोद शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण संस्थान के जिला महामंत्री लोकेश शर्मा, मंत्री सागर पंचोली, लोकेश डिडवाड़ी, उपाध्यक्ष महेश शास्त्री लाखनपुर, उपाध्यक्ष सोमेश शर्मा आदि सहित अनेको ब्रह्म समाज के लोग उपस्थित थे।

दादूदयाल महाराज का निर्वाण महोत्सव आज

जयपुर। श्री दादूपालका जी भैराणा धाम में 20 मई को श्री दादूदयालजी महाराज का निर्वाण महोत्सव महंत गोवर्धन दासजी महाराज के सानिध्य में मनाया जायेगा। कार्यक्रम में सुबह सात बजे से आठ बजे तक दादूवाणी जी की कथा व दादूवाणी के पठन होंगे। इसके बाद शोभायात्रा निकलेगी। वही महाआरती के दर्शन होंगे। मध्याहन को भोग प्रसादी का कार्यक्रम होगा।

मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना शुरू

निवाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में शहरी क्षेत्र के जरूरतमंद व असहाय परिवारों के लिए मुख्यमंत्री स्वनिधि योजना शुरू करने की घोषणा की है। इसका मुख्य उद्देश्य असंगठित क्षेत्र में सेवाएं देने वाले लोगों को आर्थिक मदद देना है। अधिशाषी अधिकारी मनोहरलाल जाट ने बताया कि योजना के तहत नगर पालिका की सीमा में रहने वाले गिर्ग वर्कर, ट्रांसपोर्ट वर्कर, घरेलू कामगार, भवन निर्माण श्रमिक, हॉकर, कचरा बीनने वाला, कचरा पृथक करने वाले, दस्तकार जैसे लोग, जिन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ नही मिला है, उन्हें इस योजना मे शामिल किया जाएगा। ऐसे पात्र व्यक्तियों को कुल 80 हजार रूपये तक का ऋण मिलेगा। 18 से 60 वर्ष की उम्र वाले लोग इस योजना के लिए पात्र होंगे। उन्हें बैंक के माध्यम से 10 हजार, 20 हजार और 50 हजार रूपये का ऋण 12 माह, 18 माह और 36 माह की अवधि के लिए मिलेगा। इस पर ब्याज में 7 प्रतिशत छूट दी जाएगी। उन्होंने बताया कि पालिका ने पात्र लाभार्थियों की पहचान कर चिन्हित किया जा रहा है। आवेदन पत्र के साथ जनआधार, आधार कार्ड, बैंक पास बुक, पेन कार्ड व व्यवसाय शपथ-पत्र लगाना जरूरी होगा।

ऋग्वेद पारायण महायज्ञ कल से

निवाई। गांव मूण्डिया में सत्यासत्य निर्णय योग साधना वेदाश्रम मूण्डिया के तत्वावधान में 21 से 25 मई तक पांच दिवसीय विशाल ऋग्वेद पारायण महायज्ञ व प्रवचन का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम संयोजक आईएएस केसरलाल मीणा ने बताया कि बुधवार को ऋग्वेद पारायण महायज्ञ का शुभारम्भ विधायक रामसहाय वर्मा, आचार्य हरिश्चंद्र शास्त्री गुरूकुल भुसावर, आर्य प्रतिनिधि सभा राजस्थान के मंत्री जीवर्धन शास्त्री, स्वामी आत्म ज्ञानानन्द, किशनलाल गहलोत, जयसिंह गहलोत, भजनोपदेशिका प्रियंका आर्या व सुमन शास्त्री भुसावर, वेद पाठी ब्रह्मचारणी नूतन आर्या व अनामिका आर्या द्वारा विधिवत ध्वजारोहण करके किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 21 मई से प्रतिदिन सुबह 7:30 से 10 बजे तक ऋग्वेद पारायण यज्ञ, 10 से 12:30 बजे तक आध्यात्मिक प्रवचन, दोपहर 2 से 4 बजे तक भजन, शाम को 4 से 5:30 बजे तक ऋग्वेद पारायण यज्ञ व रात्रि 8:30 से 10:30 बजे तक भजन एवं शंका समाधान सहित कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा।

विधायक गुर्जर का जताया आभार

निवाई। सरकार द्वारा पशुधन सहायक का नाम बदलकर पशुधन निरीक्षक करने से पशुधन निरीक्षकों में खुशी की लहर दौड गई। पशु चिकित्सा तकनीकी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रजिराम गुर्जर के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने विधायक राजेंद्र गुर्जर से मुलाकात कर सरकार द्वारा किए गए पदनाम परिवर्तन पर आभार जताया। संघ के जिलाध्यक्ष रजिराम गुर्जर ने बताया कि सरकार ने पशुधन सहायक का नाम बदलकर पशुधन निरीक्षक कर दिया है। पशु चिकित्सा सहायक को अब पशुधन प्रसार अधिकारी कहा जाएगा। सहायक सूचना अधिकारी का नाम वरिष्ठ पशुधन प्रसार अधिकारी कर दिया है। इसके साथ ही एक नया पद मुख्य पशुधन प्रसार अधिकारी के रूप में सृजित किया गया है। जिससे कर्मचारियों में खुशी का माहौल है। संघ के सदस्यों ने विधायक राजेंद्र गुर्जर का माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष राजाराम खंगार, प्रदेश संगठन मंत्री अवधेश वैष्णव, जिला संगठन मंत्री ओमप्रकाश वर्मा, राहुल कलाल, कैलाश चौधरी, लोकेश मीणा, महेश शर्मा, सुशील यादव, हनुमान वैष्णव, सतीश जैन, भजन गुर्जर, हनुमान गुर्जर व देवराज गुर्जर सहित कई पशुधन निरीक्षक मौजूद थे।

ढाणियों में पेयजल संकट

निवाई। ग्राम पंचायत चैनपुरा की बैरवा ढाणी, रेलवे स्टेशन बाजीगर बस्ती, राजपूत कॉलोनी एवं हरिजन बस्ती में करीब एक वर्ष से बीसलपुर पेयजल योजना ठप पड़ी हुई है जिसको लेकर ढाणी वासियों ने चैनपुरा प्रशासक मदनलाल मीणा को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र बीसलपुर पेयजल आपूर्ति करवाने की मांग की है। वार्ड पंच रामप्रसाद बैरवा, रामदयाल बैरवा, विजेंद्र बैरवा, राजेंद्रसिंह राजावत, मुकेश कुमार हरिजन, रामकल्याण बैरवा, हजारीलाल बैरवा, गोपाल सिंह, विक्रम सिंह, मुकेश कुमार, राजेश कुमार, सुल्तान एवं लालचंद मीणा ने बताया कि चैनपुरा की बैरवा ढाणी, रेलवे स्टेशन बाजीगर बस्ती, राजपूत कॉलोनी एवं हरिजन बस्ती में बीसलपुर परियोजना के तहत नई पेयजल योजना के पाइप डालते समय ठेकेदार द्वारा पुरानी लाइन को क्षितग्रस्त कर दिया गया था। जिसको करीब एक वर्ष हो गया है लेकिन आज तक पेयजल योजना चालू नहीं की गई है।

वितरित किए प्रगति पत्र

निवाई। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अम्बेडकर कॉलोनी सहित समस्त राजकीय विद्यालयों में परीक्षा परिणाम घोषित कर प्रगति पत्र वितरित किए गए। पीईईओ व प्रधानाचार्य डॉ. योगेन्द्रसिंह नरूका ने बताया कि राहोली के समस्त राजकीय विद्यालयों में पीटीएम आयोजित कर, सत्र पर्यन्त हुई शैक्षिणक-सह शैक्षिणक गतिविधियों से अभिभावको को अवगत करवाया गया तथा परीक्षा परिणाम घोषित कर विद्यार्थियों को प्रगति पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम प्रभारी पूजा पाटीदार ने बताया कि परीक्षा परिणाम व प्रगति पत्र वितरण कार्यक्रम को रोचक बनाते हुए कॉलेज व यूनिवर्सिटीज की दीक्षांत समारोह की तर्ज पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यकारणी घोषित

टोंक। अखिल भारतीय विजयवर्गीय (वैश्य) महासभा टोंक प्रदेशाध्यक्ष शिवप्रकाश विजयवर्गीय फुलेता वाले ने अपनी कार्यकारणी घोषित की है। पूर्व युवा संयोजक टोंक प्रदेश राजेन्द्र विजयवर्गीय डारडा वाले ने जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओमप्रकाश विजयवर्गीय, उपाध्यक्ष चोथमल विजयवर्गीय, अशोक कुमार विजयवर्गीय, हेमराज व कोषाध्यक्ष निर्मल कुमार विजयवर्गीय, मंत्री नवल किशोर, रामचरण, जयंती, संयोजक मुकेश कुमार विजयवर्गीय को बनाया गया है।

दो आरोपी गिरफ्तार

टोंक। मेहंदवास थाना क्षेत्र के अरनिया केदार गांव में जमीन की 5 फर्जी रजिस्ट्री करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने रविवार देर शाम को 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। कोतवाली थाना प्रभारी भंवर लाल वैष्णव ने बताया कि मामले में नत्थू सिंधी निवासी टोंक और शोभाराम निवासी जयपुर को किया गिरफ्तार किया है। जिन्हे सोमवार को कोर्ट में पेश पर एक दिन के लिए पुलिस अभिरक्षा में रखा गया तथा पूछताछ के बाद मंगलवार को कोट में पेश किया जायेगा। उन्होने बताया कि अरनिया केदार गांव में कुछ लोगों ने गुमनाम लोगों की जमीन को फर्जी कैंडिडेट बना कर जमीन हड़प ली, यह मामला गत साल सामने आया तो राजस्व मंत्री ने इस पर कार्यवाही के निर्देश दिए, इसकी पालना में सब रजिस्ट्रार ने कोतवाली में गत साल मामला दर्ज कराया था।

कार्लोस अल्कराज रविवार को इटालियन ओपन के फाइनल में जैनिक सिनर को 7-6 (7/5), 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। उनका यह इस सीजन का तीसरा खिताब है।

पिछली बार भी अल्कराज ने ही चाइना ओपन के फाइनल में हराया था।

आज का खिलाड़ी

शिवम शुक्ला

पॉवेल की जगह मप्र के शिवम शुक्ला को 30 लाख रुपए में कोलकाता की टीम में शामिल किया गया है। जबकि बेंगलुरु ने एनगिडी की जगह जिम्बाब्वे के मुख्य तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को 75 लाख रुपए में अपने साथ जोड़ा है। मुजरबानी 26 मई के बाद के मैचों में खेलते नजर आएंगे। में लीग स्टेज के 60 मैच खत्म हो चुके हैं, 10 मुकाबले बचे हैं और 3 टीमों ने प्लेऑफ में जगह बना ली है। रविवार को पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस ने अपने-अपने मुकाबले जीते। दोनों 17-17 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंच चुकी हैं।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल इतिहास में, राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के बीच 28 बार भिड़ंत हुई है। राजस्थान रॉयल्स ने 16 जीत के साथ बढ़त हासिल की है, जबकि पंजाब किंग्स ने 12 मैचों में जीत हासिल की है।

एडहॉक कमेटी के सदस्य खेलमंत्री के इशारों पर काम कर रहे हैं, खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह मुझे बदनाम करने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं : जयदीप बिहाणी

जयपुर, 19 मई। एडहॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणीने खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह पर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस एडहॉक कमेटी ने आज मीटिंग कर मुझ पर आरोप लगाया, उन्हें देखते हुए ही सहजता का पता लगाया जा सकता है कि इन सबके पीछे कौन व्यक्ति है। मीटिंग में शामिल एडहॉक कमेटी के सदस्य हरीशचंद्र सिंह ने मुझे फोन करके बताया कि खेलमंत्री के पीए ने मीटिंग में जाने के लिए फोन किया था। मुझे समझ नहीं आ रहा है कि ये कौन कर रहा है। लेकिन जब मुझ पर सीधे आरोप हैं तो लड़ाई भी खुली ही होगी। हर फ़र्ज़वाड़े का जवाब देना चाहता हूँ। मुझ पर किसी का दबाव नहीं है, जो है वो अब सबके सामने रखूंगा।

बिहाणी ने खेलमंत्री राज्यवर्धन सिंह पर जातिवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि एडहॉक कमेटी में 6 सदस्यों में से 4 सदस्य एक ही जाति के क्यों हैं?

बिहाणी नेआरसीएएडहॉक कमेटी (तदर्थ समिति) के सदस्य धनंजय सिंह को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि धनंजय सिंह खुद जोधपुर क्रिकेट संघ का खुद को अध्यक्ष बता रहे हैं। नागौर क्रिकेट संघ ने इस्तीफा नहीं दिया और जोधपुर से चुनाव लड़ लिया। जो व्यक्ति खुद गलत तरीके से एक जिला क्रिकेट संघ का अध्यक्ष बना है, उस पर तो खुद चुनाव में धांधली करने का आरोप लगाया जा रहा है।

आरसीएएडहॉक कमेटी के सदस्य जयदीप बिहाणी ने आरोप लगाया कि बैठक में उपस्थित धर्मवीर सिंह और रतन सिंह पर तो जांच जारी हैं। धर्मवीर सिंह ने गलत तरीके से पाली में चुनाव लड़ा।

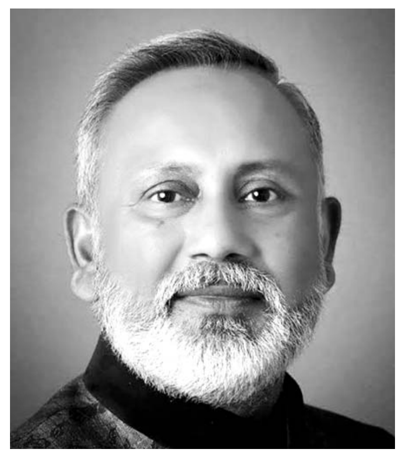

इसके अलावा उनके खिलाफ 5 लाख रुपए को लेकर लिखित याचिका आई है। जिसमें खिलाड़ियों के खाने के ठेकेदार से प्रति खिलाड़ी के 50 रुपए बढ़ाने को लेकर 5 लाख रूपये तय हुआ था, ओर धर्मवीर सिंह ने 28.4.2025 को फोन करके कहा कि मैं जिसको रुपए देने को कहूं उसे 5 लाख रुपए दे देना।

यही वजह है कि अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं। खुद फंस रहे हैं, इसलिए खुद को बचाने के लिए ये सब नौटंकी कर रहे हैं।

बिहाणी ने कहा कि नाममात्र के सहयोगियों को सिर्फ खुद का अधिकार है। इसके अलावा मीटिंग के लिए 7 दिन का नोटिस देना होता है। फिर आज की बैठक की कानूनी वैधता क्या है? उन्होंने कहा कि धर्मवीर सिंह का आरोप है किआरसीएएडहॉक कमेटी का काम सिर्फ चुनाव कराना है। अगर ऐसा है तो साल भर से जो क्रिकेट टूर्नामेंट कमेटी ने बैठक की, उनमें धर्मवीर सिंह ने सहमति क्यों दी?

आरसीए एडहॉक सदस्य होने के नाते मुझ पर आरोप लगाए जा रहे हैं, ये ही व्यक्ति पहले आरसीए के पूर्व अध्यक्ष वैभव के साथ फोटो खिंचवाते दिखाई दिए थे।

बिहाणी ने बताया किएडहॉक कमेटी के कन्वीनर होने के नातेएडहॉक कमेटी की बैठक 25 मई को के. एल.सैनी स्टेडियम में आयोजित की है। जयदीप बिहाणी ने कहा कि मैं एडहॉक कमेटी का कन्वीनर हूं लेकिन मैं नेता भी हूं और पार्टी का कार्यकर्ता भी हूं। मेरे और भी कई काम होते हैं। विधानसभा भी अटेंड करना होता है। अभी प्रधानमंत्री आ रहे हैं इसलिए मैंने 25 मई को मीटिंग का निर्णय लिया है।

आरसीए एडहॉक कमेटी के बिखराव की असली वजह कई जिला संघों को आय एवं व्यय के हिसाब का नोटिस जारी करना रहा

जयपुर , 19 मई। कुछ दिनों पहले डीसीए पाली के सचिव धर्मवीर सिंह को नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में वित्तीय अनियमितताओं और चुनाव प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए नोटिस दिया और जरूरी दस्तावेजों के साथ रिकॉर्ड मांगा गया था। इस पर धर्मवीर सिंह ने एक दिन पहले ही नोटिस का जवाब देते हुए बताया था- आरसीए कन्वीनर की ओर से डीसीए पाली से वर्ष 2005 से आय-व्यय का ब्योरा मांगा गया, जबकि पाली में डीसीए का रजिस्ट्रेशन ही वर्ष 2008 में हुआ। ऐसे में वर्ष 2005 से जो सूचना मांगी गई वह किस आधार पर दी जा सकती है? इसके साथ ही जिला क्रिकेट संघ पाली, जोधपुर और बीकानेर ने लिखित में राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद से शिकायत भी की थी। इसमें बताया कि समिति के कन्वीनर जयदीप बिहाणी पिछले 2 महीने से नोटिस देने का ही काम कर रहे हैं। बिहाणी ने मौजूदा क्रिकेट संचालन कमेटी को भंग कर सभी सिलेक्टर्स को कार्य मुक्त कर दिया था। बिहाणी के इस फैसले को लेकर कोई मीटिंग भी नहीं हुई थी, जिसके बाद एडहॉक कमेटी के दूसरे सदस्यों ने इसका विरोध किया था।

5वीं राजस्थान पुरुष फुटबाल लीग

जयपुर एलीट फुटबाल क्लब ने जयपुर राइजिंग फुटबाल क्लब को 12/1 से रौंदा

जयपुर , 19 मई। जेरथी फुटबॉल क्लब सीकर ग्राउंड, रॉयल क्लब जयपुर, ओर जावर उदयपुर, में होम अवे मैच खेले गए । राजस्थान फुटबॉल संघ के सचिव श्री दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि आज के दिन 4 मैच खेले गए। आज तक लीग के 87 मैच खेले जा चुके हैं।

प्रथम मैच :- जयपुर एलीट फुटबाल क्लब और राइजिंग जयपुर फुटबाल क्लब के बीच खेला गया जयपुर एलीट फुटबाल क्लब ने मैच 12/1 से जीत हासिल की।जिसमें जयपुर एलीट फुटबॉल क्लब की ओर से छ गोल महीपत, दो गोल अनुराग ओर दो अमन त्यागी, एक एक गोल जीवेश ओर लक्ष्य ने किए ओर जयपुर राइजिंग फुटबॉल क्लब की ओर से एक गोल आदित्य, ने किया ।

दूसरा मैच :- जेरथी फुटबाल क्लब और सिटी वाल्स फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच जेरथी फुटबाल क्लब ने 3/0 से जीत हासिल की।

तीसरा मैच :- ए एस एल फुटबाल क्लब और रीयल फुटबाल क्लब के बीच खेला गया मैच ए एस एल फुटबाल क्लब ने 1/0 से जीत हासिल की एक गोल विजय, ने 35 मिनट पर किया।

मैच :- जिंक फुटबाल अकादमी और सनराइज फुटबाल क्लब के बीच खेला गया। जिसमें जिंक अकादमी 4/0 से विजेता रहा । जिंक अकादमी की ओर से पहला गोल करण, ने 8 मिनट दूसरा ओर तीसरा गोल आशीष, ने 60,83 मिनट ओर चौथा गोल सुभाष, ने 88 मिनट पर किया। आगामी फुटबाल लीग के मैच 21 मई को में खेले जाएंगे।

आरसीए एडहॉक कमेटी विवादों के मकड़जान में फंसी

आरसीए एडहॉक कमेटी 4 सदस्यों के कन्वीनर बिहाणी पर लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, 19 मई। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी में सियासी विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। बीजेपी विधायक और एडहॉक कमेटी के कन्वीनर जयदीप बिहाणी के खिलाफ एडहॉक कमेटी के सदस्यों ने ही मोर्चा खोल दिया है। हेल्थ मिनिस्टर गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे और एडहॉक कमेटी के सदस्य धनंजय सिंह खींवसर ने कहा कि जयदीप बिहाणी के अमर्यादित व्यवहार और अनर्गल बयानों से हम सभी एडहॉक सदस्य स्तब्ध हैं।

धनंजय सिंह ने कहा कि जयदीप बिहाणी ने तानाशाह की तरह काम किया है। जैसे तालिबान अफगानिस्तान को चलाता है, वैसे उन्होंने एडहॉक कमेटी को चलाया है। जब कभी एडहॉक कमेटी की मीटिंग होती थी उसमें भी वह खुद की मनमर्जी करते थे। खींवसर ने कहा कि जयदीप बिहाणी सिर्फ अपनी राजनीतिक रोटियां सीखने के लिए इस तरह के बेतुकेएवं बेवजह विवाद पैदा करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि बिहानी प्रदेश के अछूतों के क्रिकेट संघों के हितों को भी डरा-धमका रहे हैं। ताकि उनकी कोई आवाज न उठे। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के नाम पर बिहानीआरसीएएडहॉक कमेटी में अपनी राजनीतिक रोटियां सेक रहे हैं।

दोपहर 1 बजे जयपुर के एसएमएस स्टेडियम की खेल अकादमी में तदर्थ समिति की बैठक बुलाई गई। तदर्थ समिति के 6 में से 4 सदस्यों ने नीचे दिए गए प्रस्तावों को पारित करने पर सहमति जताई।

प्रस्ताव में तदर्थ समिति के संयोजकजयदीप बिहाणी द्वारा व्यक्तिगत रूप से विभिन्न प्राधिकरणों, खेल संघों, रजिस्ट्रार सहकारी समितियों, रजिस्ट्रार सहकारी समितियों आदि को पत्र लिखकर लिए गए निर्णय तदर्थ समिति और उसके सदस्यों की जानकारी और सहमति के बिना हैं।साथ ही, ऐसे निर्णयों पर समिति की सहमति और अनुमोदन नहीं होता है और इसलिए ये सभी पत्र, आदेश, निर्देश कानून के अधिकार के बिना हैं और इन्हें वापस लिया जाता है।

इसके अलावा संयोजकजयदीप बिहाणी द्वारा जिन सभी अधिकारियों को ऐसे पत्र, आदेश, निर्देश लिखे गए हैं, उन्हें निरस्त किया जाएगा ताकि राजस्थान राज्य में क्रिकेट के प्रशासन और अन्य कोई जटिलता उत्पन्न न हो।

समिति द्वारा लिया गया कोई भी निर्णय सभी सदस्यों की सहमति से या बहुमत से लिया जाना चाहिए तथा संयोजक सहित कोई भी व्यक्तिगत सदस्य राजस्थान क्रिकेट संघ के कामकाज के संबंध में कोई भी निर्णय लेने के लिए अधिकृत नहीं है। समिति की बैठक प्रत्येक तीन सप्ताह में एक बार होगी तथा सभी सदस्यों के लिए ऐसी बैठक में उपस्थित होना अनिवार्य होगा, ताकि राजस्थान राज्य में क्रिकेट के प्रशासन के संबंध में नियमित आधार पर निर्णय लिए जा सकें। तदर्थ समिति के संयोजक जयदीप बिहाणी के कार्यों की निंदा की जाती है तथा समिति द्वारा यह निर्णय लिया जाता है कि बिहाणी को सूचित किया जाना चाहिए कि उन्हें सभी सदस्यों की सहमति के बिना तथा बहुमत की राय लिए बिना व्यक्तिगत रूप से कोई भी निर्णय लेने से बचना चाहिए।

लखनऊ प्लेऑफ रेस से बाहर, हैदराबाद ने 6 विकेट से हराया

अभिषेक की फिफ्टी, राठी से मैदान पर बहस की

नई दिल्ली, 19 मई। आज हुये मैच में लखनऊ को हैदराबाद ने 6 विकेट से हराकर प्लेऑफ रेस से बाहर कर दिया। इकाना स्टेडियम में हैदराबाद ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 205 रन बनाए। ओपनर मिचेल मार्श (65 रन) और ऐडन मार्करम (61 रन) ने फिफ्टी लगाई। निकोलस पूरन 45 रन बनाए। ईशान मलिंगा ने 2 विकेट लिए।

सनराइजर्स हैदराबाद ने 13 ओवर के बाद 3 विकेट पर 148 रन बना लिए हैं। हेनरिक क्लासन और कामिंडू मेंडिस नाबाद हैं। ईशान किशन 35 और अभिषेक 59 रन बनाकर आउट हुए। दोनों को दिग्वेश राठी ने आउट किया। 8वें ओवर में अभिषेक शर्मा और दिग्वेश राठी के बीच मैदान पर बहस हो गई। अभिषेक को आउट करने के बाद दिग्वेश ने कॉपी बुक सेलिब्रेशन किया। इस पर अभिषेक भड़क गए और दोनों में बहस होने लगी। फील्ड अंपायर्स ने बीच-बचाव किया। विलियम ओरूर्क ने दूसरे ओवर में अथर्व तायडे (13 रन) को कैच कराया।

पाली जिला संघ निलंबित

जयपुर, 19 मई। एडहॉक कमेटी के कन्वीनर बिहाणी ने बताया कि जिला क्रिकेट संघ पाली द्वारा राज्य क्रीड़ा संघ (संगमो का रजिस्ट्रीकरण, मान्यता एवं विनियमन) के तहत धारा 15. धारा 17. धारा 19, धारा 20 (2), धारा 30 के तहत अपचनीय कृत्य किया है जिसके तहत राज्य संघ द्वारा धारा 22 के तहत अयोग्यता आहरित की गई है। अतः उपरोक्त वर्णित परिस्थितियों में जिला क्रिकेट संघ पाली की सम्बद्धता को राजस्थान क्रिकेट संघ से असम्बद्ध कर प्रकरण को माननीय लोकपाल राजस्थान क्रिकेट संघ को प्रेषित किया जाता है।

ऑपरेशन सिंदूर के समय पाक में थे मोईन अली के पेरेंट्स : भारत ने यहीं दागी मिसाइलें

नई दिल्ली, 19 मई। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोईन अली ने खुलासा किया कि इंडियन आर्मी के ऑपरेशन सिंदूर के समय उनके माता-पिता पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में थे। इंडियन आर्मी ने इन्हीं इलाकों में मौजूद आतंकी ठिकानों पर मिसाइलें दागी थीं। बीयर्ड बिफोर विकेट पॉडकास्ट पर बात करते हुए मोईन ने बताया कि हमलों के तुरंत बाद उन्होंने छोड़ने का मन बना लिया था। वे अपनी टीम के लिए सेकेंड फेज के मैच खेलने के लिए भारत भी नहीं आए। डरकरभागे मोईन के घरवाले इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर मोईन अली ने बताया कि के जिस हिस्से में मिसाइल हमले हुए, उनके माता-पिता उस जगह से 1 घंटे की दूरी पर ही थे। हमलों से डरकर उनके घरवाले अगली फ्लाइट से ही छोड़कर चले गए। मुझे खुशी हुई कि वे किसी तरह वहां से निकल गए, लेकिन ये सब देखना खतरनाक था।

आरसीए अकादमी से पाक के खिलाड़ियों की तस्वीरें हटाई

जयपुर, 19 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच सीजफायर के बाद एडहॉक कमेटी के चार सदस्यों ने आरसीए अकादमी में लगी पाकिस्तान के खिलाड़ियों की लगी सभी तस्वीरों को दीवार से हटा दिया गया। प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद कमेटी के चारो सदस्यों ने एक मत होकर यह निर्णय लिया।

यश सांखला व निखिल सचदेवा की शतकीय पारियों से जीता उदयपुर

तोषित भाटिया के शतक से जीता जयपुर, भावित कुमावत सुमित गोदारा के शतक

जयपुर, 19 मई। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित एकदिवसीय सीरीज के तहत खेले गए दूसरे मैच में उदयपुर ने जयपुर बी टीम को 5 विकेट से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर जयपुर बी टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिजीत तोमर के 72 रन, भावित कुमावत के 145 रन, राज शर्मा के 51 रन, राहुल खंडेलवाल के 39 रन व शुभम पटवाल के 24 रन से 50 ओवर में 7 विकेट पर 385 रन बनाए। उदयपुर के लिए आभाष श्रीमाली 39 पर 3, प्रद्युम्न पारेख ने 74 पर 2, कारण सिंह राणावत ने 36 पर 2 विकेट लिए। जवाबी पारी में उदयपुर की टीम ने यश सांखला के 154 रन नाबाद, कारण सिंह राणावत के 20 रन, अनिरुद्ध सिंह के 26 रन, निखिल सचदेवा के 112 रन, अर्जुन मीणा के 34 रन व पुष्पेंद्र सिंह के नाबाद 29 रनों से 47.2 ओवर में 5 विकेट पर 386 रन बनाकर मैच जीत लिया। जयपुर बी टीम के लिए मेहुल पारीक ने 40 पर 2, मिहित अग्रवाल, चिराग शर्मा व पर्व झालानी ने एक - एक विकेट लिया। जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए मैच में श्री गंगानगर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सुमित गोदारा के 168 रन, राहुल गर्ग के 42 रन, हितेश के 21 रनों से 47.5 ओवर में 272 रन बनाए। जयपुर ए टीम के लिए जतिन सैनी ने 34 पर 4, अभिषेक यादव ने 38 पर 2, हिमांशु राणा ने 42 पर 3 व तोषित भाटिया ने 24 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुर ए टीम ने तोषित भाटिया के नाबाद 124 रन, रोहन राजभर के 19 रन, कारण लांबा के 23 रन, अनिल सैनी के 28 रन, कुशाग्र ओझा के 28 रन व जतिन सैनी के 15 रन नाबाद से 48.1 ओवर में 9 विकेट पर 273 रन बनाकर मैच जीत लिया। गंगानगर के लिए हितेश ने 43 पर 4, धनंजय सिंह, सलाउद्दीन, अजय चारण व हिमांशु ने एक - एक विकेट लिया। कल श्री गंगानगर की टीम जयपुर की बी टीम के साथ के एल सैनी स्टेडियम पर मैच खेलेगी।

आर.डी. बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट जयपुर जिला ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप 9 जून से

जयपुर, 19 मई। जिला ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 9 जून से 16 जून तक सवाई मानसिंह स्टेडियम के इनडोर हॉल पर खेली जाएगी जिला सचिव मनोज दासोत के अनुसार प्रतियोगिता में सब जूनियर ,जूनियर, सीनियर व वेटरन वर्ग की प्रतियोगिता खेली जाएगी जिला अध्यक्ष अनिल मेहता के अनुसार 11 वर्ष आयु वर्ग से लेकर 75 वर्ष आयु वर्ग तक के खिलाड़ी इसमें भाग ले सकेंगे यह प्रतियोगिता महिला व पुरुष वर्ग में खेली जाएगी तथा इसके द्वारा जयपुर टीम का चुनाव होगा अनिल मेहता के अनुसार प्रतियोगिता के मुख्य प्रायोजक सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करने वाली संस्था आर डी बाहेती चैरिटेबल ट्रस्ट होगी प्रतियोगिता के मुख्य रेफरी के के माथुर व वेटरन रेफरी जगदीश खत्री , विकास माथुर होगे प्रतियोगिता में एंट्री कोषाध्यक्ष अतुल गुप्ता वह सवाई मानसिंह स्टेडियम इंदौर हाल पर दे सकते हैंएंट्री की अंतिम तिथि 7 जून होगी।

दिव्यांशी, प्रभव और सुभाष का एशियन जूनियर के लिए चयन

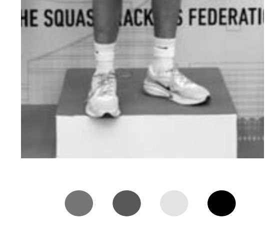

जयपुर, 19 मई। राजस्थान के स्क्वैश खिलाड़ी दिव्यांशी जैन, प्रभव बाजोरिया और सुभाष चौधरी एशियन जूनियर इंडिविजुअल स्क्वैश चैंपियनशिप में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। राजस्थान स्क्वैश रैकेट्स एसोसिएशन के सचिव घीरज सिंह ने बताया कि इन खिलाड़ियों का चयन 15 से 19 मई तक चेन्नई में आयोजित ट्रॉयल के आधार पर किया गया है। एशियन जूनियर इंडिविजुअल चैंपियनशिप का आयोजन 1 से 6 जुलाई तक दक्षिण कोरिया में किया जाएगा। धीरज ने बताया कि स्क्वैश रैकेट फेडरेशन ऑफ इंडिया की देखरेख में आयोजित चयन ट्रायल में नेशनल रैंकिंग को आधार मानते हुए टॉप 8 खिलाड़ियों को आमंत्रित किया गया था। इसके बाद इन खिलाड़ियों के बीच राउण्ड रोबिन आधार पर मैच आयोजित किए गए। धीरज ने बताया कि दिव्यांशी जैन, प्रभव बाजोरिया और सुभाष चौधरी ने अपने- अपने आयु वर्ग में टॉप 4 में रहते हुए भारतीय टीम में जगह बनाई। उन्होंने बताया कि दिव्यांशी जैन लड़कियों की अंडर-13 कैटेगरी में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी, वहीं इसी आयु वर्ग में लड़कों में प्रभव बाजोरिया चुनौती पेश करेंगे। सुभाष चौधरी को अंडर-17 कैटेगरी में चुना गया है।

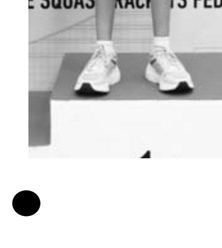

‘डबल इंजन सरकार किसान-पशु पालकों के कल्याण के लिए कदम उठा रही है’

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अलवर दुग्ध संघ की प्रगति की प्रशंसा की

- मुख्यमंत्री ने अलवर में महाराणा प्रताप की मूर्ती का अनावरण, सिलीसढ़ पेयजल परियोजना का शिलान्यास तथा अलवर डेयरी के नये उत्पादों को लाँच किया।
- अलवर के कार्यक्रमों में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राजस्थान के मंत्री जोराराम कुमावत, झाबर सिंह खर्रा, संजय शर्मा, जवाहर सिंह बेढम, भाजपा के स्थानीय नेता, प्रशासनिक अधिकारी आदि ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अलवर में श्वेत क्रांति के द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया और अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, राजस्थान को-ऑपरेटिव फैडरेशन लिमिटेड, नेशनल डेयरी डैवलपमेंट बोर्ड एवं राजीविका द्वारा लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया।

अलवर, 19 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को अलवर में श्वेत क्रांति द्वितीय चरण एवं अलवर दुग्ध संघ दिवस कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने सिलिसेढ़ क्षेत्र से नलकूप व पाइपलाइन के माध्यम से अलवर शहर की पेयजल योजना संवर्द्धन कार्य (लगभग 23.27 करोड़) का शिलान्यास किया और अलवर डेयरी के नवीन उत्पाद मावा तथा 15 किलो के पैक में टोन्ड मिल्क से बना दही लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अलवर के गांवों ने 50 से अधिक साल पहले अलवर दुग्ध संघ के रूप में जो पौधा लगाया था, आज वह एक वटवृक्ष बन गया है। जब इस दुग्ध संघ की स्थापना हुई थी, तब यह 500 लीटर दूध का संकलन करता था, जो वर्तमान में रोजाना औसतन डेढ़ लाख लीटर हो गया है। साथ ही, यह संघ करीब 50 हजार लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करवा रहा है।

उन्होंने ने कहा केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार किसान-पशुपालकों के कल्याण और डेयरी क्षेत्र के उत्थान के लिए निर्णायक कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर अलवर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लिमिटेड, राजस्थान को-ऑपरेटिव फेडरेशन लिमिटेड, नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड एवं राजीविका की ओर से लगाई गई स्टॉल्स का अवलोकन किया तथा ‘‘बहरोड बनेगा बेहतर’’ पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री शर्मा ने मोती डूंगरी स्थित पार्क में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण किया। लगभग 50 लाख रूपये की लागत से बनी यह प्रतिमा पंचधातु से निर्मित है। इस प्रतिमा की उंचाई साढ़े 12 फीट और वजन 2 हजार 200 किलोग्राम है। शर्मा ने यहां मौलश्री पौधे का रोपण भी किया। इस दौरान, सर्व समाज द्वारा मुख्यमंत्री शर्मा का साफा पहनाकर एवं राजपूत समाज द्वारा तलवार भेंट कर अभिनन्दन किया गया।

केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने भी उपस्थित लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम में पशुपालन एवं डेयरी, गोपालन, देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत, नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग मंत्री झाबर सिंह खर्रा, पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री संजय शर्मा, गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म, कई पूर्व मंत्री, विधायक, पूर्व विधायक, जिला प्रमुख, जिला अध्यक्ष के अलावा, संभागीय आयुक्त पूनम, पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज अजय पाल लांबा, जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला, पुलिस अधीक्षक संजीव नैन आदि अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

आगामी अगस्त ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

केवल 2.5 प्रतिशत रह गया था। ऐसे में 50 प्रतिशत अप्रूवल रेटिंग को पार करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी को उन लोगों का भी समर्थन प्राप्त करना होगा, जिन्होंने 2024 में उनके खिलाफ मतदान किया था।

यह रिपोर्ट, चार अन्य वेरिएबल्स (परिवर्तनीय तत्वों), जैसे सामाजिक समूह, आयु, वर्ग, लिंग और क्षेत्र पर भी आधारित होगी।

इंडिया पोलिटिकल परसैप्शन इंडेक्स के एल्गॉरिद्म 25 वर्षों के उस शोध पर आधारित हैं, जिनमें यह समझा गया कि किस प्रकार राजनीतिक निष्ठा व्यक्ति या दल के प्रदर्शन से भी अधिक प्रभावशाली कारक बन जाती है।

पोल फर्स्ट एक ऐसे ट्रैकर का वादा करता है, जो भारतीय राजनीति को उत्तरदायी बनाएगा, जैसे अमेरिका में 1937 से गैलप, ब्राज़ील में 1983 से डेटाफोल्हा, यूनाइटेड किंगडम में 1997 से पोलिटिकल मॉनिटर, जर्मनी में 1996 से ए.आर.डी. और फ्रांस में दिसंबर 1938 से आई.एफ.ओ.पी. कर रहे हैं।

ममता बनर्जी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सरकार ने उन्हें पार्टी नेतृत्व से बिना पूछे सीधे आमंत्रित कर दिया था।

ममता बनर्जी ने तृणमूल के सदस्यों को प्रतिनिधिमंडल में शामिल होने से रोक दिया और खुद को पूरे सर्वदलीय प्रयास से अलग कर लिया। यह उल्लेखनीय है कि कांग्रेस ने भी तब आपत्ति जताई थी जब भाजपा ने कांग्रेस सांसदों को सीधे आमंत्रित किया था, लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस ने सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का बहिष्कार नहीं किया।

संभावना है कि ममता इस बात से नाराज़ थीं कि सरकार ने उनकी पार्टी के लोगों को सीधे ही आमंत्रित कर लिया, उन्हें पूछा तक नहीं। ममता बनर्जी का अपनी पार्टी पर सख्त नियंत्रण है और उनकी मर्ज़ी के बिना पार्टी में पत्ता तक नहीं हिलता।

हालांकि कुछ लोगों का मानना है कि इस पूरे मामले से खुद को अलग करने के पीछे राजनीतिक कारण हैं। वे मानते हैं कि ममता ने अपने मुस्लिम वोट बैंक के सामन आक्रामक रुख नहीं अपनाया, और इसी वजह से वे ‘‘ऑपरेशन सिंदूर’’ से खुद को अलग रखने की कोशि कर रही है।

यह कदम उनके मुस्लिम तुष्टीकरण करने के अन्य प्रयासों जैसा ही है। यह इसलिए और भी जरुरी हो गया है, क्योंकि कई अखिल भारतीय मुस्लिम पार्टियां 2026 के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल में अपने उम्मीदवार उतारने की योजना बना रही हैं। ममता ने पहले से कुछ रणनीतिक कदम उठाए हैं, ताकि अगले साल के राज्य चुनावों की तैयारी की जा सके।

ममता बनर्जी का कहना है कि यह अधिकार पार्टी का होता है कि वह तय करे कि किसे प्रतिनिधिमंडलों में भेजा जाए। सरकार या कोई अन्य संस्था यह निर्णय नहीं ले सकती। सरकार द्वारा सीधे सदस्यों को आमंत्रित करना पार्टी के अधिकारों का उल्लंघन है।

हालांकि यह तर्क कुछ हद तक अतिरंजित लगता है, क्योंकि अन्य सभी दलों ने बिना किसी विवाद के सरकार के आमंत्रण को स्वीकार किया है। आखिरकार, यह मामला राष्ट्रीय महत्व का है और इसमें सभी सांसदों से पूर्ण सहयोग की अपेक्षा की जाती है।

गैर सरकारी...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

को कुछ अभिभावकों ने डिवीज़नल कमेटी के समक्ष चुनौती दी। वहीं, डिवीज़नल कमेटी ने स्कूल फीस कमेटी के आदेश को गलत माना। याचिका में कहा गया कि फीस नियंत्रण अधिनियम की धारा दस में डिवीज़न कमेटी के आदेश को चुनौती देने के लिए रिवीज़न कमेटी के गठन का प्रावधान है, लेकिन राज्य सरकार ने बीते नौ साल से इस रिवीज़न कमेटी का गठन ही नहीं किया है, जबकि मई, 2024 में सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार ने अदालत में अंडरटेकिंग दी थी कि तीन सप्ताह में रिवीज़न कमेटी का गठन कर लिया जाएगा। याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने दिनों शिक्षा सचिव से कमेटी गठन को लेकर शपथ पत्र पेश करने को कहा था।

कॉलेज शिक्षकों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मेडिकल शिक्षकों की रिटायरमैंट आयु पूर्व में ही साठ साल से बढ़ाकर 65 साल की जा चुकी है। इसके अलावा, यूपी, एमपी और गुजरात सहित देश के करीब डेढ दर्जन राज्यों में कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमैंट उम्र 65 साल है। इसके बावजूद, प्रदेश में कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमैंट उम्र साठ साल ही है।

याचिका में कहा गया कि मैडिकल शिक्षक और कॉलेज शिक्षकों का काम एक समान है। ऐसे में राज्य सरकार उसकी सेवानिवृत्ति आयु अलग-अलग रखकर भेदभाव नहीं कर सकती। इसलिए कॉलेज शिक्षकों की रिटायरमैंट उम्र भी 65 साल की जाए।

राहुल गाँधी ने जयराम रमेश को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और मनीष तिवारी को प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया, जबकि ये नाम कांग्रेस की तरफ से नहीं भेजे गए थे।

कांग्रेस के एक धड़े का मानना है कि पार्टी को इस नाम लेने के खेल में नहीं पड़ना चाहिए था।, बल्कि यह जिम्मा सरकार पर छोड़ देना चाहिए था कि वह कांग्रेस सांसदों में से प्रतिनिधियों का चयन करे।

जयराम रमेश लगातार यह कह रहे हैं कि संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कांग्रेस से नाम मांगे थे। लेकिन रोचक बात यह है कि खुद रिजिजू ने इससे इनकार किया है कि उन्होंने ऐसा कोई अनुरोध किया था। पार्टी महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के नेतृत्व में थरुर को निशाना बनाने की कोशिशें चल रही हैं, जिसका संबंध केरल की कांग्रेस राजनीति से जोड़ा जा रहा है। जयराम रमेश, जो खुद का पद बचाने की कोशिश कर रहे हैं, इसमें सहायता कर रहे हैं।

राहुल गांधी ने दृढ़ शब्दों में स्पष्ट कर दिया है कि यह वक्त इस तरह की आंतरिक राजनीति का नहीं है। शशि थरुर और मनीष तिवारी दोनों ने यह साफ किया है कि यदि सरकार उन्हें आमंत्रित करती है, तो वे राष्ट्रीय हित में प्रतिनिधिमंडल में शामिल होंगे।

रोचक बात यह है कि गुलाम नबी आज़ाद, जो अब कांग्रेस में नहीं हैं, लेकिन जम्मू-कश्मीर का एक विश्वसनीय चेहरा माने जाते हैं, उन्हें भी प्रतिनिधिमंडल में शामिल किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि जब कुछ समय पहले उन्हें दोबारा कांग्रेस में लाने की कोशिश हो रही थी, तो यही जयराम रमेश थे, जिन्होंने उस प्रयास को विफल कर दिया था। राहुल गांधी को अब अपनी कल्पनाओं से बाहर निकल कर पार्टी के नेताओं की चैकलिस्ट बनानी होगी और यह समझना होगा कि कौन किस किस्म की राजनीति कर रहा है।

रिलायंस ने एशिया का वर्ष 2025 का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुटाने में सक्षम है।

यह पूंजी निवेश भविष्य की दिशा में उठाया गया कदम है। यह मुकेश अंबानी की उस दृष्टि के अनुरुप है, जिसमें रिलांयस को ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर मॉड्यूल, एआई आधारित प्लेटफॉर्म और उन्नत निर्माण के क्षेत्र में विश्व में लीडर बनाना शामिल है। ये परियोजनाएं शुरुआत में बड़े निवेश की मांग करती हैं, लेकिन ये भविष्य में भारी रिटर्न और वैश्विक नेतृत्व की संभावना रखती हैं।

इस दृष्टिकोण से देखा जाए तो यह सिंडिकेटेड ऋण कोई तात्कालिक जरुरत या केवल रीफाइनैंसिंग मात्र नहीं है, बल्कि यह रिलांयस की दीर्घकालिक परिवर्तन यात्रा के लिए एक रणनीतिक ईंधन है। यह दिखाता है कि कंपनी भारतीय सीमाओं से आगे जाकर अन्य उभरते क्षेत्रों में लीडर बनने का इरादा रखती है।

इस डील का समय भी विशेष महत्व रखता है। एशिया-प्रशांत (जापान को छोड़कर) क्षेत्र में 2025 में जी3 मुद्राओं (यूएसडी, इयूआर, जेपीवाई) में सिंडिकेटेड ऋण मात्रा केवल 29 बिलियन डॉलर रही है, जो 20 वर्षों में सबसे कम है। यह गिरावट सख्त मौद्रिक नीतियों, भू-राजनीतिक तनाव और निवेशकों की सतर्कता के कारण आई है। कई एशियाई कंपनियों ने महंगे ऋण और जोखिम से बचने के लिए विदेशी उधारी को टाल दिया है या उसकी मात्रा घटाई है। फिर भी, भारतीय कंपनियां इस क्षेत्र में अपवाद साबित हुई हैं।

मई 2025 के मध्य तक, भारतीय कॉर्पोरेट्स ने 10.4 बिलियन डॉलर की विदेशी उधारी जुटाई है, जो क्षेत्र के कुल ऋण का एक-तिहाई से अधिक है। यह भारत की मजबूत आर्थिक नींव, स्थिर रुपया और देश के विकास पथ में वैश्विक निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है।

इस कुल ऋण का लगभग 28 प्रतिशत हिस्सा अकेले रिलायंस के पास है। इसकी मात्रा, संरचना और व्यापक बैंक भागीदारी न केवल रिलायंस की विश्वसनीयता को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि सतर्क वित्तीय माहौल में भी वैश्विक ऋणदाता हाई रेटिंग वाली भारतीय कंपनियों में रुचि रखते हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डोनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908